@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 22 अप्रैल 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 161 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

एनसीडब्ल्यू ने मालदा और मुर्शिदाबाद में महिलाओं से कोरे कागज पर कराए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं ने सोमवार को राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) पर निशाना साधा और इसे भाजपा की महिला शाखा करार दिया। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर के हिंसा प्रभावित इलाकों में पहुंचने के बाद टीएमसी नेता ने आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाया। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ पार्टी ने आरोप लगाया कि एनसीडब्ल्यू संदेशखाली स्क्रिप्ट(यानी पहले की तरह एक साजिश) को दोहरा रही है और महिलाओं से कोरे कागजों पर हस्ताक्षर कराए जा रहे हैं, ताकि झूठे आरोप गढ़े जा सकें। एनसीडब्ल्यू की ओर इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। टीएमसी की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, एनसीडब्ल्यू को आखिरी बार संदेशखाली में देखा गया था, जहां उसने महिलाओं से झूठे दुष्कर्म के आरोपों के लिए कोरे कागजों पर हस्ताक्षर कराए थे। अब ये लोग मालदा और मुर्शिदाबाद पहुंच गए हैं। क्या अब और भी कोरे कागज आने वाले हैं? उन्होंने आगे लिखा, एनसीडब्ल्यू की ससदस्य अर्चना मजूमदार ने 2021 में भाजपा की ओर से विधानसभा चुनाव लड़ा था और हार गई थीं। क्या हमें भाजपा की महिला शाखा, क्षमा करें, एनसीडब्ल्यू से निष्पक्ष रिपोर्ट की उम्मीद करनी चाहिए? टीएमसी की लोकसभा सांसद डोला सेन ने भी इसी तरह का बयान दिया। उन्होंने कहा, जब एनसीडब्ल्यू ने पिछली बार बंगाल का दौरा किया था, तो उसने भाजपा के कहने पर संदेशखाली की महिलाओं को दुष्कर्म के झूठे आरोपों के लिए कोरे कागजो पर हस्ताक्षर करने को मजबूर किया। अब ये मालदा और मुर्शिदाबाद की ओर बढ़ गए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा, कलम तैयार है। आदेश आ चुका है। श्वेतपत्र 2.0 तैयार किया जा रहा है। भाजपा-आरएसएस ने मसौदा बनाया है। महिलाओं से कोरे कागजों पर हस्ताक्षर क्यों करवाए जा रहे हैं? हमें इसका जवाब चाहिए। रहाटकर सहित एनसीडब्ल्यू की एक टीम वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ हुए प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा से प्रभावित इलाकों मालदा और मुर्शिदाबाद का तीन दिवसीय दौरा कर रही हैं।

पीएम मोदी से मिले जेडी वेंस, व्यापार एजेंडे पर हुआ मंथन

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ बातचीत की है। बता दें कि, अमेरिकी उपराष्ट्रपति चार दिवसीय दौरे पर भारत आएं हैं उनके साथ उनकी पत्नी उषा वेंस और बच्चे भी मौजूद हैं। थोड़ी देर में प्रधानमंत्री जेडी वेंस के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन भी करेंगे। वहीं जेडी वेंस सपरिवार कल जयपुर और आगरा का भी दौरा करेंगे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा पर अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत और भाजपा नेता तरनजीत सिंह संधू ने कहा, जेडी वेंस की शुरुआती दिनों में भारत यात्रा महत्वपूर्ण है...दुनिया में कोई भी रिश्ता, जिसमें हमारे अपने घरेलू रिश्ते भी शामिल हैं, जटिल होता है। जटिलताएं पहले भी थीं। मेरा मानना है कि इन चुनौतियों को अवसरों में बदलना चाहिए और यह मुद्दा भी कुछ ऐसा ही है। हालांकि यह बहुत बड़ा हो गया है, यह एक विश्वव्यापी घटना है, यह एक नई तकनीक है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि भारत-अमेरिका संबंधों को दबा दिया जाएगा। यह सब एक साथ चलेगा। उन्होंने आगे कहा, मैंने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनके पहले प्रशासन में काम किया था...अमेरिका-भारत संबंधों के कई आयाम हैं और व्यापार इसका एक हिस्सा है। व्यापार भी सुलझ जाएगा। थोड़ा धैर्य रखें, इस रिश्ते को देखें, आने वाले दिनों में आप इसकी रूपरेखा बनते देखेंगे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज एम्पोरियम, जनपथ का दौरा करने पर स्टोर मैनेजर विनय अग्रवाल कहते हैं, हम बहुत खुश हैं कि वे परिवार के साथ यहां आए। उन्होंने कुछ पेपर-मैचे आइटम, बच्चों के लिए छोटे-छोटे उपहार आइटम और कुछ पीतल के सामान खरीदे... उन्होंने शोरूम के सभी काउंटर देखे। सेंट्रल कॉटन इंडस्ट्री कला और शिल्प के मंदिरों में से एक है। यह कोई साधारण दुकान नहीं है। सेंट्रल कॉटन इंडस्ट्री एशिया में एक बहुत बड़ा संगठन है और हाथ से बने हस्तशिल्प का कारोबार करता है। उन्हें (उषा वेंस) कला और शिल्प बहुत पसंद आया। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के जयपुर दौरे को लेकर गुलाबी नगरी में जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। इस ऐतिहासिक स्वागत में सबसे खास भूमिका निभाएंगी जयपुर की दो शाही हथिनियां — चंदा और पुष्पा, जो राजस्थानी अंदाज

में मेहमान नवाजी के लिए प्रसिद्ध हैं। अमेर महल के सूरजपोल गेट पर उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड का स्वागत बेहद भव्य अंदाज में किया जाएगा। चंदा और पुष्पा को चांदी के विशेष होदे पहनाए जाएंगे, साथ ही उनके लिए पारंपरिक राजस्थानी आभूषणों की भी व्यवस्था की गई है। दोनों हथिनियों को इन दिनों हाथी गांव में विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है ताकि वे मेहमानों का स्वागत सलीके से कर सकें। हाथी गांव में चल रही तैयारियों के बीच चंदा और पुष्पा को रोजाना नहलाया जा रहा है और उन्हें सेरेमनी के लिए अभ्यास करवाया जा रहा है। पुष्पा, जो 19 साल की है, अमेरिकी उपराष्ट्रपति को सलामी देकर उनका स्वागत करेगी, वहीं 28 वर्षीय चंदा अपनी सूंड से माला पहनाकर मेहमानों का अभिनंदन करेगी। हाथी मालिक बल्लू खान ने बताया कि, सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि चंदा और पुष्पा को इतनी बड़ी शख्सियत के स्वागत का अवसर मिल रहा है। जयपुर के शाही स्वागत की इस परंपरा में हाथियों की भूमिका एक बार फिर गौरवशाली अध्याय जोड़ने जा रही है, जिसे देखने के लिए देश-विदेश की निगाहें जयपुर पर टिकी हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस नई दिल्ली से जयपुर आ रहे हैं।

पोप फ्रांसिस ने 88 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। पोप फ्रांसिस अब हमारे बीच नहीं रहे। सोमवार 21 अप्रैल, 2025 को 88 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उन्होंने वेटिकन के कासा सांता मार्टा स्थित अपने निवास पर सुबह 7.30 बजे (स्थानीय समयानुसार) अंतिम सांस ली। वेटिकन समाचार के मुताबिक, वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। बीते दिन ईस्टर के अवसर पर लंबे समय के बाद वे लोगों के सामने आए थे। पोप फ्रांसिस जेसुइट ऑर्डर से पहले पोप थे। 8वीं शताब्दी के बाद से यूरोप के बाहर से पहले पोप थे। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो के रूप में जन्मे पोप फ्रांसिस 1969 में कैथोलिक पादरी नियुक्त किया गया था। 28 फरवरी, 2013 को पोप बेनेडिक्ट XVI के इस्तीफे के बाद 13 मार्च को एक पोप सम्मेलन ने कार्डिनल बर्गोग्लियो को उनका उत्तराधिकारी चुना। उन्होंने सेंट फ्रांसिस ऑफ असीसी के सम्मान में फ्रांसिस को अपना पोप

नाम चुना। अब आधिकारिक शोक की 14 दिन की अवधि होगी, जिसके बाद कार्डिनल मसीह के नए विकर का चुनाव करने के लिए सम्मेलन में जाएंगे। पोप फ्रांसिस लंबे समय से बीमार चल रहे थे। लगभग एक महीने तक अस्पताल में इलाज कराने के बाद पोप 24 मार्च को अपने निवास स्थान कासा सांता मार्टा लौटे थे। अस्पताल से लौटने पर उन्होंने बड़ी संख्या में अस्पताल के बाहर जमा हुए लोगों को आशीर्वाद दिया था। सार्वजनिक रूप से पोप को देखने के बाद लोग काफी खुश दिखे थे और जयकारे भी लगाए थे। पोप फ्रांसिस को 14 फरवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें डबल निमोनिया हो गया था। अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में उनका चला था। एक महीने से ज्यादा समय अस्पताल में बिताने के बाद उन्हें छुट्टी दी गई थी। पोप की देखभाल करने वाले सर्जरी प्रमुख सर्जियो अल्फिएरी ने बताया था कि उन्हें दवाइयां की जरूरत पड़ती रहेगी। पोप फ्रांसिस जब जवान थे, तब उनके एक फेफड़े में संक्रमण के कारण उसे हटाना पड़ा था। इस कारण उन्हें सांस से जुड़ी बीमारियों का सामना करना पड़ रहा था। 2023 में भी उन्हें फेफड़ों में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। पोप फ्रांसिस भारत आने वाले थे। पिछले साल दिसंबर में केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने बताया था कि पोप फ्रांसिस के 2025 के बाद भारत दौरे पर आने की संभावना है। 2025 को कैथोलिक चर्च ने जुबली वर्ष के रूप में घोषित किया है। भारत पहले ही पोप फ्रांसिस को आधिकारिक तौर पर आमंत्रित कर चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उन्हें सीधे तौर पर निमंत्रण दे चुके हैं। यात्रा पोप की सेहत और सुविधा के अनुसार निर्धारित की जाने वाली थी। पोप फ्रांसिस ने अपने आखिर संदेश में जरूरतमंदों की मदद करने, भूखों को खाना देने और विकास को बढ़ावा देने वाली पहलों को प्रोत्साहित करने की अपील की थी। ईस्टर पर जारी अपने संदेश में उन्होंने लिखा, मैं हमारी दुनिया में राजनीतिक जिम्मेदारी के पदों पर बैठे सभी लोगों से अपील करता हूं कि वे डर के आगे न झुकें।

बंगलूरू में वायुसेना के विंग कमांडर पर जानलेवा हमला

बंगलूरू, 21 अप्रैल। कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर पर कुछ अज्ञात लोगों ने हमला कर उसे बुरी तरह जख्मी कर दिया। जानकारी के मुताबिक, विंग कमांडर पर हमला उस समय हुआ जब वह अपनी पत्नी के साथ एयरपोर्ट जा रहे थे। इस घटना में उनके सिर पर चोट आई और उन्होंने घटना के बाद पुलिस की निष्क्रियता की आलोचना भी की है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें विंग कमांडर बुरी तरह जख्मी औ खून से लथपथ दिखाई दे रहे हैं। विंग कमांडर शिलादित्य बोस ने आरोप लगाया कि दोपहिया वाहन पर उनका पीछा करने वाले लोगों ने रोड रेज की घटना में उन पर हमला किया और गाली-गलौज की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने घटनाक्रम का विवरण दिया और अपने चेहरे और गर्दन पर चोटों को दिखाया, जिसमें से खून बह रहा था। उन्होंने यह भी दावा किया कि वे पुलिस स्टेशन गए थे, लेकिन उन्हें तुरंत मदद नहीं मिली। उन्होंने वीडियो में बताया कि, हम डीआरडीओ, सीवी रमन नगर फेज एक में रहते हैं। आज सुबह, मेरी पत्नी मुझे एयरपोर्ट ले जा रही थी, तभी पीछे से एक बाइक आई और हमारी कार को रोक दिया। मैं डैश कैम फुटेज भी शेयर करूंगा। बाइक सवारों में से एक ने कन्नड़ में मुझे गाली देना शुरू कर दिया। मेरी कार पर डीआडीओ का स्टिकर देखकर उसने कहा, तुम डीआरडीओ के लोग हो, इसके बाद कन्नड़ में और गाली दी। फिर उसने मेरी पत्नी को गाली दी। मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सका।

नगर निगम चुनाव में बिना चुनाव लड़े जीती भाजपा

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। भाजपा इस समय अपने स्वर्णिम दौर से गुजर रही है। एक के बाद एक वह लगातार बड़े-बड़े चुनाव जीतती जा रही है। लेकिन आज दिल्ली के दूसरे सबसे बड़े चुनाव में वह चुनाव लड़े बिना ही जीत गई क्योंकि अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने अपने प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारने से इनकार कर दिया। इससे भाजपा के मेयर पद के प्रत्याशी सरदार राजा इकबाल सिंह और डिप्टी मेयर पद के प्रत्याशी जय भगवान यादव का जीतना तय हो गया है। दिल्ली में अब भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार बननी तय हो गई है। केंद्र और दिल्ली प्रदेश में पहले ही उसकी सरकार है। आम आदमी पार्टी के चुनाव लड़ने से इनकार करने के बाद अब नगर निगम में भी उसका मेयर बनना तय हो गया है। अब दिल्ली के विकास की पूरी जिम्मेदारी भाजपा पर होगी। दिसंबर 2022 में हुए दिल्ली नगर निगम के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 250 सीटों में से 134 सीटों पर जीत हासिल की थी। निगम में 15 साल से सत्ता में बरकरार रही भाजपा को केवल 104 सीटों पर ही सफलता मिली थी। लेकिन बाद में आम आदमी पार्टी के कई पार्षदों ने भाजपा का दामन थाम लिया तो कुछ विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर विधायक बन चुके हैं। इस समय दिल्ली नगर निगम में कई सीटें रिक्त हैं क्योंकि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित भाजपा-आम आदमी पार्टी के कई पार्षद विधायक बन चुके हैं। लेकिन इन

परिस्थितियों में नगर निगम के सदन में भाजपा का बहुमत हो गया है। माना जा रहा है कि इसी कारण आम आदमी पार्टी ने चुनाव से हटने का निर्णय कर लिया। आम आदमी पार्टी नेता आतिशी मारलेना ने कहा कि उनकी पार्टी नगर निगम चुनाव के मेयर पद का चुनाव नहीं लड़ेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पूरे देश में विपक्ष के नेताओं-सांसदों-विधायकों को तोड़ने की कोशिश करती है। उनकी पार्टी के भी कई नेताओं-पार्षदों को तोड़ने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी नगर निगम चुनाव में अपना मेयर प्रत्याशी नहीं खड़ा करेगी, लेकिन जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली के विकास की पूरी जिम्मेदारी भाजपा पर है क्योंकि उसकी केंद्र, प्रदेश और नगर निगम तीनों जगहों पर कब्जा है। भाजपा लगातार यह आरोप लगाती आ रही थी कि आम आदमी पार्टी दिल्ली के विकास में रोड़े पैदा करती है। उसका आरोप रहा है कि अरविंद केजरीवाल स्वयं कोई काम नहीं करते हैं, लेकिन अपनी नाकामी के लिए भाजपा को दोषी ठहराते हैं। लेकिन अब केंद्र, प्रदेश से लेकर नगर निगम तक में भाजपा की सरकार आने से अब भाजपा के पास किसी दूसरे को दोष देने का कोई अवसर नहीं रहेगा। अब उसे पूरी तरह विकास करके दिखाना होगा। भाजपा दिल्ली को विकसित देशों की राजधानी की तरह विकसित करने की बात करती रही है। अब उसे दिल्ली की स्वच्छता, पानी की उपलब्धता, सड़कों पर सफाई, दिल्ली में हरियाली, वायु प्रदूषण में कमी, लोगों के लिए पेयजल की उपलब्धता और यमुना की सफाई जैसे मुद्दों पर खरा उतरना होगा।

नेशनल हेराल्ड स्कैम को घोटाला न मानना कांग्रेस की भ्रष्टाचार के प्रति मानसिकता

तेजिन्दर कौर बब्बर

शिमला, 21 अप्रैल। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा नेशनल हेराल्ड में हुई धांधलेबाजी को भ्रष्टाचार न बताना अत्यंत शर्मनाक है। कांग्रेस नेताओं द्वारा देश भर में घूम-घूम कर उनका बचाव करना कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है कि वह लोग देश की संपत्ति को गांधी परिवार की संपत्ति समझते हैं। देश की संपत्ति के साथ भ्रष्टाचार करना कांग्रेस अपना अधिकार समझती है। लेकिन अब वह दौर बीत गया है जब कांग्रेस जैसे चाहे भ्रष्टाचार करे और उसके ऊपर कोई उंगली न उठे। नेशनल हेराल्ड के खिलाफ चल रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई कोर्ट के निर्देश पर हो रही है। कांग्रेस के बड़े-बड़े वकीलों द्वारा सारे प्रयास करने के बाद भी किसी भी कोर्ट द्वारा कांग्रेस को कोई राहत नहीं मिली है। स्पष्ट है कि इस पूरे प्रकरण में घोटाला हुआ है। घोटालेबाजों को कानून के दायरे में लाना देश की जांच एजेंसियों का दायित्व है। जयराम ठाकुर ने कहा कि जिस प्रकार सारा काम छोड़कर कांग्रेस के नेताओं ने पहले ईडी कार्यालय का पूरे देश में घेराव कर दबाव में लेने की कोशिश की। इसके बाद भी उन्हें कोई लाभ नहीं हुआ तो अब कांग्रेस के नेता पूरे देश में घूम-घूम कर नेशनल हेराल्ड मामले में हुए भ्रष्टाचार का समर्थन कर रहे हैं। उससे कांग्रेस की मूल प्रवृत्ति सामने

आती है। जब तक सत्ता में रहे तब तक कांग्रेस की सरकार ने लाखों करोड़ों के घोटाले किए। एक कंपनी जिसमें 5000 शेयर धारक हों और और जिसके पास 2000 करोड़ की अचल संपत्ति हो उस कंपनी को 90 करोड़ का लोन राजनीतिक पार्टी द्वारा देना और एक नई कंपनी बनाकर 2000 करोड़ की संपत्ति 50 लाख में खरीद लेना और राजनीतिक पार्टी द्वारा लोन माफ कर देना क्या भ्रष्टाचार नहीं है? क्या कांग्रेस के नेता इस प्रकार के गैर कानूनी कार्यों को उचित मानते हैं? क्या हजारों शेयर धारकों की सहमति के बिना किसी कंपनी के सारे शेयर एक व्यक्ति को दे देना सही है? कांग्रेस पार्टी की भ्रष्टाचार की परिभाषा भले अलग होगी लेकिन अब देश में कानून द्वारा निर्धारित किए गए कृत्य को भ्रष्टाचार माना जाएगा और उसके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यूपीए के 10 साल के कार्यकाल में पूरे दुनिया में सिर्फ घोटाले की चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश के विकास की चर्चा हो रही है। नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश में आम जनों को मिल रही सुविधाओं का रिकॉर्ड बन रहा है। 4 करोड़ से ज्यादा आवास, 12 करोड़ से ज्यादा शौचालय, अस्सी करोड़ से से ज्यादा लोगों को हर महीनें निःशुल्क राशन मिल रहा है। देश में एयरपोर्ट, एम्स, आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपल आईटी मेडिकल कॉलेज, मेडिकल कालेज में सीटों की संख्या में दोगुना वृद्धि हो रही है।

भाजपा और शिंदे से रहें दूर, तो विवाद नहीं: उद्धव

मुंबई, 21 अप्रैल। महाराष्ट्र में इन दिनों उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के एक साथ आने की अटकलें तेज है। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) ने सोमवार को कहा कि अगर मनसे प्रमुख राज ठाकरे भाजपा और एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना से दूरी बना लें, तो उनके और उद्धव ठाकरे के बीच किसी भी तरह के विवाद की कोई गुंजाइश नहीं है। पार्टी के मुखपत्र सामना के संपादकीय में लिखा गया कि उद्धव और राज के बीच संभावित सुलह की चर्चा से महाराष्ट्र विरोधी ताकतें परेशान हैं। साथ ही संपादकीय में ये भी दावा किया गया कि अगर भाजपा और शिंदे को दूर रखा जाए, तो दोनों ठाकरे भाई फिर साथ आ सकते हैं। बता दें कि इन अटकलों को खुद हा राज-उद्धव ठाकरे ने हवा दी है। जहां राज ठाकरे पहले ही कह चुके हैं कि अगर मराठी लोगों के हित में हो, तो एक साथ आना मुश्किल नहीं है। वहीं उद्धव ठाकरे ने भी कहा है कि वह छोटे-मोटे मुद्दों को नजरअंदाज करने को तैयार हैं, बशर्ते महाराष्ट्र के हितों के खिलाफ कोई काम न हो। सामना में यह भी कहा गया कि जिन मुद्दों की बात राज कर रहे हैं, वे कभी जनता के सामने नहीं आए।

एक मंच पर दिखे शरद-अजित पवार

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 21 अप्रैल। महाराष्ट्र में शरद पवार और अजित पवार के साथ आने की अटकलें एक बार फिर से तेज हो गई हैं। दरअसल, बीते कई दिनों में दोनां नेता कई बार एक मंच पर दिखाई दिए हैं। ताजा मामला सोमवार का है, जब राष्ट्रवादी कांग्रेस (एसपी) प्रमुख शरद पवार और उनके भतीजे, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को एक पखवाड़े में तीसरी बार मंच साझा किया। इस बार कृषि और चीनी उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर चर्चा के दौरान दोनों एक ही मंच पर दिखे। पुणे के सखार संकुल (चीनी परिसर) में आयोजित बैठक डेढ़ घंटे से अधिक समय तक चली। इसमें वसंतदादा चीनी संस्थान के अधिकारी शामिल हुए। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कि अजित पवार ने कहा कि बैठक में कृषि उत्पादकता बढ़ाने, मिट्टी की उर्वरता में सुधार करने और रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने जैसे विषयों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा, हमने चर्चा की कि कैसे एआई कृषि उत्पादन बढ़ाने, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करने और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने में मदद कर सकता है। माइक्रोसॉफ्ट जैसी फर्म इस क्षेत्र में पहल का समर्थन कर रही हैं। कृषि विभाग ने अपने कुछ

चल रहे प्रयासों को भी साझा किया और चीनी उत्पादन में सुधार के सर्वोत्तम तरीकों पर चर्चा की गई। हाल के हफ्तों में शरद पवार के साथ उनकी तीसरी मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने इन बैठकों के राजनीतिक महत्व को दरकिनार कर दिया। हाल के हफ्तों में पहली बार दोनों उनके बेटे जय की सगाई मिले थे। उन्होंने कहा कि परिवार सगाई जैसे अवसरों पर एक साथ आते हैं और उन्हें किसी अन्य दृष्टिकोण से व्याख्या करने की कोई आवश्यकता नहीं है। शरद पवार और उनके भतीजे अजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अलग-अलग गुटों के प्रमुख हैं। दोनों महाराष्ट्र में प्रतिद्वंद्वी गठबंधन का हिस्सा हैं। 2023 में अजित ने चाचा के खिलाफ विद्रोह कर दिया था और तत्कालीन भाजपा-शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे। अजित पवार ने सतारा में रयात शिक्षण संस्था में उनकी हाल की संयुक्त उपस्थिति पर भी टिप्पणी की। यहां उनके चाचा अध्यक्ष हैं और वे एक ट्रस्टी हैं। उन्होंने कहा, जब मैं रयात शिक्षण संस्था की बैठकों में जाता हूं तो मैं एक ट्रस्टी के रूप में जाता हूं, न कि उपमुख्यमंत्री के रूप में। उस बैठक में छात्रों को लाभ पहुंचाने के लिए शिक्षा में एआई के उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया था। आज की बैठक कृषि में एआई के बारे में थी। सरकार में काम करते समय हमें हमेशा किसानों की आय बढ़ाने और उनकी इनपुट लागत कम करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विषय राजनीति से परे होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री भी प्रमुख मुद्दों पर सर्वदलीय बैठकें बुलाते हैं। अब जब चुनाव खत्म हो गए हैं और सरकार बन गई है तो लोगों के लिए काम करते हुए एक साथ आना और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना महत्वपूर्ण है।

पूजा खेडकर को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूर्व आईएएस प्रोबेशनर पूजा खेडकर को एक बार फिर राहत हेते हुए दो मई को दिल्ली पुलिस के सामने पेश होने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस बी वी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि 21 मई तक उनके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी। बता दें कि खेडकर पर आरोप है कि

उन्होंने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2022 में धोखाधड़ी की और ओबीसी और दिव्यांग कोटे का गलत फायदा उठाया। हालांकि खेडकर ने अपने खिलाफ सभी आरोपों का खंडन किया है। मामले में सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने यह भी पाया कि अभी तक मामले में पक्की जांच नहीं हुई है और दिल्ली पुलिस को जांच तेज करने के निर्देश दिए। साथ ही दिल्ली पुलिस की तरफ से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि खेडकर से पूछताछ हिरासत में करने की जरूरत है, लेकिन कोर्ट ने उन्हें फिलहाल अंतरिम राहत दे दी। इससे पहले हाईकोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी और कहा था कि यह मामला सिस्टम से बड़े स्तर पर हेरफेर का है, जिसकी गहराई से जांच होनी चाहिए। क्रस्ष्ट और दिल्ली पुलिस दोनों ने खेडकर के खिलाफ एफआईआर और जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है। खेडकर पर आरोप है कि उन्होंने गलत जानकारी और फर्जी पहचान के सहारे परीक्षा में बैठने की कोशिश की थी। गौरतलब है कि पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण तब दिया गया था, जब उच्च न्यायालय ने 12 अगस्त, 2024 को उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर नोटिस जारी किया था, और इसे समय-समय पर बढ़ाया गया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि यूपीएससी परीक्षा सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा थी और यह मामला संवैधानिक निकाय के साथ-साथ समाज के साथ धोखाधड़ी का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति पर मतदाताओं को रिश्वत देने का आरोप, राष्ट्रपति ने किया खंडन

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व सांसद और इलंकाई तमिल अरासु काची (आईटीएके) के महासचिव एम.ए. सुमंथिरन ने राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके पर मतदाताओं को रिश्वत देने का गंभीर आरोप लगाया है। सुमंथिरन का कहना है कि राष्ट्रपति ने यह कहकर वोटरों को लुभाने की कोशिश की कि सरकारी फंड्स केवल उन परिषदों को आसानी से दिए जाएंगे जो सत्तारूढ़ नेशनल पीपल्स पावर (एनपीपी) के अधीन हैं, अन्य किसी को नहीं। हालांकि राष्ट्रपति दिसानायके ने रिश्वत संबंधी आरोपों को नकारा दिया है और कहा है कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है। पूर्व सांसद सुमंथिरन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राष्ट्रपति बार-बार मतदाताओं से यह वादा कर रहे हैं कि फंड्स केवल एनपीपी द्वारा शासित परिषदों को दिए जाएंगे। उन्होंने इसे एक चुनावी अपराध करार देते हुए कहा कि यह बयान सरासर गलत और गैरकानूनी है। वहीं, राष्ट्रपति दिसानायके ने इस पर सफाई देते हुए नुवारा एलिया में एक चुनावी रैली में कहा कि उनका आशय यह था कि जो स्थानीय निकाय भ्रष्टाचार और गड़बड़ी से ग्रस्त हैं, उन्हें फंड्स नहीं दिए जाएंगे।

पंजाब प्रांत की मंत्री ने पाकिस्तान में विदेशी फूड चेन पर हमलों को पूर्व नियोजित बताया

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सूचना मंत्री अजमा बुखारी ने हाल ही में पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय फास्ट फूड चेन पर हुए हमलों को सुनियोजित योजना के तहत करार दिया है। पंजाब की मंत्री ने दावा किया कि इन हमलों के पीछे एक संगठित समूह काम कर रहा है, जो सूबे में अशांति फैलाना चाहता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी को भी कानून व्यवस्था खराब करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। इस संबंध में अब तक 149 संदिग्धों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अजमा बुखारी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि हाल ही में उन्होंने इन घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इससे देश की छवि और अर्थव्यवस्था दोनों को नुकसान पहुंच रहा है। अजमा बुखारी ने कहा, इन फूड चेन में 25,000 पाकिस्तानी काम करते हैं। हमलों में मारे गए व्यक्ति भी एक पाकिस्तानी नागरिक थे। उन्होंने आगे बताया कि इन हमलों से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। बुखारी ने कहा, विकसित होते पंजाब पर एक हिंसक समूह हमला कर रहा है, लेकिन सरकार इन तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। इससे पहले गृह राज्य मंत्री तलाल चौधरी ने भी इन हमलों की आलोचना की थी और कहा था कि सरकार किसी भी निवेशक को असुरक्षित महसूस नहीं करने देगी।

भारत के ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर मंगलवार को नेपाल के दो दिवसीय दौरे पर आएंगे

काठमांडू। भारत के ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर मंगलवार से दो दिनों के नेपाल दौरे पर काठमांडू आएंगे। वे नेपाल में भारत सरकार की तरफ से चल रहे ऊर्जा परियोजनाओं के निरीक्षण के साथ नेपाल-भारत के बीच संयुक्त ट्रांसमिशन लाइन समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले हैं। नेपाल के ऊर्जा मंत्री दीपक खड़्का के निमंत्रण पर खट्टर 22-23 अप्रैल को नेपाल का दौरा करने वाले हैं। अपने भ्रमण के क्रम में भारतीय ऊर्जा मंत्री खट्टर मंगलवार को भारत सरकार द्वारा कोशी कॉरिडोर के तहत बनाए गए 220 केवी क्षमता की प्रसारण लाइन का उद्घाटन करेंगे। नेपाल के ऊर्जा मंत्रालय के तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक 220 केवी क्षमता के सब-स्टेशन का भी उद्घाटन भारतीय ऊर्जा मंत्री के द्वारा किए जाने का कार्यक्रम है। दीपक खड़्का ने बताया कि मंगलवार को ही वे भारत सरकार के पूर्ण आर्थिक सहयोग से बनाए जा रहे 900 मेगावाट क्षमता की अरुण-3 हाइड्रोपावर परियोजना का निरीक्षण करने वाले हैं। संखुवासभा में निर्माणाधीन इस हाइड्रोपावर परियोजना का निर्माण भारत सरकार के उपक्रम सतलज जलविद्युत निगम द्वारा किया जा रहा है। 2025 के अंत तक इसका निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

नेपाल-भारत के सुरक्षा अधिकारियों की बैठक, प्रधानमंत्री मोदी के बिहार दौरे को लेकर चर्चा

काठमांडू। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 अप्रैल को नेपाल की सीमा से लगे बिहार के मधुबनी जिले का दौरा करने वाले हैं। मोदी की यात्रा के सिलसिले में शनिवार को बिहार के जयनगर में नेपाल और भारत के सुरक्षा अधिकारियों की उच्च स्तरीय सीमा सुरक्षा समन्वय बैठक हुई। बैठक में नेपाल की तरफ से धनुषा, महोत्तरी, सिरहा और सप्तरी के प्रमुख जिला अधिकारी, जिला पुलिस प्रमुख, सशस्त्र पुलिस बल के प्रमुख और खुफिया विभाग के प्रतिनिधि शामिल हुए। भारत की ओर से मधुबनी जिला प्रशासन के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी, पुलिस और अर्धसैनिक बल के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में शामिल धनुषा जिला के एसपी भुवनेश्वर अधिकारी ने बताया कि भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा के मध्यनजर सीमा क्षेत्र की संवेदनशीलता और सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा हुई।

पोप फ्रांसिस का निधन, 88 साल की उम्र में ली आखिरी सांस; डबल निमोनिया से जूझ रहे थे

एजेंसी

वेटिकन। पोप फ्रांसिस अब हमारे बीच नहीं रहे। सोमवार 21 अप्रैल, 2025 को 88 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उन्होंने वेटिकन के कासा सांता मार्टा स्थित अपने निवास पर सुबह 7.30 बजे (स्थानीय समयानुसार) अंतिम सांस ली। वेटिकन समाचार के मुताबिक, वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। बीते दिन ईस्टर के अवसर पर लंबे समय के बाद वे लोगों के सामने आए थे। पोप फ्रांसिस जेसुइट ऑर्डर से पहले पोप थे। 8वीं शताब्दी के बाद से यूरोप के बाहर से पहले पोप थे। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो के रूप में जन्मे पोप फ्रांसिस 1969 में कैथोलिक पादरी नियुक्त किया गया था। 28 फरवरी, 2013 को पोप बेनेडिक्ट ङ्ङ्क्ढ के इस्तीफे के बाद 13 मार्च को एक पोप सम्मेलन ने

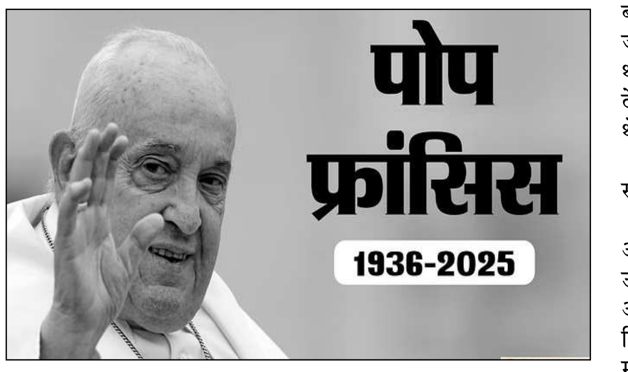

कार्डिनल बर्गोग्लियो को उनका उत्तराधिकारी चुना। उन्होंने सेंट फ्रांसिस ऑफ असीसी के सम्मान में फ्रांसिस को अपना पोप नाम चुना। अब आधिकारिक शोक की 14 दिन की अवधि होगी, जिसके बाद कार्डिनल मसीह के नए विकर का चुनाव करने के लिए सम्मेलन में जाएंगे। पोप फ्रांसिस लंबे समय से बीमार चल रहे थे। लगभग एक महीने तक अस्पताल में इलाज कराने के बाद पोप 24 मार्च को अपने निवास स्थान कासा सांता मार्टा लौटे थे। अस्पताल से लौटने पर उन्होंने बड़ी संख्या में अस्पताल के बाहर जमा हुए लोगों को आशीर्वाद दिया था। सार्वजनिक रूप से पोप को देखने के बाद लोग काफी खुश दिखे थे और जयकारे भी लगाए थे।

करीब एक महीने से ज्यादा समय तक अस्पताल में रहे थे भर्ती

पोप फ्रांसिस को 14 फरवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें डबल निमोनिया हो गया था। अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में उनका चला था। एक महीने से ज्यादा समय अस्पताल में बिताने के बाद उन्हें छुट्टी दी गई थी। पोप की देखभाल करने वाले सर्जरी प्रमुख सर्जियो अल्फिएरी ने बताया था कि उन्हें दवाइयां की जरूरत पड़ती रहेगी।

सऊदी अरब में सड़क हादसा, पाकिस्तान के पांच जायरीनों की मौत

एजेंसी

रियाद। सऊदी अरब में हुए भीषण सड़क हादसे में तीन महिलाओं समेत पांच पाकिस्तानी उमराह तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह लोग बस से अल-बद्र से मदीना जा रहे थे। बस और ट्रैलर की टक्कर से यह हादसा हुआ। पाकिस्तान के समाचार चैनल की खबर के अनुसार, मृतकों में तीन महिलाएं और दो बुजुर्ग पुरुष शामिल हैं। बचाव अधिकारियों ने पुष्टि की कि घायलों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। उन्हें तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया। मृतक महिलाएं बहावलनगर के निकट 228/9-आर और 201 मुराद गांव की थीं, जबकि पुरुष 39/3-आर और दहरानवाला के निवासी थे। पाकिस्तान नेशनल असेंबली के अध्यक्ष अयाज सादिक ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया और दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। उन्होंने सऊदी अरब में पाकिस्तान के दूतावास को पीड़ितों के परिवारों की पूरी मदद करने और घायलों को सहायता प्रदान करने का भी निर्देश दिया। 'एआरवाई न्यूज' के अनुसार, पाकिस्तान के निजी टूर ऑपरेटरों के कुप्रबंधन के कारण लगभग 67,000 पाकिस्तानी तीर्थयात्री इस साल हज यात्रा पर नहीं जा पाए हैं। इस संकट के कारण जायरीनों से एकत्र किए गए 36 बिलियन पाकिस्तानी रुपये भी सऊदी अरब में फंस गए हैं। सऊदी सरकार ने कथित तौर पर पैसे वापस करने से इनकार कर दिया है और इसके बजाय अगले साल की तीर्थयात्रा के लिए धन समायोजित करने की पेशकश की है।

यमन की राजधानी पर अमेरिकी हवाई हमलों में 12 लोग मारे गए, 30 घायल

एजेंसी

सना। यमन की राजधानी सना के एक बाजार पर अमेरिकी हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इस हमले में 30 लोग घायल भी हुए हैं। हूती के नियंत्रण वाले अल-मसीरा टीवी के मुताबिक, हवाई हमलों में सना के सबसे व्यस्त इलाकों में से एक शु%उब के पास स्थित फरवाह बाजार को निशाना बनाया गया। वहां अभी भी राहत और बचाव कार्य जारी है। टीमें मलबे के नीचे दबे लोगों और घायलों को तलाश रही हैं।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने हूती मीडिया के हवाले से बताया कि ये हमले सना और उसके आस-पास के कई इलाकों पर हुए बड़े अमेरिकी हवाई हमलों का हिस्सा थे। स्थानीय हूती स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, यह हमला उस घातक अमेरिकी हवाई हमले के कुछ दिन बाद हुआ है, जो गुरुवार देर रात पश्चिमी यमन के रास ईसा ईंधन बंदरगाह पर हुआ था। उस हमले में 80 लोग मारे गए थे, 170 लोग

घायल हुए थे और ईंधन स्टोर करने वाली जगहों को भारी नुकसान पहुंचा था, जिससे ईंधन लाल सागर में फैल गया। हूती समूह और अमेरिकी सेना के बीच तनाव तब से बढ़ गया है, जब 15 मार्च को अमेरिका ने यमन में हूती ठिकानों पर दोबारा हवाई हमले शुरू किए। ये हमले इसलिए किए गए, ताकि हूती लड़ाकों को लाल सागर में इजरायल और अमेरिकी जहाजों पर हमले करने से रोका जा सके। उत्तरी यमन के ज्यादातर हिस्सों पर नियंत्रण रखने वाले हूती समूह ने कहा है कि उनके हमलों का मकसद अमेरिका का समर्थन पाने वाले इजरायल पर दबाव बनाना है, ताकि वह गाजा पट्टी पर हमला बंद करे और संकटग्रस्त फिलीस्तीनियों के लिए जरूरी सामान पहुंचाने की इजाजत दे।

नेपाल में शिक्षकों का देशव्यापी आंदोलन 20वें दिन भी जारी रहा

एजेंसी

काठमांडू। विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों के आंदोलन सोमवार को 20वें दिन भी जारी है। सरकार के साथ कई चरणों की वार्ता असफल होने के बाद शिक्षकों ने आज भी प्रदर्शन किया है। शिक्षकों का यह प्रदर्शन धीरे-धीरे उग्र होता जा रहा है। नेपाल शिक्षक महासंघ के आह्वान पर देशभर के सरकारी शिक्षक काठमांडू में प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकारी विद्यालय के शिक्षकों को स्थानीय निकाय के मातहत से हटाने की मुख्य मांग के साथ शिक्षक आंदोलन कर रहे हैं। महासंघ के आह्वान पर शिक्षा विधेयक को जल्द से जल्द संसद से पारित करने की मांग के साथ देशभर के सरकारी और सामुदायिक विद्यालयों के शिक्षक आंदोलनरत हैं। नेपाल शिक्षक महासंघ के अध्यक्ष लक्ष्मी किशोर सुवेदी ने कहा कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं हो जाती, तब तक आंदोलन जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी मांगों पर सिर्फ आश्वासन दे रही है, लेकिन उसे पूरा करने की निश्चित समय सीमा नहीं बता रही है। सुवेदी ने

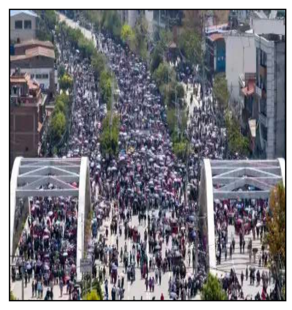

बताया कि सरकार की तरफ से 25 अप्रैल को शिक्षा विधेयक सदन में पेश करने की जानकारी दी गई है। हालांकि, महासंघ ने सरकार के मौखिक आश्वासन को मानने से इनकार कर दिया है। बीते दिनों प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के साथ भी शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर अपनी मांगों से अवगत कराया था। प्रधानमंत्री के आश्वासन के बाद भी शिक्षकों ने अपना आंदोलन खत्म करने से इंकार कर दिया है। इनका कहना है कि जब तक संसद से विधेयक के पारित होने का पूरा विश्वास नहीं हो जाता है, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इसी बीच नेपाल शिक्षक महासंघ ने सभी निजी विद्यालयों के शिक्षक को भी सड़कों पर उनके साथ प्रदर्शन के सहभागी होने का आह्वान किया है। शिक्षकों की हड़ताल की वजह से देशभर के सभी सरकारी और सामुदायिक विद्यालय में पठन पाठन का काम ठप्प हो गया है और 10वीं बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिका की जांच भी रुकी हुई है। इतना ही नहीं, 12वीं की बोर्ड परीक्षा भी स्थगित करना पड़ गया है।

दुनिया उन्हें करुणा, विनम्रता के लिए रखेगी याद पोप फ्रांसिस के निधन पर पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र ने पोप फ्रांसिस के निधन पर गहर दुख व्यवक्त किया। उन्होंने कहा कि पोप फ्रांसिस को दुनिया में करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के लिए याद रखा जाएगा। पोप फ्रांसिस का निधन सोमवार (21 अप्रैल) को वेटिकन के कासा सांता मार्टा स्थित उनके निवास स्थान पर हुआ वह 88 वर्ष के थे। पीएम मोदी ने एक्स पर अपने शोक संदेश में कहा, ÷परम पावन पोप फ्रांसिस के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ। दुख और स्मरण की इस घड़ी में, वैश्विक कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।÷ उन्होंने कहा, ÷पोप फ्रांसिस को दुनिया भर में लाखों लोग करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में हमेशा याद रखेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, छोटी उम्र से ही उन्होंने प्रभु ईसा मसीह के आदर्शों को साकार करने में खुद को

समर्पित कर दिया। उन्होंने गरीबों और वंचितों की लगन से सेवा की। जो लोग पीड़ित थे, उनके लिए उन्होंने आशा की उम्मीद जगाई। मुझे उनके साथ हुई मुलाकातें बहुत अच्छी तरह याद हैं और मैं समावेशी और सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से बहुत प्रेरित हुआ। भारत के लोगों के प्रति उनका स्नेह हमेशा याद रहेगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। पोप फ्रांसिस के निधन पर विश्व के नेताओं ने शोक जताया है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहः मैं पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक व्यक्त करता हूं। शांति, सामाजिक न्याय और सबसे कमोजर लोगों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता एक गहरी विरासत छोड़ गई है। इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने कहा, यह खबर हमें बहुत दुख देने वाली है।उन्होंने बयान में कहा, मुझे उनकी दोस्ती कां सौभाग्य मिला। मेलोनी ने कहा, उन्होंने एक बार फिर दुनिया से दिशा बदलने के लिए साहत दिखाने को कहा, एक ऐसे मार्ग पर चलने के लिए कहा जो नष्ट नहीं करता, ब्लिक ठीक करता है, सुरक्षा करता है। उनकी शिक्षा और उनकी विरासत कभी खत्म नहीं होगी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि ते हुए उन्हें ÷विनम्र व्यक्ति बताया जो सबसे कमजोर और सबसे नाजुक लोगों के पक्ष में खड़ा रहा। फ्रांसिस, पुरानी फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित थे।

पुतिन का युद्धविराम सिर्फ दिखावा, यूक्रेन में जारी हैं हमले : जेलेंस्की

एजेंसी

कीव (यूक्रेन)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस पर ईस्टर के अवसर पर युद्धविराम का केवल दिखावा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा घोषित एकतरफा अस्थायी युद्धविराम के बावजूद रूस ने हमले जारी रखे हैं। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ईस्टर की सुबह तक हम कह सकते हैं कि रूसी सेना युद्धविराम का दिखावा करने की कोशिश कर रही है, लेकिन कई जगहों पर वह अब भी आगे बढ़ने और यूक्रेन को नुकसान पहुंचाने के प्रयास कर रही है।÷ जेलेंस्की ने कटाक्ष किया कि ÷या तो पुतिन को अपनी सेना पर नियंत्रण नहीं है, या फिर रूस में युद्धविराम सिर्फ दिखावा है- एक अच्छा पीआर स्टंट है। यूक्रेनी सेना के अनुसार, ईस्टर के दिन रूस ने 59 बार गोले दागे और फ्रंटलाइन पर पांच आक्रामक प्रयास किए, साथ ही ड्रोन हमलों की भी कई घटनाएं दर्ज की गईं। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन ने भी युद्धविराम के जवाब में समान दृष्टिकोण अपनाया है, लेकिन इसके बावजूद रूस की ओर से भारी हथियारों का उपयोग बढ़ता जा रहा है। उन्होंने यह जरूर कहा कि कम से कम एयर रेड साइरन नहीं बजे, यह एक अच्छी बात रही।÷ उन्होंने बताया कि डोनेट्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सैनिकों पर रूस की घात लगाकर की गई गोलीबारी में कुछ जवान मारे गए। जेलेंस्की ने कहा कि इस हमले के ज़िम्मेदार रूसी सैनिकों को ÷खत्म कर दिया जाएगा। दूसरी ओर, रूस के रक्षा मंत्रालय ने भी यूक्रेन पर डोनेट्स्क क्षेत्र में ईस्टर युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

इजरायल ने लेबनान में फिर किया हवाई हमला, हिजबुल्ला सदस्य की मौत

एजेंसी

बेरूत/यरूशलम। लेबनान में हुए इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्ला का एक सदस्य मारा गया है। लेबनानी सूत्रों के अनुसार, दक्षिणी लेबनान के कौतारियत अल सियाद में इजरायली ड्रोन ने एक गाड़ी पर हमला किया, जिसमें हिजबुल्ला का एक सदस्य मारा गया और दूसरा घायल हो गया। लेबनान के राष्ट्रीय समाचार एजेंसी के अनुसार, ड्रोन ने कौतारियत अल सियाद की पूर्वी सड़क पर एक कार को निशाना बनाया। हमले के बाद इलाके में एंबुलेंस मौके पर पहुंची। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के आपातकालीन केंद्र ने एक व्यक्ति की मौत और एक के घायल होने की पुष्टि की है। इस बीच, एक लेबनानी सुरक्षा सूत्र ने बताया कि मृतक हारौफ शहर का निवासी हिजबुल्ला सदस्य हुसैन नस्त्र था। साथ ही उसने यह भी बताया कि हमले में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है।

हालांकि, इजरायली सेना ने बाद में हमले की जिम्मेदारी ली और नस्त्र को हिजबुल्ला की यूनिट 4400 का उप-प्रमुख बताया, जो हथियारों की तस्करी का काम संभालता था। इजरायली पक्ष के अनुसार, हुसैन नस्त्र ईरानी एजेंटों और बेरूत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कर्मचारियों के साथ मिलकर हथियारों और धन की तस्करी करता था। वह सीरिया-लेबनान सीमा पर खरीद-फरोख्त की देखरेख करता था और हिजबुल्ला की सैन्य ताकत बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता था। इसके अलावा, लेबनानी सेना ने दक्षिणी लेबनान के सैदा-जहरानी इलाके में एक अपार्टमेंट पर छापा मारकर कई रॉकेट और लॉन्चिंग प्लेटफॉर्म को जब्त किया। इजरायल की ओर से यह कार्रवाई खुफिया जानकारी के आधार पर की गई। इस दौरान कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। 27 नवंबर, 2024 से लागू युद्धविराम समझौते के बावजूद इजरायली सेना लेबनान में समय-समय पर हमले कर रही हैं। उनका दावा है कि वे हिजबुल्ला के ÷खतरों÷ को निशाना बनाते हैं। लेबनानी अधिकारियों के अनुसार, कुछ हमलों में लोग हताहत भी हुए हैं। इजरायल ने युद्ध विराम की शर्तों के बावजूद लेबनानी सीमा पर पांच पहाड़ी क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी बनाए रखी है। लेबनानी राष्ट्रपति जोसेफ औन ने दोहराया कि लेबनानी सशस्त्र बलों को ही हथियार रखने और लेबनान की संप्रभुता व स्वतंत्रता की रक्षा करने का एकमात्र अधिकार होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि हथियारों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया गया है, लेकिन इसके लिए उचित परिस्थितियों का इंतजार करना होगा, जो यह तय करेंगी कि इसे कैसे लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा, लेबनान में किसी भी आंतरिक विवाद को बातचीत, संवाद और सुलह के माध्यम से हल किया जाना चाहिए न कि टकराव के जरिए।

भारत ने बांग्लादेश के मछुआरों की दो नावें लौटाईं

एजेंसी

ढाका। भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बांग्लादेश के मछुआरों की दो नावें लौटा दी हैं। रविवार दोपहर दोनों देशों के बीच सतखीरा सीमा पर कालिंदी नदी के शून्य बिंदु पर नौकाओं को सौंप दिया गया। इसके बाद 18 और 19 अप्रैल को बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) और बीएसएफ के कैंप कमांडरों के बीच दो दौर की फ्लैग मीटिंग हुई। ढाका ट्रिब्यून अखबार के अनुसार, कालिंदी नदी पर आयोजित मीटिंग में बीजीबी कोइखाली कैंप कमांडर सूबेदार अबू बकर और बीएसएफ शमशेरनगर कैंप कमांडर शामिल हुए। सूबेदार अबू बकर ने पुष्टि की कि बीएसएफ ने जाल, रस्सियों, सामान और उसमें मौजूद सभी पैसों के साथ दो नावें लौटा दीं। दोनों पक्षों ने सख्त सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने और सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। यह

घटना 15 अप्रैल की है, जब बीएसएफ कर्मियों ने कथित तौर पर एक स्पीडबोट में बांग्लादेशी क्षेत्र में प्रवेश किया और बोयारसिंह क्षेत्र में मछली पकड़ रहे मछुआरों की नावों को जब्त कर लिया। घटना के बाद, श्यामनगर उपजिला के टेंगरा खली, मानिकपुर और शैलखली गांवों के आठ मछुआरे दो दिनों में जंगल के रास्ते पैदल घर लौट आए। इसके जवाब में बीजीबी ने औपचारिक विरोध दर्ज कराया और बीएसएफ को फ्लैग मीटिंग के लिए आमंत्रित किया।

इशिबा ने युद्ध से जुड़े कुख्यात मंदिर को भेजी भेंट

टोक्यो। जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने सोमवार को देश के वसंत उत्सव के अवसर पर कुख्यात यासुकुनी श्राइन को एक अनुष्ठान भेंट भेजी। इस श्राइन को देश में अतीत के क्रूर सैन्यवाद के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पेंटागन के कई शीर्ष अधिकारी निलंबित, इनमें रक्षा सचिव के सहयोगी भी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के 'सिग्नल चैट लीक कांड' से पेंटागन में उथल-पुथल मची हुई है। 'सिग्नल चैट लीक कांड' की जांच के दौरान पेंटागन के कई शीर्ष अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। इनमें रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के सहयोगी भी शामिल हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने सेकंड सिग्नल चैट में हमले की जानकारी साझा की है। रक्षा सचिव ने यमन में हमलों के बारे में संवेदनशील जानकारी एक एन्क्रिप्टेड ग्रुप चैट में भेजी थी। इसमें उनकी पत्नी,भाई और निजी वकील शामिल थे रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने 15 मार्च को निजी सिग्नल ग्रुप चैट में यमन में आगामी हमलों के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की थी। इस चैट से संबंधित चार लोगों ने खुलासा किया है कि इस जानकारी में यमन में हौथियों को निशाना बनाने वाले एफ/ए-18 हॉर्नेट्स के लिए उड़ान कार्यक्रम शामिल थे। रक्षा सचिव ने इसी दिन एक अलग सिग्नल चैट साझा की। यह गलती से द अटलांटिक के संपादक को भी भेज दी गई। एबीसी न्यूज के अनुसार, दो अधिकारियों ने बताया कि इनमें एक चैट ग्रुप हेगसेथ ने अपने निजी फोन पर बनाया था। हेगसेथ की पत्नी जेनिफर हेगसेथ रक्षा विभाग में काम नहीं करती हैं। उनके भाई फिल हेगसेथ होमलैंड सिक्योरिटी विभाग में वरिष्ठ सलाहकार के रूप में काम करते हैं और रक्षा विभाग में तैनात हैं। हेगसेथ

के निजी वकील टिम पार्लटोर पेंटागन में नौसेना रिजर्विस्ट के रूप में काम करते हैं। उन्हें हेगसेथ के कार्यालय में नियुक्त किया गया है। पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने रविवार रात एक्स पर एक बयान में दूसरी चैट की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ट्रंप से नफरत करने वाला मीडिया इस मामले को तूल दे रहा है। किसी भी सिग्नल चैट में कोई भी वर्गीकृत जानकारी नहीं थी। यह भी सच है कि रक्षा सचिव का कार्यालय राष्ट्रपति ट्रंप के एजेंडे को मजबूती के साथ क्रियान्वित कर रहा है। इस बीच पेंटागन के कार्यवाहक महानिरीक्षक स्टीवन स्टेबिन्स ने रक्षा सचिव को सूचित किया है कि इस संबंध में जांच शुरू कर दी गई है। इसके अलावा पीट हेगसेथ की टीम के शीर्ष सहयोगी और अन्य सदस्य डैन कैलडवेल, कॉलिन कैरोल और डेरिन सेलनिक को निलंबित कर दिया गया है। इस संबंध में पेंटागन के पूर्व शीर्ष प्रवक्ता जॉन उल्योट के पोलिटिको में छपे में लेख से हड़कंप मच गया है। उन्होंने लेख में पेंटागन में एक महीने तक जारी रही अराजकता का का वर्णन किया है। उन्होंने लिखा है, 'संवेदनशील परिचालन योजनाओं के लीक होने से लेकर बड़े पैमाने पर बर्खास्तगी तक, यह अव्यवस्था अब राष्ट्रपति के लिए एक बड़ी बाधा बन गई है।' उन्होंने ही लेख में तीन अधिकारियों के निलंबन की जानकारी दी है। उल्योट का कहना है कि इसे देखते हुए, रक्षा सचिव पीट हेगसेथ को लंबे समय तक अपनी भूमिका में बने रहना मुश्किल है।

लाल किले पर मनाया गया 'दिल्ली फतह दिवस'

एजेंसी

नयी दिल्ली। बाबा बघेल सिंह, बाबा जस्सा सिंह रामगढ़िया और बाबा जस्सा सिंह आहलूवालिया की अगुवाई में 'दिल्ली फतह दिवस' दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर मनाया गया। दिल्ली सिख गुरुद्वारा

प्रबंधक समिति के इस कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, सांसद कमलजीत सहरावत, समिति अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका, महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों, धर्म प्रचार समिति के प्रमुख सरदार जसप्रीत सिंह काहलों, वरिष्ठ पदाधिकारी आत्मा सिंह लुबाना और अन्य सदस्य तथा हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया।

मुस्तफाबाद हादसे पर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं आप नेताः कपूर

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने मुस्तफाबाद में हुए हादसे को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं के बयान की निंदा की है और कहा है कि वे केवल घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। श्री कपूर ने मीडियाकर्मियों से कहा कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के भवन विभाग के नियमानुसार राष्ट्रीय राजधानी में केवल भूतल और तीन मंजिल के निर्माण की अनुमति है, लेकिन मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में चौथी मंजिल का निर्माण तो सामान्य है। ही साथ ही तीन चौथाई भवनों पर पांचवीं और छठी मंजिल का निर्माण भी किया गया है।

अर्थव्यवस्था को लेकर सरकार का लक्ष्य सिर्फ आंकड़ा नहीं

नई दिल्ली, 21 अप्रैल। भारत को पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का एक आंकड़ा भर नहीं है। बल्कि यह लाखों लोगों को गरीबी से उबारने, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा स्थापित करने और ऊर्जा, सुरक्षा और डिजिटल सशक्तिकरण हासिल करने का एक खाका भी है। यह कहना है प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा का, जो शनिवार को संबलपुर में भारतीय प्रबंधन संस्थान के 9वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के दौरान स्नातक छात्रों को संबोधित कर रहे थे। मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के मध्य जब ट्रंप का टैरिफ पूरी दुनिया में व्यापारिक स्थितियों को प्रभावित कर रहा है। पीके मिश्रा ने भू-राजनीतिक प्रभाव, रणनीतिक साझेदारी, एनआरआई समुदाय और वैश्विक प्रभाव के परिपेक्ष्य में सॉफ्ट पावर के तौर पर भारत को मजबूती से स्थापित करने की दिशा में जारी प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने भारत की वैश्विक स्थिति पर सकारात्मकता के साथ विचार करने पर जोर दिया क्योंकि आंतरिक परिवर्तन और बदलती वैश्विक गतिशीलता दोनों आकार ले रही हैं। पीके मिश्रा ने कहा, हम अभूतपूर्व गति से तकनीकी सफलताएं देख रहे हैं। आपूर्ति शृंखलाओं की फिर से कल्पना की जा रही है और व्यापार संबंधों को फिर से परिभाषित किया जा रहा है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने आईएएस प्रशिक्षुओं से की बातचीत

● कहा- लोक सेवाओं में महिलाओं को मिल रहा ऐतिहासिक प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 2023 आईएएस बैच के अधिकारी प्रशिक्षुओं के साथ एक प्रेरणादायक संवाद किया। इस बैच में 74 महिला अधिकारी शामिल हैं, जो कुल 180 अधिकारियों का 41 प्रतिशत हैं। उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में महिलाओं की सबसे बड़ी भागीदारी का स्वागत किया। यह संवाद सहायक सचिव कार्यक्रम का हिस्सा था, जिसमें आईएएस प्रशिक्षु 1 अप्रैल से 30 मई तक 46 केंद्रीय मंत्रालयों के साथ जुड़े हुए हैं, जिससे उन्हें नीति निर्माण और केंद्रीय सरकार के कार्यों का प्रारंभिक अनुभव मिल रहा है। डॉ. सिंह ने इस ऐतिहासिक विकास का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को दिया, जिन्होंने महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए कई पहल की हैं। उन्होंने कहा, यह रिकॉर्ड प्रतिनिधित्व समावेशी और प्रगतिशील शासन के प्रति प्रधानमंत्री के समर्थन का प्रमाण है।डॉ. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री की पहल पर सहायक सचिव कार्यक्रम की शुरुआत 2015 में हुई, जिससे युवा अधिकारियों को वास्तविक समय में शासन का अनुभव हो सके। इस कार्यक्रम ने अधिकारियों में आत्मविश्वास को बढ़ाया है, विशेष रूप से महामारी के दौरान। डॉ. सिंह ने इस बैच की विविधता पर गर्व जताया, जिसमें 99 अधिकारी इंजीनियरिंग और चिकित्सा जैसे तकनीकी क्षेत्रों से हैं। उन्होंने कहा, 'आपके पास देश के विकास में योगदान देने का एक लंबा करियर है। उन्होंने कर्मयोगी प्लेटफॉर्म का उपयोग करने और तकनीकी रूप से आगे रहने की सलाह दी। अंत में उन्होंने अधिकारियों को यह कहते हुए उच्चतम मानकों की नैतिकता और सेवा की याद दिलाई कि 'आपका कार्य एक अरब से अधिक लोगों की आशाओं का प्रतीक होना चाहिए।'

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस पहुंचे नई दिल्ली, सबसे पहले अक्षरधाम मंदिर के किए दर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपनी पहली आधिकारिक भारत यात्रा पर आज नई दिल्ली पहुंच गए। उनकी सुरक्षा के मद्देनजर राजधानी में कड़े

इंतजाम और ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की गई है। वेंस ने राजधानी पहुंचने पर सबसे पहले स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया। शाम को वो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेंगे। अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस, उनकी पत्नी उषा वेंस, उनके तीन बच्चे इवान, विवेक और मीराबेल चार दिवसीय भारत यात्रा पर पूर्वाह्न 10 बजे पालम हवाई अड्डे पर पहुंचे। केंद्रीयमंत्री अश्विनी वैष्णव ने हवाई अड्डे पर वेंस परिवार का स्वागत किया। वेंस और उनका परिवार इस दौरान जयपुर और आगरा भी जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस के साथ व्यापार, शुल्क, क्षेत्रीय सुरक्षा और समग्र द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के तरीकों सहित कई प्रमुख मुद्दों पर सोमवार को बातचीत करेंगे और फिर शाम को उनके एवं उषा के लिए रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे।

NAME CHANGE
I hitherto known as Shwta D/O: Vijay, R/O House Number-165, Parmukh Gali, Sanjay Colony Arthala, Mohan Nagar, PO: Mohan Nagar, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201007, have changed my name and shall hereafter be known as SHALU.

NAME CHANGE
I, Richa Mehta D/O Naresh Chodhary W/O Ajay mehta R/O Flat no 701 Tower H Samridhi Grand Avenue Sector-4 Techzone 4, Greater Noida West Gautam Budha Nagar Uttar Pradesh 201307 have changed my name to Richa Chowdhary for all future purposes.

NAME CHANGE
I ADITYA BHARADWAJ S/O SUNIL KANT BHARDWAJ R/O E-77, GALI NO-6, QUTUB VIHAR, PHASE-1, QUTAB PUR, CHHAWLA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077 HAVE CHANGED MY NAME FROM ADITYA BHARADWAJ TO ADITYA BHARDWAJ FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I S K BHARADWAJ S/O R S SHARMA R/O E-77, GALI NO-6, QUTUB VIHAR, PHASE-1, QUTAB PUR, CHHAWLA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077 HAVE CHANGED MY NAME FROM S K BHARADWAJ TO SUNIL KANT BHARDWAJ FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, Kushlawati Devi Mother of No.13625194W, Rank-HAV, Name Mahendra Chaudhary residing at Vill. Baghauda, Post-Kalwari, Tehsil - Basti, Distt: Basti, UP-272301 have changed my name from Kushlawati Devi to Kushlavati Devi vide affidavit dated 29.03.2025 executed before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I, 13625194W, Rank-HAV, Name Mahendra Chaudhary residing at Vill. Baghauda, Post-Kalwari, Tehsil - Basti, Distt: Basti, UP-272301 have changed my minor daugher name from Shadvee to Shadvee Chaudhary vide affidavit dated 29.03.2025 executed before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I, Kaushalya legally wedded wife of No.13625194W, Rank-HAV, Name Mahendra Chaudhary residing at Vill. Baghauda, Post-Kalwari, Tehsil - Basti, Distt: Basti, UP-272301 have changed my name from Kaushalya to Kaushilya Chaudhary vide affidavit dated 29.03.2025 executed before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I, Susama Bera Mother of No.4585106H NK Ujjal Bera R/o Village Mohanchak, PO-Maharajpur,Tehsil-Ghatal, District - Paschim Medinipur, West Bengal - 721232 have changed name from Susama Bera to Sushama Bera vide affidavit dated 02.04.2025 executed before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I hitherto known as Surender Kumar S/O MATIRAM, R/O B/12-A, D.D.A FLATS, SARAI BASTI ,SARAI ROHILA, PO: Onkar Nagar, DIST: North West Delhi, Delhi -110035,have changed my name and shall hereafter be known as SHAILENDRA.

NAME CHANGE
I, SURESH KUMAR S/o NARSINGH PAL SINGH, R/o A-425, G.D. Colony, Mayur Vihar Phase-3, East Delhi, Delhi-110096, have changed the name of my minor daughter PRACHI MEENA aged 14 years and she shall be hereafter known as PRACHI

NAME CHANGE
I, Ram Chandra Father of No.13625194W, Rank-HAV, Name Mahendra Chaudhary residing at Vill. Baghauda, Post-Kalwari, Tehsil - Basti, Distt: Basti, UP-272301 have changed my name from Ram Chandra Chaudhary to Ram Chandra vide affidavit dated 29.03.2025 executed before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I, JAYASHRI is Spouse of No. 2804335H Rank-HAV Name- JADHAV AJIT JADHAV, R/o VILL-GONDI, POST-SHERE, TEL-KARAD, DIST-SATARA, STATE-MAHARASHTRA, PIN-415108, have changed my name from JAYASHREE to JAYASHRI AJIT JADHAV for all future purposes. Vide affidavit dated 15.04.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I ,Anil S/O BIJENDER, R/O M BLOCK 515, J J COLONY, SAVDA GHEVRA, PO:KANJHAWALA, DIST:North West Delhi, Delhi-110081,have changed the name of my minor son namely Nikhil aged 7 years and he shall hereafter be known as Nakul Dhilod.

NAME CHANGE
I, JC-573488M Rank-NB/SUB Name Mahipal Singh residing at Vill. Indall,Dist-Jhunjhunun, Rajasthan-333001 have changed my minor daughter's name from Jaishree Shekhawat to Jay Shree Shekhawat vide affidavit dated 17.04.2025 executed before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I, Shayama Devi M/o No-JC 771606A Sub Sanjay Kumar Sah R/o Vill-Lattipur, PO-Lattipur, Teh-thana bihpur , Dist-Bhagalpur, Bihar-853201, declare that I have changed my name from Shayama Devi to Shyama Devi for all future purposes vide Public Notary Delhi affidavit dt- 16-4-2025.

NAME CHANGE
I, Prem Kumari Mother of JC-573488M Rank-NB/SUB Mahipal Singh residing at Vill. Indali, Dist. Jhunjhunun, Rajasthan-333001 have changed my name from Prem Kumari to Prem Kanwar and my actual Date of Birth is 01/01/1963 vide affidavit dated 26.03.2025 executed before, Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is general information that I, NAVJEET SINGH BHATIA S/o AMARJEET SINGH BHATIA, R/o 15/102,, Upper Ground Floor, Geeta Colony, East Delhi, Delhi-110031, declare that name of my minor son has been wrongly written as SIDAK BHATIA in my minor son namely SIDAK SINGH BHATIA aged 15 years in his school record. The actual name of my minor son is SIDAK SINGH BHATIA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RISHITA D/o VIKAS SHOKEEN Residing at House No. 315, Mangol Pur Kalan, Rohini Sector – 7, PO: Rohini Sector – 7, DIST: North West Delhi, Delhi - 110085 declare that the name of my Father and my Mother have been wrongly written as VIKAS and RAJNI in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my Father and my Mother are VIKAS SHOKEEN and RAJNI SHOKEEN respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAJENDER KUMAR S/o LALCHAND, R/o House No. 72, Block - B, Hari Enclave Part - 2, Kirari, Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi- 110086, declare that name of mine has been wrongly written as RAJENDER in my minor Daughter namely PAYAL, aged 12 years in her School Record. The actual name of mine is RAJENDER KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SUNIL KUMAR S/o OMVEER SINGH Residing at Sheorajpur, Khodana Kala, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh – 201306 have changed the name of my minor Son PRITE SINGH aged 15 years and he shall hereafter be known as PRINCE.

NAME CHANGE
I hitherto known as KEWAL ANAND S/o JEEVA NAND TIWARI residing at House No. C-112, Near Little Star School, Pradhan Enclave, Burari, North Delhi, Delhi - 110084 have changed my name and shall hereafter be known as KEWALANAND.

NAME CHANGE
I, RITESH SUBHASH BHANGALE S/O SUBHASH KISAN BHANGALE R/O C-415 SF, SUSHANT LOK-1, GURUGRAM, HARYANA-122002, HAVE CHANGED MY NAME TO RITESH BHANGALE

NAME CHANGE
I ROJUDDIN KHAN S/O MOHD RAHISUDDIN R/O B-69 GALI NO-12 SUBHASH MOHALLA NORTH GHONDA NORTH EAST DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD ROJUDDIN KHAN

PUBLIC NOTICE
My Clients SHAKEEL AHMAD & His Wife SHAMEENA,Both R/O 467, Block 4, Ashok Vihar, Loni Dehat, Ghaziabad UP-201102, HAVE SEVERED ALL RELATIONS AND DISOWNED THEIR SON NAMELY IMRAN FROM THEIR ALL MOVABLE-IMMOVABLE PROPERTIES DUE TO THEIR MISCONDUCT. MY CLIENTS SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR THEIR ACTS/DEEDS IN FUTURE.

NAYAAB KHAN (Advocate)
CHAMBER NO.483
Chambers Block
SAKET DISTRICT COURT,
New Delhi-17

NAME CHANGE
I, ASHOK is father of No. 2804335H Rank-HAV Name-JADHAV AJIT ASHOK, R/O VILL-GONDI POST SHERE, TEL-KARAD, DIST -SATARA, STATE-MAHARASHTRA, PIN-415108,have changed my name from ASHOK to ASHOK RAJARAM JADHAV and date of birth from 18/02/1953 to 15/08/1946 for all future purposes. Vide affidavit dated 07.04.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, PRAMILA is mother of No. 2804335H Rask- HAV Name- JADHAV AJIT ASHOK. R VILL GONDI, POST-SHERE, TEL-KARAD, DIST-SATARA, STATE-MAHARASHTRA. PIN-415108,have changed my name from PRAMILA TO PRAMILA ASHOK JADHAV and date of birth from 18/02/201958 to 11/05/1957 for all future purposes. Vide affidavit dated 07.04.2025 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for I Aprajita Panwar D/O Krishnapal Panwar W/O: Jaat Vikrant Singh, R/O 129, Vijay Chowk, Shamli, PO: Shamli, DIST: Shamli, Uttar Pradesh - 247776,declare that name of mine has been wrongly written as Aprajita in my 10th class educational document and all educational documents. The actual name of mine is Aprajita Panwar,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SATYA PAL ARORA S/O DHARAM PAL R/O C-59/Z-3, DILSHAD GARDEN, JHILMIL, VIVEK VIHAR, DELHI - 110095 I have changed my name from SATYA PAL TO SATYA PAL ARORA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, S KRISHNA Son of JC-383032X Rank- SUB Name- SIVALINGANATHAN M residing at H.NO-15, THANDHAI PERIYAR NAGAR, AMMOOR, PO-AMMOOR, WALLAJAH, DIST-VELLORE, TAMIL NADU-632501, have changed my name from S KRISHNA to KRISHNA S for all future purposes vide Affidavit dated 21/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 15688328L Rank- HAV Name-RAMALINGA REDDY ANNAPAREDDY Father of A SRIKANTH REDDY residing at FLAT NO-301, RAMIREDDY PET, LUCKY HOMES, NARASARAOPET MANDAL, PO-NARASARAOPET, DISTT-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522601, have changed my minor son's name from A SRIKANTH REDDY to ANNAPAREDDY SRIKANTH REDDY for all future purposes vide Affidavit dated 21/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, VIJAYA LAKSHMI Wife of No. 15688328L Rank-HAV Name-RAMALINGA REDDY ANNAPAREDDY residing at FLAT NO-301, RAMIREDDY PET, LUCKY HOMES, NARASARAOPET MANDAL, PO-NARASARAOPET, DISTT-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522601, have changed my name from VIJAYA LAKSHMI to ANNAPAREDDY VIJAYA LAKSHMI for all future purposes and in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 02/01/1988 instead of my correct date of birth as 01/01/1988 vide Affidavit dated 21/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14647636A Rank-HAV Name-RAM PRAKASH GANGWAR Permanent address VILL-MUSE PUR JAI SINGH, PO-NARAYAN PUR, TEH-BISALPUR, DIST-PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262001, have changed my mother's name from RAMASHWRE DEVI to RAJESHVARI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 21/04/2025 Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14647636A Rank-HAV Name-RAM PRAKASH GANGWAR Father of SANSKIRITHI Permanent address 102, B, THAN SINGH BEHIND OM LAWN, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262001, have changed my minor daughter's name from SANSKIRITHI to SANSKRITI GANGWAR for all future purposes vide Affidavit dated 18/04/2025 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I RANJEET KUMAR SHARMA S/O KAPIL SHARMA R/O T-563/2-C-80/1 GALI NO-03 NEAR AFLATOON STD BALJEET NAGAR CENTRAL DELHI 110008 HAVE CHANGED MY NAME TO RANJEET SHARMA

NAME CHANGE
I CHANDRA PRAKASH TIWARI S/O SUBHASH CHANDER TIWARI R/O 21 4TH FLOOR STREET NO 5 NEAR S D M OFFICE VISHWAKARMA PARK KISHAN KUNJ PART 2 LAXMI NAGAR DELHI 110092 HAVE CHANGED MY NAME TO CHANDER TIWARI

NAME CHANGE
I, ASH MOHAMAD S/O IMAMUDDIN residing at H NO- C-36B, GALI NO-3, KANTI NAGAR EXTN, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051 have changed my name to AAS MOHD for all future purpose.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Vijay Lakshmi D/O Sita Ram R/O B-459 Street No.30 Mahavir Enclave Part-2 NEW DELHI 110059, have changed my name and shall hereafter be known as VijayLaxmi D/O Sita Ram Yadav FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, hitherto known as DALIP KUMAR S/O R A PARSAD R/O HOUSE NO B-173 A MAHAVIR ENCLAVE PART 2 NEW DELHI 110059, have changed my name from DALIP KUMAR to DILIP KUMAR PRASAD FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, JC-383032X Rank-SUB Name-SIVALINGANATHAN M Father of S RAGAVEE residing at H.NO-15, THANDHAI PERIYAR NAGAR, AMMOOR, PO-AMMOOR, WALLAJAH, DIST-VELLORE, TAMIL NADU-632501, have changed my minor daughter's name from S RAGAVEE to RAGAVEE S for all future purposes vide Affidavit dated 21/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No. 15688328L Rank-HAV Name-RAMALINGA REDDY ANNAPAREDDY Father of A ISHANTH REDDY residing at FLAT NO-301, RAMIREDDY PET, LUCKY HOMES, NARASARAOPET MANDAL, PO-NARASARAOPET, DISTT-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522601, have changed my minor son's name from A ISHANTH REDDY to ANNAPAREDDY ISHANTH REDDY for all future purposes vide Affidavit dated 21/04/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14647636A Rank-HAV Name-RAM PRAKASH GANGWAR Permanent address VILL-MUSE PUR JAI SINGH, PO-NARAYAN PUR, TEH-BISALPUR, DIST-PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262001, have changed my father's name from KRISHNA KUMAR GANGWAR to KRISHNA KUMAR for all future purposes vide Affidavit dated 21/04/2025 Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, GOURI N Mother of No-15783330N Rank-HAV (Gunner) Name-SURAJ MANI N Presently residing at VILL-CHERPULACHERRY, PO-KARALMANNA, PS- CHERPULACHERRY TEH-OTTAPPALAM, DIST-PALAKKAD, STATE-KERALA, PIN-679506, have changed my name from GOURI N to GOWRI vide Affidavit dated 24-03-2025 before Notary Public, Lucknow.

NAME CHANGE
I, SHEENA Wife of No-15783330N Rank-HAV (Gunner) Name-SURAJ MANI N Presently residing at VILL-PERINTHALMANNA, PO-THOOTHA, PS- PERINTHALMANNA, TEH-PERINTHALMANNA, DIST-MALAPPURAM, STATE-KERALA, PIN-679357, have changed my name from SHEENA to SHEENAM vide Affidavit dated 24-03-2025 before Notary Public, Lucknow.

NAME CHANGE
I hitherto known as Shwta D/O: Vijay, R/O House Number-165, Parmukh Gali, Sanjay Colony Arthala, Mohan Nagar, PO: Mohan Nagar, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201007, have changed my name and shall hereafter be known as SHALU.

NAME CHANGE
I, RAJ KUMAR S/o ASHOK CHAND R/o E-168, Sector-7, KSS Tempo Service, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed the name of my minor daughter SOHAM VARMA aged 10 years and she shall be hereafter known as SONAM VARMA, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SAVITA GULIA W/O PANKAJ GULIA R/O HOUSE NO. 382/204, SAIDULAJAB, SOUTH DELHI, DELHI -110030 have changed my name to SAVITA for all future purpose

NAME CHANGE
I, Mohd Shuaib Ahmed S/o Abdul Aziz R/o J3/140, Kishan Kunj, Laxmi Nagar, Anar Wali Masjid, Delhi-110092 have changed my name to Shuaib Ahmed.

PUBLIC NOTICE
Public at large is hereby informed that my clients Sh. Raj Kumar Sharma, S/o Late Sh. Prem Narayan and Smt. Purnima, W/o Sh. Raj Kumar Sharma, both R/o Gali No. 5, RZ-40/3A, Raj Nagar Part-1, Palam Colony, South West Delhi, Delhi-110045 have severed all their relations with their son namely Mayank Sharma and have disowned them from all their moveable and immovable properties, as they are not under the control of my above said clients. Any person dealing with the above said Mayank Sharma, shall be doing so at his/her/their own risks and responsibilities and my clients shall not be responsible for their act(s), deed(s) and misdeed(s).

ARJUN SHARMA ADVOCATE
Advocate Ch No. 837, Lawyer's Chamber Block Dwarka Court,
New Delhi-110075
Mob. 9711011153

PUBLIC NOTICE
It is Publicly informed that I Sabir Saifi S/o Mr. Abdul Hafeej R/O. RC 522, Pratap Vihar Block - B, Khora Colony, Ghaziabad, U.P. - 201001, owner of Residential Property area measuring 100 sq. yds., i.e. 83.61 sq. mtrs., out of Khasra No. 410 Situated in the revenue estate of Pratap Vihar Khora Colony Pargana Loni Tehsil & District Ghaziabad U.P. (hereinafter called the said property), vide Gift Deed dated 05.02.2025, duly registered as Doc No. 1529, Book No. I, Vol No. 19560 Pages 389-408 on dated 05.02.2025 SR-II Ghaziabad. I declare that in the Gift Deed dated 05.02.2025 the recital of GPA dated 14.02.2011 was not mentioned at the time of execution of Gift Deed, And I intend to mortgage above said property with AU Small Finance Bank. And I will be responsible for any discrepancies, if any. I hereby declared that the said property is free from charge, lien and encumbrance and the same will be mortgaged in AU Small Finance Bank. I we would like to announce to general public that any person who is having any right, title or interest against above property/share or documents may to confirm/contact to below person.

Sabir Saifi
Mob.: 9311021005

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that **Mrs. Sangeeta** is the owner of Property Bearing No. 9, 11, 12 and 13, area measuring 262 i.e., 219.06 Sq. Yds., out of Khasra No. 2828, Situated at Village Shahpur Bamheta, Pargana Dasna, Tehsil & District Ghaziabad, UP through Sale Deed dated 21.03.2024 as doc. No. 3580 executed by Mr. Hariom in favour of Mrs. Sangeeta in respect of the Said Property.

Mrs. Sangeeta intends to transfer the ownership of above-mentioned property by way of Sale Deed to **Mr. Vikas Kumar.** Subsequently, Mr. Vikas Kumar is in the process of mortgaging the said property with **ICICI Home Finance Co. Ltd.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल प्रमोद कुमार मलिक उम्र 51 वर्ष, और श्रीमती रेखा पत्नी श्री प्रमोद कुमार मलिक, निवासी आर0 जेड-एफ-2/122, गली न0 5. महावीर इन्कलेव, पालम गाँव, नई दिल्ली-110045 ने अपने दोनो पुत्र सत्यम मलिक पुत्र श्री प्रमोद कुमार मलिक उम्र 22 वर्ष व दूसरा पुत्र शिवम मलिक पुत्र श्री प्रमोद कुमार उम्र 25 वर्ष को उनके गलत आचरण, व्यवहार, मारपीट के कारण उन्हे अपनी चल व अचल सम्पत्ति से आज दिनांक 21-04-2025 से बेदखल करते हैं और उनसे अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद करते है। यदि भविष्य में कोई व्यक्ति हमारे दोनो पुत्र आदि से किसी प्रकार का कोई लेन-देन करता है तो उसके जिम्मेदार वह स्वंय होगा, मेरे मुवक्किलगण व उसके परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

PRAMOD KUMAR & SANJAY KUMAR
ADVOCATED
OFFICE AT: RZF 902/1
SHIVAYALA APARTMENT
RAJ NAGAR PART-2 PALAM COLONY
New Delhi-110045
MOB NO.8527122010, 9315634682

NAME CHANGE
I, JARINA BIBI Mother of JC-390010F Rank- SUB Name-REJAUL HAQUE residing at VPO-DATTAPARA, NORTH 24 PARGANAS, WEST BENGAL-743286, have changed my name from JARINA BIBI to ZARINA BIBI for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1949 instead of my correct date of birth as 01/01/1955 vide Affidavit dated 21/04/2025 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Smt. Mithlesh Kumari w/o Sh. Raj Kumar is the owner of Freehold Residential Built-up Property bearing no. RZ-B-25/7, area measuring 50 sq. yds. With all the roof rights out of Khasra no. 631, Situated in the area of Village Nasirpur, Delhi State Delhi, Colony Known as Indra Park, Gali no. 30, Palam Colony New Delhi. by virtue of Sale Deed Dated 01.03.2023 vide Doc no. 2347, Vol no. 12008 Page no. 131-142 SR-IX-Delhi. That Sale Deed Dated 01.03.2023 is missing its Stamp Paper and Front page. Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and same property is already financed in Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch-Dwarka New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Vimlesh W/o Mr. Rajbir is the owner of Freehold Residential Built-up House area measuring 97.88 sq. yds. out of Khewat No. 1230, Khata No. 1280, Mu. No. 113, Killa No. 3(3-9), 4(1-0), and Khewat No. 1231, Khata No. 1281, Khasra No. 167(18-17) Situated at waka mauja Dadri Toye Tehsil Badli Distt. Jhajjar, Haryana. by virtue of Sale Deed Dated 15.03.2024 as Doc no. 5164, SR-Badali, In the chain documents below mentioned document not available i.e. Original Sale Deed Dated 06.011.2019 executed by Mrs. Bimlesh W/o Mr. Rajbir in favour of Mrs. Sursati Devi W/o Mr. Satpal as Doc no. 2002, SR-Badali., Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch-Dwarka, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that Mohd. **Arif and Mrs. Zeenat** are the owners of Built-up Property bearing no. 5315 on Ground Floor, without roof/terrace rights, having its Plinth area 83.61 sq. mtrs., approx., Situated at Kucha Rehman, Chandni Chowk, Delhi-110006 through Sale Deed dated 07.11.2023 as Doc No. 2023/19/I/12488 executed by 1. Mohd. Nadeem 2. Mohd Waseem in favour of Mohd. Arif and Mrs. Zeenat in respect of said Flat.

The above-said owner has misplaced the **Original** Sale Deed dated 03.11.2016 as doc. No. 9742 executed by 1. Mohd. Nadeem 2. Mohd Waseem in favour of Mohd. Arif and Mrs. Zeenat in respect of Said Floor. Application No.- 2752460/2025, registered at P.S. Crime Branch, Delhi on 15.04.2025. Anyone who finds the above-mentioned documents, Kindly handover the same to the Manager of **M/s. Protium Finance Ltd., Branch-Rajendra Place, New Delhi.**

Mohd. Arif and Mrs. Zeenat are in the process of mortgaging the said property with **M/s. Protium Finance Ltd.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301;
Landline(s): +910120-3101683,
E-mail: accounts@lvnorth.in

NAME CHANGE
I, TASAWWUR ALI S/O SADIQ ALI R/O H NO C-184/17A GALI NO 3 CHAUHAN BANGAR DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME TASABBUR ALI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
It is for general information that I, YOGESH KUMAR S/o SURAJ MAL, R/o Plot No. 95, Gali No. 13, Road No. 4, Mahipalpur, South West Delhi, Delhi-110037, declare that name of my wife has been wrongly written as SALONI in my minor son namely HARDIK aged 14 years in his School Records. The actual name of my wife is SUMAN, which may be amended accordingly.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.PC. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **ज़ाहिद,** पुत्र मौ. सईद , निवासी मकान सं. 271, गली नं.-6, तीसरा पुश्ता, सुंडा मार्किट, खोड़ा कॉलोनी, गाज़ियाबाद, उ.प्र. ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 149/2021 धारा 33/52/58 दिल्ली आबकारी अधिनियम थाना संगम विहार, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **ज़ाहिद** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **ज़ाहिद** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.PC. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 149/2021 धारा 33/52/58 दिल्ली अबाकारी अधिनियम थाना संगम विहार, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **ज़ाहिद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **24.05.2025** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: श्री संकल्प कपूर,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी -04,
दक्षिण जिला, कमरा नं. 211,
साकेत कोर्ट परिसर, नई दिल्ली।

DP/4920/SD/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 (2) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **1.शकील पुत्र छोटे 2.रियाजुद्दीन पुत्र नियाजु निवास** गाँव फारूक नगर, असलतपुर, थाना साहिबाबाद, जिला गाज़ियाबाद, यू.पी. ने **FIR. No. 05/11 U/s 457/380 IPC. थानाः अलीपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **1.शकील 2.रियाजुद्दीन** मिल नही रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **1.शकील 2.रियाजुद्दीन** फरार हो गये हैं (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे हैं)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR. No. 05/11 U/s 457/380 IPC. थानाः अलीपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **1.शकील 2.रियाजुद्दीन** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.05.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
रूबी नीरज कुमार
एलडी. सीजेएम/उत्तरी, कमरा नं. 115
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/4930/ON/2025
(Court Matter)

NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Sh. Sunny Kumar who is the owner of Residential housearea measuring 170.50 sq. mts .out ofKhasra no. 363, Situated at Village Jhatmujheda,Pargana Tehsil & Distt - Muzaffarnagar, U.P. Initially, Smt Rajbiri Was the Actual owner of the Subject property as per the revenue record., Thereafter, Sale Deed dated 22/05/2008 executed by Smt. Rajbiri Devi in favour of Smt. Rameshwatiin respect of Residential Vacant plot area measuring 341 sq. mts.Outof khasra no. 363 Doc. No.5962 in Book no.-1 Vol. no.-4214 on pages 35/54, SR- Muzaffarnagar,UP, Thereafter, Regd. Will dated 29/11/2016 executed by Smt. Rameshwati in favour of Smt. Bimlesh Devi (1/2 Share towards south)(Daughter in laW)& Sh. Kushalveer (1/2 Share towards north) in respect of residential Vacant plot area measuring 341 sq. mts. out of khasra no 363.As Doc . no. 613, Book no. -1, vol. no. 199, on pages 91-102, SR- I Muzaffarnagar, U.P., Thereafter, Smt. Rameshwati Died Leaving behind Legal heirs Sh.Bijendra Singh, Sh. Jasveer.s& Sh. Kushalveer., Finally, Gift Deed Dated 29/06/2024 executed by Smt. Bimlesh Devi in Favour of Sh. Sunny Kumar in respect of residential house area measuring 170. 50 sq. mts. as Doc. No. 10257, in book no. -1, vol. no. 14429, on pages 265-284, SR-I Sadar .Muzaffarnagar. UP That Sh. Sunny Kumar intends to mortgage the said immovable property for his bonafide requirements to Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

NEW DELHI
DATE: 21/4/2025

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

तेज अंधड़ ने गरीब परिवार का आशियाना उजाडा

महेंद्रगढ़। पश्चिमी विक्षोभ के चलते आए तेज अंधड़ ने महेंद्रगढ़ जिले के गांव बवाना में एक गरीब परिवार का आशियाना उजाड़ दिया। शनिवार शाम अचानक आए तेज तूफान में एक मकान की छत पर लगा टीन शेड उखड़ कर हवा में उड़ गया और करीब 100 मीटर दूर जाकर पेड़ों में उलझ गया। गनीमत यह रही कि टीन शेड किसी राहगीर या आमजन के ऊपर नहीं गिरा, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। घर की बुजुर्ग महिला चांदबाई ने बताया कि इस तेज अंधड़ के कारण उनका टीन शेड पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आर्थिक तंगी से जूझ रहे इस परिवार के लिए यह हादसा किसी बड़े संकट से कम नहीं है। परिवार में कमाने वाला कोई नहीं है और अब उनके पशु भी झुलसाने वाली गर्मी में खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। तेज अंधड़ में उड़ते हुए टीन शेड के कुछ हिस्से पड़ोसियों की छत पर जा गिरे और वहां लगी सोलर प्लेट और पानी की टंकी को भी नुकसान पहुँचा दिया । सोलर प्लेट और टंकी टूटने से पड़ोसियों को भी भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। चान्दबाई ने बताया कि उन्होंने इस घटना की सूचना गांव के सरपंच और क्षेत्रीय विधायक कंवर सिंह को दी है।

उपजिला शिक्षा अधिकारी की पदोन्नति पर सम्मान स्वरुप लगाया गौ भंडारा

नारनौल। रघुनाथपुरा स्थित नन्दीशाला के प्रांगण में प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट नारनौल के तत्वावधान में गौ भंडारा (गायों की सवामनी) आयोजित किया गया। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि नारनौल खंड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार का पदोन्नति उपरांत उप जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना संयोजक के रूप में कार्यभार ग्रहण करने पर सम्मान किया गया। सम्मान कार्यक्रम के अवसर पर प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के सौजन्य से गायों के लिए गौ-भंडारे का आयोजन कर उन्हें सब्जियों की चाट खिलाई गई। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप डिप्टी डीइओ अशोक कुमार उपस्थित रहे तथा अध्यक्षता स्टेट अवार्डी प्रवक्ता डा. जितेंद्र भारद्वाज ने की। कार्यक्रम का संयोजन ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ संजय शर्मा एवं ट्रस्टी नरोत्तम सोनी ने किया। कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि अशोक कुमार ने कहा कि प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की सोच सेवा कार्यों से सतत जुड़ी हुई है। इसी कारण इन्होंने सम्मान समारोह भी गौशाला में गौ सेवा के माध्यम से मनाया। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रधान भीमसेन शर्मा ने कहा कि क्षेत्र को अशोक कुमार जैसे कुशल अधिकारी मिलना सौभाग्य की बात है। इनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग निश्चित रूप से तरक्की करेगा। प्रवक्ता अभय सिंह यादव एवं नरोतम सोनी ने कहा कि गायों के पुण्य प्रताप वाले प्रांगण में अपने कर्तव्य की शपथ लेकर अशोक शर्मा ने अपने कार्यकाल को बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है। इस अवसर पर नरोत्तम सोनी, भीमसेन शर्मा, अभय सिंह, अजय शर्मा, शिक्षाविद राकेश शर्मा, दिनेश शर्मा सहित अनेक गणमान्य जन मौजूद थे।

तावडू में क्षेत्रवासियों ने युनुस सरकार की आलोचना करते हुए रोष प्रकट किया

तावडू। बांग्लादेश में हिन्दू नेता भबेश चन्द्र राय की निर्मम हत्या पर क्षेत्रवासियों ने युनुस सरकार की आलोचना करते हुए रोष प्रकट किया है। क्षेत्रवासियों ने कहा कि बांग्लादेश एहसान फरामोश हो गया है। वह अपने ऊपर किए गए भारत के अहसानों को भूल गया। बंग्लादेश में आए दिन अल्पसंख्यक हिन्दुओं का खून बहाया जाता है। धार्मिक स्थलों को आग के हवाले कर दिया जाता है। क्षेत्रवासियों ने वरिष्ठ हिन्दू नेता भबेश चन्द्र की हत्या को कायराना हरकत बताया है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश के दिनाजपुर जिले के बिलाल उप जिला में राय का अपहरण कर पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। वह शाटग्राम संघ के तहत बासुदेबपुर गांव के रहने वाले थे और बांग्लादेश पूजा उद्यापन परिषद की बिराल इकाई के उपाध्यक्ष थे। युवा समाजसेवी एवं भाजपा नेता धर्मेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार से लोगों में रोष है। बांग्लादेश कट्टरपंथियों की शरण स्थली बन गया है। जिस कारण आए दिन बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं उनके पूजा स्थलों पर हमले हो रहे हैं।

जींद में पेंशनर्स का हल्ला बोल: 8वें वेतन आयोग से वंचितों के लिए 22 अप्रैल को महा धरना

जींद। आठवें वेतन आयोग के लाभ से वंचित पेंशनभोगियों का भविष्य खतरे में बताते हुए हरियाणा पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन, जिला जींद इकाई ने 22 अप्रैल को जींद जिला मुख्यालय पर विशाल धरना प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। एसोसिएशन की कार्यकारिणी की बैठक प्रधान बृजभूषण गोयल की अध्यक्षता में हुई, जिसमें इस विरोध प्रदर्शन की रणनीति तय की गई। बैठक में अखिल भारतीय राज्य पेंशनर फेडरेशन के आह्वान पर पूरे देश में हो रहे विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने का निर्णय लिया गया। ज्वाइंट एक्शन कमेटी रिटायर्ड कर्मचारी, जिला जींद के तत्वावधान में यह धरना प्रदर्शन 22 अप्रैल को सुबह 10 बजे उपायुक्त कार्यालय के निकट जींद-गोहाना रोड पर आयोजित किया जाएगा। एसोसिएशन के जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि धरने में बड़ी संख्या में पेंशनर्स भाग लेंगे और इसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा जाएगा। बैठक में पेंशनर्स की लंबित मांगों, हितों और अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की गई।

पंजाब की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देख रही प्रगति की आशा : नायब सिंह सैनी

● हरियाणा की तरह पंजाब में भी किसानों के सम्मान में नहीं आने दी जाएगी कमी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की साख को वैश्विक स्तर पर ऊंचा किया है और भारत को नई पहचान दिलाई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज देश-प्रदेश निरंतर प्रगति कर रहे हैं। हरियाणा की तरह पंजाब भी प्रगति और उन्नति करें, इसके लिए अब, पंजाब की जनता को भी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रगति की आशा है। पंजाब के लोगों ने विभिन्न पार्टियों पर भरोसा किया, लेकिन उन्हें सिर्फ निराशा मिली। इसलिए उन्हें विश्वास है कि नरेंद्र मोदी ही पंजाब को आगे ले जा सकते हैं। नायब सिंह सैनी ने उनके सम्मान एवं अभिनन्दन के लिए आज जीरकपुर में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिकरत की। इस मौके पर पंजाब के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को सम्मानित किया और उनकी कार्यप्रणाली की सराहना की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वे पंजाब के युवाओं से बात करते हैं तो युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का संकल्प लेते हैं। आज पंजाब के किसान एवं युवा

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आगे बढ़ना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में जब पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार हरियाणा में बनी थी, तब से हरियाणा की जनता भाजपा सरकार पर लगातार भरोसा जता रही है और समर्थन दे रही है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब उन्होंने 12 मार्च, 2024 को पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तो 50 हजार सरकारी नौकरियां देने का वादा किया था। लेकिन 56 दिन के भीतर ही आचार संहिता लगने से नियुक्तियां नहीं हो सकी। परंतु उन्होंने हरियाणा के युवाओं से वादा किया था कि शपथ लेने से पहले ज्वाइन कराऊंगा।

उन्होंने शपथ से पहले ही 25 हजार युवाओं को ज्वाइन करवाकर अपना वादा निभाया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी नीतियां आमजन के हित में लागू की जा रही हैं। हरियाणा में सभी फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही हैं और यही सुझाव उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री को भी दिया था, पर उन्होंने नहीं माना। जब पंजाब में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी तो पंजाब के किसानों की फसलें भी एमएसपी पर खरीदी जाएंगी। हरियाणा की तरह पंजाब में भी किसानों के सम्मान में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार फसल की पूरी कीमत की गारंटी देती है और यदि फसल खराब होती है, तो भी किसानों के खातों में सीधा मुआवजा दिया जाता है। उन्होंने ब्यौरा देते हुए बताया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में मात्र 1155 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया था, जबकि वर्तमान सरकार ने अपने 10 वर्षों के कार्यकाल में अब तक 14,500 करोड़ रुपए का मुआवजा किसानों को प्रदान किया है।

सीएम विंडो व जनसंवाद को लेकर एडीसी ने ली अधिकारियों की बैठक

एक्शन टेकन रिपोर्ट भरते समय पूरी बरतें सावधानी : एडीसी

एजेंसी

नारनौल। अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने आज लघु सचिवालय में सीएम विंडो तथा जन संवाद पर आने वाली शिकायतों की समीक्षा के लिए अधिकारियों की बैठक बुलाई। उन्होंने इस प्लेटफार्म पर आने वाली हर शिकायत को जल्द से जल्द निपटने के निर्देश दिए।

एडीसी ने कहा कि सीएम विंडो पर आने वाली शिकायतों का समाधान करने के बाद एक्शन टेकन रिपोर्ट भरते समय पूरी सावधानी बरती जाए। उन्होंने कहा कि एटीआर दाखिल करते समय अगर कोई डिमांड और पॉलिसी मैटर का मामला है तो एटीआर में स्पष्ट लिखा जाए। उन्होंने कहा कि कुछ मामले ऐसे होते हैं जो मुख्यालय से संबंधित होते हैं ऐसे मामलों में अधिकारी लगातार पत्राचार करें तथा उन समस्याओं का निदान करने के लिए लगातार प्रयास करें। उन्होंने कहा कि पहले ज्यादा समय से लंबित मामलों को निपटाकर एक दिन के अंदर अंदर एटीआर दाखिल करें। इस बैठक में महेंद्रगढ़ के एसडीएम अनिल कुमार यादव, नांगल चौधरी के एसडीएम मनोज कुमार, कनीना के एसडीएम

डा. जितेंद्र सिंह, नगराधीश मंजीत कुमार तथा डीएसपी हरदीप सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

कनीना के निकटवर्ती ग्राम बागोत के छोरे ने राम सेतु को छूकर 32 किलोमीटर लंबी समुद्री तैराकी में गाड़ा झंडा

एजेंसी

कनीन। कनीना के निकटवर्ती गांव बागोत निवासी राजवीर सिंह पैर से बेशक अपाहिज हो लेकिन आज भी राजवीर सिंह ने अपने नाम का डंका बजाने में अच्छे-अच्छे तेराकों को मात दे दी है। इसी कड़ी में राजवीर सिंह ने राम सेतु मार्ग को तैर कर पार करने के लिए देश के 10 महान तैराकों के साथ हिंद महासागर में उतर कर अपनी ताकत का जलवा दिखाया है। राजवीर सिंह के दर्जनों साथियों ने बताया कि यह तैराकी पाक जल संधि अभियान का हिस्सा है। जिसमें देश के जाने-माने 10 तैराकों ने अपनी तैराकी का जलवा दिखाते हुए 18 अप्रैल शुक्रवार को यह साहसिक समुद्री यात्रा श्रीलंका के तलाई मन्नार से शुरू हुई। जो भारत के धनुष कोटी में संपन्न होगी। उनके साथियों ने यह भी बताया इस समुद्री यात्रा में प्रदेश के ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न कोणों से महान तैराकों ने भाग लिया है। जिसमें सबसे बड़े गौरव की बात है कि हमारे कनीना उपमंडल के निकटवर्ती गांव बागेश्वर धाम में पिता जागे राम के घर रोशनी देवी उर्फ रेशमा देवी के घर जन्मे राजवीर सिंह ने इस तरह की इस तराकी यात्रा में अपना जलवा दिखाया है। उन्होंने बताया इस टीम में हरियाणा के भिवानी से तैराकी कोच अर्जुन अवार्डी प्रशांत करमाकर, महेंद्रगढ़ जिले के गांव बागोत निवासी राजवीर सिंह, कैथल के अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा और चरखी दादरी के इशांत भी शामिल है। उनके साथ उत्तर प्रदेश के पश्चिम बंगाल के महाराष्ट्र के आंध्र प्रदेश के कर्नाटक के तैराक भी सह यात्री बने हैं। यहां सबसे मजेदार बात है कि हजारों वर्ष पहले धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान श्री राम ने श्रीलंका से इसी 33 किलोमीटर लंबे मार्ग

से गुजर कर रावण को मारकर विजय प्राप्त की थी तथा सीता माता को इसी मार्ग से लेकर भारत देश पहुंचे थे, वहीं आज हरियाणा के तीन तेराकों ने इस मार्ग से अपनी जल यात्रा में शामिल होकर जो कीर्तिमान स्थापित किया है वह आज से पहले सिर्फ भगवान राम द्वारा ही किया गया था।

हरियाणा में स्टेज 3 और 4 के कैंसर पीड़ितों को मिल रही मासिक पेंशन : उपायुक्त

● सरकार की योजना का लाभ उठाएं जिला के कैंसर पीड़ित मरीज : विश्राम कुमार मीणा

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से स्टेज 3 व 4 के सभी आयु वर्ग के कैंसर पीड़ितों को मासिक पेंशन दी जा रही है। यह सहायता उन कैंसर मरीजों को दी जा रही है जिनके परिवार की वार्षिक आय तीन लाख रुपए तक है। इससे प्रदेश के कैंसर पीड़ितों को मदद मिलेगी। सरकार के निर्णय के अनुसार यदि कैंसर पीड़ित मरीज किसी अन्य प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन या वृद्धावस्था सम्मान

भत्ता योजना का लाभ ले रहा है तो उसे भी अतिरिक्त रूप से मासिक पेंशन मिलेगी। उपायुक्त ने बताया कि पेंशन सीधे बैंक खातों में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन व्यवस्था (पीएफएमएस) के जरिये स्थानांतरित की जाएगी। इस योजना के लाभ के लिए परिवार पहचान पत्र में दर्शाई गई वार्षिक आय के तथ्यों से मिलान किया जाएगा। सिविल सर्जन कार्यालय की कमेटी द्वारा सत्यापित दस्तावेजों को सरल केंद्र के माध्यम से अपलोड करना होगा। आवेदक को राशन कार्ड, वोटर कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट, बैंक पासबुक, टेलीफोन, पानी, बिजली या अन्य उपयोगिता वाले बिल, जिसमें घर का पता अंकित हो या भू-रिकॉर्ड के दस्तावेज, परिवार पहचान पत्र को सरल केंद्र में साथ लाना होगा। आशा वर्कर, एएनएम मरीज के जीवित होने के प्रमाण पत्र को सत्यापित करेगी जिसे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रति हस्ताक्षर किया जाएगा। इसके बाद कैंसर पीड़ित मरीज की पेंशन शुरू हो जाएगी। उन्होंने जिला के कैंसर की स्टेज तीन व चार से पीड़ित मरीजों से सरकार की इस योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया है। उपायुक्त ने बताया कि योजना के तहत भारत का नागरिक और समय-समय पर जारी सरकारी निर्देशों के अनुसार हरियाणा का वास्तविक निवासी, आवेदक के पास परिवार पहचान पत्र (पीपीपी)-पारिवारिक आईडी होनी चाहिए, स्टेज तीन व चार के सभी कैंसर पीड़ित इस योजना के तहत पात्र होंगे।

पहले लोग पक्षियों के लिए बाग बगीचों व घरों की छतों पर किया करते थे अनाज व पानी का प्रबंध

एजेंसी

तावडू । आज आधुनिकता के इस दौर में और युवाओं का पाश्चात्य सभ्यता की ओर बढ़ते रूझान में कोयल की कूक व गौरया की चहचाहट तथा कबूतरों की गुटर गूं क्षेत्र में सुनने को नहीं मिलती। लोक संस्कृति की उन चीजों यानि पशु पक्षियों के प्रगाढ़ संवाद जो मनुष्य के जीवन का हिस्सा बनते थे, वो अब नहीं रहे। यह विचार समाज सेविका सविता भारद्वाज ने एक भेंट के दौरान कहे। उन्होंने कहा कि पहले लोग पक्षियों के लिए बाग बगीचों व घरों की छतों पर अनाज व पानी का प्रबंध किया करते थे। जिससे पूरा वातावरण पक्षियों की चहचाहट से गुंजायमान रहता था। बाग बगीचे अब रहे नहीं, इनकी जगह अब पत्थरों की गगन चुम्बी इमारतों ने ले ली है। हालांकि पार्कों का प्रचलन बढ़ा है। लेकिन पक्षियों की कोई व्यवस्था नहीं की जाती। बच्चों को इन पक्षियों का साक्षात्कार मात्र किताबों से होता है। अब तितलिया तो रहीं नहीं तो बच्चें किसके पीछे भागे। इसका जिम्मेदार जितना प्रशासन है उतना ही हम भी है। गुजरे जमानों में पशु पक्षियों से बहुत प्यार किया जाता था। उनके खान पान की पूर्ण व्यवस्था भी की जाती थी।

ड्रिंक एंड ड्राईव करने वाली 3 महिलाओं सहित 385 वाहन चालकों के किए चालान

एजेंसी

गुरुग्राम। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा, पुलिस उपायुक्त यातायात विरेंद्र विज के निर्देशन में कार्य करते हुए सहायक पुलिस आयुक्त यातायात मुख्यालय/ हाईवे सत्यपाल यादव की देखरेख में यातायात पुलिस द्वारा 14 से 20 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाकर शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के नियमानुसार चालान किए गए।

इस अभियान को सफल बनाने के लिए सहायक पुलिस आयुक्त यातायात मुख्यालय/ हाईवे सत्यपाल यादव द्वारा यातायात पुलिस की विभिन्न पुलिस टीमों का गठन करके उनको चिन्हित स्थानों पर विशेष आदेश/निर्देश देकर तैनात की गई जिसमें पुलिस टीमों द्वारा नाका लगाकर चैकिंग करते हुए 3 महिला वाहन चालक सहित कुल 385 वाहन चालक ड्रिंक एंड ड्राईव करते हुए मिले और उनके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही करते हुए उनके चालान किए गए। यातायात पुलिस, गुरुग्राम द्वारा चलाए गए इस विशेष अभियान का उद्देश्य ड्रिंक एंड ड्राईव करने वाले वाहन चालकों पर

नकेल कसना तथा यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित कराते हुए यातायात का संचालन व्यवस्थित तथा सुरक्षित करना है। गुरुग्राम पुलिस आप सभी से अपील करती है कि यातायात के सभी नियमों की पालना करें व किसी भी प्रकार का नशा करके वाहन ना चलाए। गुरुग्राम पुलिस द्वारा समय-समय पर रात के समय विशेष नाके लगाकर वाहनों को चैक किया जाता है और शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालको/मालिकों के नियमानुसार चालान किए जाते है। गुरुग्राम पुलिस के द्वारा इस प्रकार के चालान अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा।

लेजऱ वैली पार्क में लगाए गए 2 वाटर कूलर आरओ सिस्टम के साथ

एजेंसी

गुरुग्राम। लेजऱ वैली पार्क में जीएमडीए और होंडई के सहयोग से लोगो को शीतल जल की कमी को दूर करने के लिए दो वाटर कूलर आरओ सिस्टम के साथ लगाए गए, जिसका उद्घाटन विधायक मुकेश पहलवान ने रिबन काट कर किया। उन्होंने कहा कि जल जीवन है इसका सदुपयोग करें। उसके बाद उन्होंने सभी लेजऱ वैली पार्क के सदस्यों के बीच पार्क की समस्यों को सुना।

पार्क के जरनल सेक्रेट्री और जिला कष्ट निवारण समिति के महासचिव रविंद्र जैन एडवोकेट ने उनको पार्क की समस्याओं को हल करने का ज्ञापन सौंपा, जिसमे पार्क में लगभग 8 करोड़ की लागत से निर्मित फाउंटेन का काम जो 31 मार्च तक पूरा होना था उसको शीघ्र पूरा करने हेतु पार्क में सुंदर टॉयलेट, पार्क में सुरक्षा गार्ड, सफाई का मुद्दा, रात को असामाजिक तत्वों पर कंट्रोल के लिये पुलिस की गस्त, घास पर पानी का छिडक़ाव, पार्क में जिम लगाने के लिए, पार्किंग में अवैध गाडय़िा खड़ी होने पर पाबंदी, रूट रेस्टुरेंट द्वारा नाजायज़ पार्क की जमीन पर कब्जा, पार्क में रेस्टोरेंट की बदबू और विभिन्न दुकान खोलकर कमर्शियल गतिविधि करना। रविंद्र जैन ने बताया कि पिछले माह ग्रीवेंश कमेटी की बैठक में उन्होंने मुद्दा उठाए थे। विधायक ने मौके पर ही अधिकारियों को जल्दी हल करने की हिदायत दी। प्रधान नारायण सिंह और महामंत्री रविंद्र जैन ने फूलो की माला से स्वागत किया और इस मोके पर प्रधान मंत्री द्वारा विश्व नमस्कार दिवस पर बताए गए 9 संकल्प का चित्र विधायक को भेट किया और उपस्थित सभी लोगो को 9 संकल्प पढ़ कर सुनाया। इस मौके पर पार्क के सदस्य सूरज शर्मा, एमएम भारद्वाज, गजेंद्र त्यागी हरीश दहिया,राकेश यादव,राकेश सहरावत, देवेंद्र दलाल, संदीप राजन, संदीप चकरपुर, नरेंद्र त्यागी आलोक सहरावत सुखराली आदि काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

कादरपुर बांध पर बने अवैध रास्ते को निगम ने किया बंद, अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

एजेंसी

गुरुग्राम। कादरपुर बांध पर अवैध रूप से बनाए गए रास्ते को नगर निगम की जोन 4 इनफोर्समेंट टीम ने बंद कर दिया।

यह कार्रवाई संयुक्त आयुक्त सुमित कुमार के निर्देश पर की गई, जिसके तहत टीम ने न सिर्फ अवैध रास्ता बंद किया, बल्कि आसपास के क्षेत्र से अतिक्रमण को भी हटाया। टीम ने बांध की मरम्मत का कार्य भी शुरू कर दिया है, जिससे क्षेत्र की जल प्रबंधन व्यवस्था बेहतर हो सके।

निगम अधिकारियों का कहना है कि अतिक्रमण के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और सार्वजनिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए सख्ती बरती जाएगी। नगर निगम द्वारा की गई इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है, जो लंबे समय से इस अवैध रास्ते और अतिक्रमण से परेशान थे।

सिरसा शहर और रानियां हलका में अधिकतर जगह भूमिगत जल पीने योग्य नहीः कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने माना है कि रानियां क्षेत्र के अधिकतर गांवों में नहरी पेयजलापूर्ति की अभी कोई व्यवस्था है साथ ही यह भी माना है कि इस क्षेत्र में भूमिगत जल पीने योग्य नहीं है क्योंकि इस पानी में फलोराइड, टीडीएस, टोटल हार्डनेस, केल्शियम और मैग्रीशियम की मात्रा निर्धारित मात्रा से कही अधिक है, ऐसी ही रिपोर्ट सिरसा शहर के विभिन्न वार्डो से लिये गए पानी के नमूनों की आई है। इस रिपोर्ट का खुलासा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा द्वारा मुख्यमंत्री नायब सैनी को लिखे पत्र के जवाब से हुआ है, हालांकि कुछ आंकडों को गोलमोल करके लिखा गया है। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि उन्होंने पिछले दिनों मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर कहा था कि घग्गर नदी क्षेत्र के रानियां ब्लॉक के गांवों में लोग भूमिगत दूषित और कैमिकल युक्त पानी पीने को मजबूर है लोग जनजनित रोगों और कुछ कैंसर रोग की चपेट में आ चुके है। पहले कुछ गांवों में पानी की आपूर्ति भांखडा नहर से की जाती थी जिसे बाद में बंद कर दिया गया। अब हालात ये है कि प्रदूषित जल पीने से क्षेत्र में कैंसर रोगियों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। हालात ये है कि संतनगर में एक ही घर में तीन तीन कैंसर रोगी है। सांसद कुमारी सैलजा को सरकार की ओर से भेजे गए जवाब में माना है कि रानियां क्षेत्र में नहरी पानी की आपूर्ति नहीं है, इस पर विचार किया जा रहा है। सरकार ने ये भी माना है कि रानियां क्षेत्र में भूमिगत पानी योग्य नहीं है। विभाग की ओर से कुछ गांवों से पीने के पानी के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। विभागीय रिपोर्ट में कहा गया है कि बालासर रोड रानियां, बाजीगर थेहड, ढाणी लहरावाली, फिरोजबाद रोड, गोबिंदपुरा, हिम्मतपुरा, कोठासेन पाल, मेहणाखेडा, चक्का, मोहल्ला नाथोवाला, नगराना थेहड, नकौडा, जज कालोनी, संत नगर आदि में फलोराइड, टीडीएस, टोटल हार्डनेस, केल्शियम और मैग्रीशियम की मात्रा निर्धारित मात्रा से कही अधिक है, ऐसे में ये पानी पीने योग्य नहीं है।

सांसद ने कहा कि जब सरकार को पता है कि रानियां क्षेत्र के अधिकतर गांवों में भूमिगत जल पीने योग्य नहीं है तो सरकार को भाखडा नहर आधारित नहरी पानी की व्यवस्था करनी चाहिए थी जबकि इस क्षेत्र की जनता काफी समय से पीने के लिए नहरी आपूर्ति की मांग करती आ रही है। सरकार का कहना है कि 29 गांवों में पेयजलपूर्ति सुधार के कार्य जारी है। उधर पूरे सिरसा शहर में अभी तक नहरी पानी की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो पाई है, यह कार्य धीमी गति से चल रहा है, नगर में आज भी 120 बोरवेल से पीने के पानी की आपूर्ति की ।

ई-कॉमर्स के खिलाफ उतरेंगे खुदरा व्यापारी, दुकानदारी-रोजगार को गंभीर चोट पहुंचाने का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। घर बैठे मोबाइल पर आवश्यक वस्तुओं की खरीद किसी क्षेत्र विशेष तक सीमित नहीं रह गया है। खाने-पीने, पहनने और मनोरंजन की वस्तुओं से लेकर अब लगभग हर क्षेत्र की वस्तुएं-सेवाएं ऑनलाइन माध्यम से लोगों को सहज उपलब्ध हैं। इससे लोगों को काफी सहूलियत भी हुई है। लेकिन इससे देश में 11 करोड़ से अधिक परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने वाले खुदरा बाजार की दुकानदारी नष्ट हो रही है। इसका परिणाम हुआ है कि देश के हर हिस्से में खुदरा दुकानें बंद हो रही हैं और मॉल और बड़ी दुकानों को किराए पर कोई लेने वाला नहीं मिल रहा है। अमेरिका के टैरिफ वॉर के बीच बाजार के विशेषज्ञ मानते हैं कि ऑनलाइन बाजार भारत जैसी अर्थव्यवस्था वाले देशों के खिलाफ एक सुनियोजित षड्यंत्र है। भारत को अपनी 140 करोड़ की आबादी के लिए रोजगार की व्यवस्था करना सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन ऑनलाइन बाजार लोगों के रोजगार छीन रहा है। केंद्र सरकार प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत लोगों को कर्ज देकर उन्हें अपना रोजगार विकसित करने के लिए कर्ज दे रहे हैं, लेकिन ऑनलाइन बाजार ऐसे लोगों से उनका उपभोक्ता छीन रहा है। यही कारण है कि अर्थव्यवस्था के जानकार केंद्र सरकार से ई-कॉमर्स क्षेत्र की कंपनियों के खिलाफ एक सुनियोजित नीतिगत हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं।

भारत का वाहन निर्यात 19फीसदी बढ़कर 53 लाख यूनिट के पार, वैश्विक बाजार में दिखी जबरदस्त मांग

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में भारतीय वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता और मजबूत मांग ने वित्त वर्ष 2024-25 में देश के वाहन निर्यात को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के अनुसार, बीते वित्त वर्ष में कुल वाहन निर्यात 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 53.63 लाख यूनिट तक पहुंच गया, जो अब तक का एक प्रमुख रिकॉर्ड है। यात्री वाहनों, दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों के निर्यात में यह वृद्धि वैश्विक बाजार में भारतीय ऑटोमोबाइल की विश्वसनीयता और प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाती है। पिछले वित्त वर्ष में यात्री वाहनों का निर्यात 15 प्रतिशत बढ़कर 7,70,364 इकाई हो गया, जबकि 2023-24 में यह 6,72,105 इकाई था। उद्योग निकाय सियाम ने कहा कि भारत में बनने वाले वैश्विक मॉडल की मांग के कारण इस खंड ने पिछले वित्त वर्ष में अपना सर्वश्रेष्ठ वार्षिक प्रदर्शन दर्ज किया। सायम ने कहा कि विनिर्माण गुणवत्ता में सुधार के साथ, कुछ कंपनियों ने विकसित बाजारों में निर्यात भी शुरू कर दिया है। यूटिलिटी वाहनों के निर्यात में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई और यह 3,62,160 इकाई रहा। जबकि वित्त वर्ष 2023-24 के 2,34,720 इकाई की तुलना में यह 54 प्रतिशत की वृद्धि है। पिछले वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों का निर्यात 21 प्रतिशत बढ़कर 41,98,403 इकाई रहा, जबकि 2023-24 में यह आंकड़ा 34,58,416 इकाई था।

ड्रैगन पर भारी पड़ा भारत का हुनर, अमेरिका में बढ़ी भारतीय खिलौनों की डिमांड

नई दिल्ली। चीन से आयातित खिलौनों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क और चीनी वस्तुओं पर निर्भरता घटाने की नीति से भारतीय खिलौना उद्योग को बड़ा फायदा होने जा रहा है। भारतीय खिलौना निर्माता अब अमेरिकी बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी में हैं। भारतीय खिलौना संघ के मुताबिक, अमेरिका के सख्त नियमों को पूरा करने में सक्षम करीब 40 कंपनियों की पहचान की गई है, जो जल्द ही निर्यात की प्रक्रिया में शामिल हो सकती हैं। संघ के अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि इस समय 20 भारतीय कंपनियां अमेरिकी बाजार में बड़े पैमाने पर खिलौनों का निर्यात कर रही हैं और हाल के हफ्तों में अमेरिका से पूछताछ की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अग्रवाल ने कहा कि अमेरिका के कई खरीदार अब ऐसे भारतीय निर्माताओं की तलाश कर रहे हैं जो अमेरिकी गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हुए व्हाइट लेबलिंग और मूल उपकरण विनिर्माण सेवाएं दे सकें।

ईरान-अमेरिका न्यूक्लियर डील से गिरी क्रूड ऑयल की कीमतें, महंगाई घटने की उम्मीद

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर हुई वीकेंड वार्ता में अहम प्रगति हुई है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों देशों ने संभावित परमाणु समझौते की रूपरेखा पर सहमति बना ली है। इस डील के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईरान से कच्चे तेल की सप्लाई को लेकर बनी अनिश्चितता काफी हद तक कम हो गई है। इस खबर का सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों पर देखने को मिला। सोमवार को ब्रेंट क्रूड में करीब 1.03त्न की गिरावट दर्ज की गई और यह 67.26 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड भी 1.05फीसदी की गिरावट के साथ 64 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।गौरतलब है कि क्रूड में 3.5फीसदी तक की तेजी आई थी, जो अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के बीच संभावित ट्रेड डील और ईरानी सप्लाई में कमी की आशंका के चलते थी। हालांकि, ताजा डील से इन चिंताओं में राहत आई है।

खरीदार की भूमिका में नजर आए विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, 3 दिन में 8,472 करोड़ का निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। अप्रैल महीने के शुरुआती 2 सप्ताह के दौरान बिकवाल (सेलर) की भूमिका निभाने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) 15 से 17 अप्रैल के कारोबारी सप्ताह के दौरान लिवाल (बायर) की भूमिका में नजर आए। 3 दिन के इस कारोबारी सप्ताह के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट में वापसी करते हुए खरीद-बिक्री को मिला कर करीब 8,500 करोड़ रुपये का निवेश किया। डिपॉजिटरी से मिले आंकड़ों के अनुसार 17 अप्रैल को खत्म हुए सप्ताह के पहले कारोबारी दिन यानी 15 अप्रैल को विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 2,352 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की। इसके बाद 16 और 17 अप्रैल को उन्होंने स्टॉक मार्केट में कुल 10,824 करोड़ रुपये का निवेश किया। इस तरह 3 दिन के इस कारोबारी सप्ताह के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयर बाजार में कुल 8,472 करोड़ रुपये का निवेश किया। इस सप्ताह 14 अप्रैल को डॉ.

बाबासाहेब अंबेडकर जयंती और 18 अप्रैल को गुड फ्राइडे की छुट्टी होने की वजह से शेयर बाजार में कोई कारोबार नहीं हुआ था। आंकड़ों के अनुसार अप्रैल के महीने में एफपीआई ने अभी तक स्टॉक मार्केट में खरीद बिक्री मिला कर कुल 23,103 करोड़ रुपये की निकासी की है। अप्रैल के अभी तक के आंकड़ों को मिला लें, तो साल 2025 में उन्होंने भारतीय शेयर बाजार से अभी तक कुल 1,39,677 करोड़ रुपये की निकासी की है। अप्रैल के पहले मार्च के महीने में एफपीआई ने 3,973 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। इसके पहले फरवरी में एफपीआई द्वारा स्टॉक मार्केट से की गई शुद्ध निकासी का आंकड़ा 34,574 करोड़ रुपये रहा था, जबकि जनवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट से खरीद बिक्री मिला कर कुल 78,027 करोड़ रुपये की निकासी की थी। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अप्रैल महीने की शुरुआत में भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रेसिप्रोकल टैरिफ का दबाव बनाए जाने की वजह से शुरुआती 2 सप्ताह के कारोबार के दौरान एफपीआई ने खरीद-बिक्री मिला कर काफी आक्रामक अंदाज में कुल 31,575 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। हालांकि, इसके बाद टैरिफ व्यवस्था में राहत मिलने की वजह से वैश्विक व्यापार में तनाव घटने की उम्मीद बन गई। इसके साथ ही भारत की मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था और भारतीय शेयर बाजार में पिछले कुछ महीने के दौरान हुए करेक्शन की वजह से शेयरों का वैल्यूएशन आकर्षक हो जाने के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस सप्ताह बिकवाली करने की जगह लिवाली करने पर ज्यादा ध्यान दिया।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।

तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.67 प्रतिशत लुढ़ककर 63.60 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 1.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 66.85 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

कैट का राष्ट्रीय सम्मेलन 22 अप्रैल को, क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स के खिलाफ हल्ला बोल

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) 22 अप्रैल को कंस्टीट्यूशन क्लब में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन (ऐमरा) और ऑल इंडिया कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन (एआईसीपीडीएफ) के सहयोग से होने वाले इस सम्मेलन का विषय है क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स का क्रूर चेहरा। आयोजकों का कहना है कि सम्मेलन में देशभर के व्यापारी नेता, नीति विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री और अन्य हितधारक शामिल होंगे, जो डिजिटल कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के कारण पारंपरिक व्यापार प्रणाली पर मंडरा रहे गंभीर खतरों और अनैतिक गतिविधियों को उजागर करेंगे। उनका मानना है कि क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स की अनियंत्रित वृद्धि ने अनुचित मूल्य छूट, उपभोक्ताओं के व्यवहार में हेरफेर, एफडीआई नियमों का उल्लंघन और छोटे व्यापारियों की उपेक्षा जैसे गंभीर मुद्दे सामने ला दिए हैं। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, अब वक्त आ रहा है, जिससे बड़ी कंपनियां लागत से कम दाम पर सामान बेच रही हैं, जबकि देश में कोई परिसंपत्ति निर्माण नहीं हो रहा सम्मेलन में पारंपरिक व्यापार की सुरक्षा, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा

गया है कि क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स के काले सच को देश के सामने लाया जाए। उपभोक्ता जहां एक ओर सुविधा देखता है, वहीं व्यापारी बर्बादी झेल रहा है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) का उपयोग एक आर्थिक हथियार के रूप में किया जा सुनिश्चित करने और क्विक कॉमर्स से जुड़े कर्मचारियों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए ठोस नियामक उपायों की मांग की जाएगी। कैट ने सरकार से त्वरित नीतिगत हस्तक्षेप का आग्रह किया है ताकि व्यापारिक पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित किया जा सके।

भारत को IMF और विश्व बैंक 'वैश्विक व्यापार के इंजन' के रूप में देखते हैं: वित्त मंत्री

एजेंसी

सैन फ्रांसिस्को । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मौजूदा सरकार द्वारा प्रदान की गई स्थिरता के कारण 'भारत' सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है। अमेरिका में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, ÷जब हम कहते हैं कि भारत एक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है तो इस तथ्य को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक (वर्ल्ड बैंक) भी स्वीकार करते हैं। वे मानते हैं कि अपनी विकास क्षमता के कारण भारत विश्व व्यापार को बढ़ाने वाले एक इंजन के रूप में काम कर सकता है।' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगे कहा कि इस क्षमता के विकास के साथ हम वैश्विक स्तर पर विभिन्न अनिश्चितताओं के कारण देखे जा रहे ट्रेंड को बदल सकते हैं। मौजूदा ट्रेंड में ग्रोथ और ट्रेड दोनों ही कम हैं, लेकिन कुछ स्थानों पर मुद्रास्फीति अधिक है, जिसकी वजह से लोग सोच रहे हैं कि भविष्य में मंदी आने वाली है। उन्होंने आगे कहा, 'अगर इन मौजूदा परिस्थितियों में भी भारत की क्षमता को पहचाना जा रहा है और इसकी आर्थिक ताकत को स्वीकारा जा रहा है तो इस क्षेत्र में उच्च उपलब्धि प्राप्त करने वाले लोग भारत के साथ व्यक्तिगत या व्यावसायिक रूप से, कॉरपोरेशन टू कॉरपोरेशन की साझेदारी से लाभ पा सकते हैं।÷ वित्त मंत्री ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत की साझेदारी से दोनों ही देशों को लाभ मिलता है। अमेरिका में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'साथ मिलकर, हम वैश्विक व्यापार और विकास को आगे बढ़ाएंगे। मुझे लगता है कि यह एक बहुत बड़ा योगदान है जो यहां रहने वाले भारतीय प्रवासी दे सकते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय प्रवासियों से अपील की कि वे अधिक रुचि लें और अपने चुने हुए क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी करें। भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के कदमों पर वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, 'कोविड-19 महामारी के दौरान, हमारा राजकोषीय घाटा बढ़ गया था। लेकिन 2021 में, हम एक स्पष्ट संकेत के साथ आए कि हम अपने राजकोषीय घाटे का प्रबंधन किस तरह करना चाहते हैं। हमने साल-दर-साल लक्ष्य निर्धारित किए और 2026 तक राजकोषीय घाटे को 4.5 प्रतिशत से नीचे लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम हर साल बिना किसी चूक के इसका पालन कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का प्राथमिक ध्यान 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करना है।इस दृष्टिकोण में महिलाओं, गरीबों, युवाओं और किसानों को प्रभावित करने वाले विभिन्न क्षेत्रों में सुधार शामिल हैं।

पीयूष गोयल लंदन, ओस्लो और ब्रसेल्स का 28 अप्रैल से करेंगे दौरा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 28 अप्रैल से शुरू होने वाले अपनी बहुप्रतीक्षित विदेश यात्रा के दौरान लंदन, ओस्लो और ब्रसेल्स का दौरा करेंगे। इस पांच दिवसीय यात्रा का उद्देश्य ब्रिटेन, नॉर्वे और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ भारत के व्यापार और निवेश संबंधों को और बढ़ावा देना है। अधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में बताया कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की लंदन, ओस्लो और ब्रसेल्स की संभावित पांच दिवसीय दौरा 28 अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। यह 5 दिवसीय दौरा भारत के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य ब्रिटेन, नॉर्वे और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को नई ऊंचाइयों तक

पहुंचाना है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री का लंदन यात्रा महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत अंतिम चरण की ओर बढ़ रही है, दोनों पक्ष शेष मुद्दों को हल करने के लिए काम कर रहे हैं। सूत्रों ने संकेत दिया है कि अब ब्रिटेन के साथ बातचीत का एक और पूर्ण दौर संभव नहीं है क्योंकि चर्चाएं तेज गति से आगे बढ़ रही हैं। इसके अलावा ओस्लो की यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत ने पिछले साल मार्च में चार यूरोपीय राष्ट्र ब्लॉक यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के साथ भी एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस साल इसके लागू होने की उम्मीद है। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के सदस्य आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। दोनों पक्षों ने 10 मार्च 2024 को व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत भारत को समूह से 15 वर्षों में 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता मिली है, जबकि स्विस घड़ियां, चॉकलेट और कटे और पॉलिश किए गए हीरे जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति दी गई है। वहीं, 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ व्यापार समझौते के लिए बातचीत भी तेजी से आगे बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि भारत और 27 देशों का समूह व्यापक समझौते पर जाने से पहले एक प्रारंभिक फसल समझौते पर चर्चा करने की संभावना तलाश रहे हैं। दोनों पक्षों के बीच 11वें दौर की वार्ता 12-16 मई को यहां निर्धारित है। फरवरी में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने इस साल के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते को सील करने पर सहमति व्यक्त की।

गाड़ी पर दो से अधिक चालान तो भरना होगा ज्यादा प्रीमियम, 20 फीसदी तक हो सकती है बढ़त

एजेंसी

मुंबई। नया वित्त वर्ष शुरू हो गया है। लोग सोच रहे हैं कि क्या इस बार उन्हें अधिक मोटर बीमा प्रीमियम का भुगतान करना होगा, यदि उनके पास पिछले वित्त वर्ष के दो से अधिक लंबित, भुगतान न किए गए चालान हैं। हालांकि, वर्तमान प्रस्ताव अभी तक लागू नहीं हुआ है और यह मसौदा चरण में है। पॉलिसी जारी होने के बाद चालान की स्थिति को ट्रैक करना व्यावहारिक और प्रणालीगत चुनौतियों का सामना करना होगा है। ऐसे में सड़क परिवहन मंत्रालय, राज्य यातायात विभाग और बीमा कंपनियों के बीच एक सुरक्षित और निरंतर डाटा को साझा करने वाले तंत्र की जरूरत है। हालांकि, इसे लागू करना आसान नहीं होगा, क्योंकि इसके लिए डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम के तहत कई गोपनीयता और अनुपालन चिंताओं को सुलझाना होगा। प्रस्तावित नियम में ऐसा मॉडल है, जहां एक वित्त वर्ष में दो लंबित चालान पर बीमा प्रीमियम में 10 से 20 फीसदी तक की बढ़त हो सकती है। बीमा कंपनियां पॉइंट आधारित प्रणाली अपना सकती हैं, जो प्रीमियम दर निर्धारित करती है। प्रीमियम का मूल्य निर्धारण मुख्य रूप से टेलीमैटिक्स आधारित मूल्य निर्धारण तंत्र के जरिये किया जाएगा। अगर बीमा प्रीमियम में बढ़ोतरी का प्रस्ताव कई लंबित चालानों के कारण होता है, तो प्रीमियम की गणना गलतियों को ठीक करने के बाद समायोजित की जाएगी, लेकिन इसे संभालने का तरीका अभी भी स्पष्ट नहीं है।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, साप्ताहिक आधार पर सोना 1,910 रुपये तक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। मामूली गिरावट के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में आज एक बार फिर तेजी का रुख बन गया है। आज की तेजी के कारण सोना देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना महंगा होकर 97,580 रुपये से लेकर 97,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,450 रुपये से लेकर 89,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में मामूली तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। साप्ताहिक आधार पर देखें तो उतार-चढ़ाव को मिलाकर 24 कैरेट सोना पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान 1,910 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह 22 कैरेट सोने की कीमत 1,750 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गई है। दूसरी ओर, इस सप्ताह चांदी के भाव में भी लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। इसके बावजूद इस चमकीली धातु की कीमत में सप्ताहांत में साप्ताहिक आधार पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। पिछले सप्ताह के अंत में भी चांदी 1,00,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही थी और इस सप्ताह के अंत में भी आज चांदी 1,00,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 97,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

विकसित भारत बनने की रणनीति: अनंत नागेश्वरन बोले- हर साल 80 लाख नौकरियों की जरूरत; विनिर्माण पर भी जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के लक्ष्य की तैयारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कम से कम अगले 10 से 12 सालों तक हर साल 80 लाख नई नौकरियां पैदा करनी होंगी। इसके साथ ही देश की जीडीपी में विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र की हिस्सेदारी भी बढ़ानी होगी। बता दें कि नागेश्वरन कोलंबिया विश्वविद्यालय में आयोजित 'कोलंबिया इंडिया समिट 2025' में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम भारत की आर्थिक नीतियों और भविष्य को लेकर आयोजित किया गया था। नागेश्वरन ने समिट में कहा कि आने वाले 10-20 साल भारत के लिए आसान नहीं होंगे। जैसा अनुकूल माहौल भारत को 1990 के बाद मिला था, वैसा अब नहीं मिलेगा। दुनिया की बदलती परिस्थितियां, तकनीकी बदलाव और वैश्विक संघर्ष आर्थिक विकास में बाधा बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स और टेक्नोलॉजी जैसी चुनौतियां अब सामने हैं, जो पहले विकसित देशों को नहीं झेलनी पड़ीं। उन्होंने कहा कि एआई जैसी तकनीकें एंट्री-लेवल नौकरियों को खत्म कर सकती हैं। ऐसे में हमें नीतियों में इस तरह का संतुलन लाना होगा, जिससे रोजगार भी बने और तकनीक का इस्तेमाल भी हो। नागेश्वरन ने कहा कि अगर भारत को वैश्विक विनिर्माण में मजबूत बनना है, तो लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) का विकास भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश बिना मजबूत एमएसएमई सेक्टर के मैन्युफैक्चरिंग महाशक्ति नहीं बन पाया। साथ ही उन्होंने कहा कि या तो हमें निवेश दर को बढ़ाना होगा या फिर मौजूदा निवेश से अधिकतम लाभ निकालना होगा, क्योंकि वैश्विक पूंजी प्रवाह पर भी अब संघर्षों का असर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि पहले भारत की जीडीपी में निर्यात का योगदान 40त्न तक था (2003-08), जो अब घटकर 20त्न से भी कम हो गया है, और आगे और गिर सकता है। इसलिए, सिर्फ निर्यात पर निर्भर रहकर विकास करना अब संभव नहीं होगा। नागेश्वरन ने कहा कि कोविड के बाद भारत ने पिछले तीन सालों में औसतन 8फीसदी की विकास दर हासिल की है। हालांकि उन्होंने माना कि इस दर को बनाए रखना मुश्किल होगा।

MTNL ने 8346 करोड़ रुपये के बैंक ऋण का भुगतान नहीं किया

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लि. (एमटीएनएल) सात सरकारी बैंकों के 8,346.24 करोड़ रुपये के कर्ज भुगतान में चूक गई है। इसमें यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का 3,633.42 करोड़ रुपये और इंडियन ओवरसीज बैंक का 2,374.49 करोड़ रुपये बकाया है। बैंक ऑफ इंडिया का 1,077.34 करोड़, पंजाब नेशनल बैंक का 464.26 करोड़, एसबीआई का 350.05 करोड़ रुपये, यूको बैंक का 266.30 करोड़ और मूलधन व ब्याज भुगतान सहित 180.3 करोड़ रुपये शामिल है। यह चूक अगस्त, 2024 से फरवरी, 2025 के बीच हुई है। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी ने 19 अप्रैल को शेयर बाजारों को बताया, 31 मार्च, 2025 तक उसका बकाया कर्ज 33,568 करोड़ रुपये पहुंच गया है। इसमें 8,346 करोड़ रुपये का बैंक ऋण, 24,071 करोड़ रुपये के सॉवरेन गारंटी (एसजी) बॉन्ड और एसजी बॉन्ड ब्याज का भुगतान करने के लिए दूरसंचार विभाग (डीओटी) से 1,151 करोड़ रुपये का ऋण शामिल है

टॉप 10 कंपनियों का मार्केट कैप 3.84 लाख करोड़ रुपये बढ़ा, एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से सभी 10 कंपनियां मुनाफा कमाकर हरे निशान में बनी रहीं। बाजार की तेजी के कारण इन 10 कंपनियों के मार्केट कैप में सिर्फ 3 दिन के कारोबार के बाद 3.84 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल को हुआ। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल के अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, आईटीसी, इंफोसिस और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में कुल 3,84,004.73 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। 15 से 17 अप्रैल के बीच हुए कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 76,483.95 करोड़ रुपये उछल कर 14,58,934.32 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप 75,210.77 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 10,77,241.74 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 74,766.36 करोड़ रुपये बढ़ कर 17,24,768.59 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 67,597 करोड़ रुपये के फायदे के साथ उछल कर 10,01,948.86 करोड़ रुपये के स्तर पर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 38,420.49 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,11,381.46 करोड़ रुपये के स्तर पर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 24,114.55 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ 11,93,588.98 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 14,712.85 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,68,061.13 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईटीसी का मार्केट कैप 6,820.20 करोड़ रुपये उछल कर 5,34,665.77 करोड़ रुपये के स्तर पर, इंफोसिस का मार्केट कैप 3,987.14 करोड़ रुपये की बढ़ कर 5,89,846.48 करोड़ रुपये के स्तर पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 1,891.42 करोड़ रुपये बढ़ होकर 5,57,945.69 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,24,768.59 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 14,58,934.32 करोड़ रुपये), टीसीएस (कुल मार्केट कैप 11,93,588.98 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 10,77,241.74 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 10,01,948.86 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,11,381.46 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 5,89,846.48 करोड़ रुपये), बजाज फाइनेंस (कुल मार्केट कैप 5,68,061.13 करोड़ रुपये) हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 5,57,945.69 करोड़ रुपये) और आईटीसी (कुल मार्केट कैप 5,34,665.77 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

दादी-नानी के जमाने से गर्मी में बनती आ रही हैं ये डिश, स्वाद होता है लाजवाब

भारतीय घरों में मौसम के हिसाब से अलग-अलग टेस्टी डिशेज भी बनाई जाती हैं. गर्मियों का सीजन शुरू हो चुका है. हमारी नानी-दादी के जमाने से कुछ ट्रेडिशनल डिशेज बनती चली आ रही हैं जो स्वाद के साथ ही सेहत के लिए भी कमाल हैं.

चिलचिलाती गर्मी परेशान तो करती ही है, लेकिन खाने की बात करें तो इस मौसम का भी अपना मजा होता है. घर में ऐसी चीजें बनाई जाती हैं जो कमाल का टेस्ट देती हैं और हेल्दी भी रहती हैं. दादी-नानी और मम्मी हर मौसम में कुछ ट्रेडिशनल डिशेज बनाती हैं. इन डिशेज में मौसमी फूड्स का यूज किया जाता है और मसालों के कॉम्बिनेशन से इनका टेस्ट, न्यूट्रिशन और भी इनहैंस हो जाता है. इस आर्टिकल में जानेंगे ऐसी ही कुछ ट्रेडिशनल डिशेज के बारे में जिनके बारे में जानकर आपको भी पुराना स्वाद याद आ जाएगा.

नेचर ने हमें वो सब कुछ दिया है जिससे हम अलग-अलग टेम्परेचर और स्थितियों में हेल्दी रह सकें. गर्मी के सीजन में ज्यादातर ऐसे फूड्स आते हैं जो न्यूट्रिशन के साथ पानी से भी भरपूर होते हैं और हमें हाइड्रेट रखते हैं तो वहीं दादियां नानियां और मम्मी के हाथों का स्वाद इन फूड्स के स्वाद को दोगुना कर देता है. तो चलिए जान लेते हैं गर्मी की कुछ डिशेज के बारे में.

आम की लौंजी (गलका)

जब मार्केट में जाली पड़े हुए कच्चे आम आने लगते थे तो मेरी दादी आम की लौंजी जरूर बनाती थीं, जिसे कई जगहों पर गलका भी कहते हैं. गुड़ से बनी और जीरे के छौंक वाली आम की लौंजी, पूरी पराठों के साथ बेहद स्वादिष्ट लगती है साथ ही इसे ऐसे भी खाया जा सकता है.

कच्चे आम का पन्ना

गर्मियों में घरों कच्चे आम का पन्ना बहुत पुराने जमाने से बनता चला आ रहा है और अब तो फ्रिज ज्यादातर घरों में होते हैं. ऐसे में इसे तैयार करके स्टोर भी कर सकते हैं. आम का पन्ना एक जबरदस्त टेस्ट के ब्लास्ट वाली ड्रिंक है जो लू से भी बचाती है.

सत्तू से बनने वाली चीजें

गर्मी के दिनों में सत्तू को डाइट में एड करना चाहिए. इसकी तासीर तो ठंडी होती ही है साथ ही इसमें पोषक तत्व भी काफी होते हैं. बिहार का सत्तू का शरबत तो पूरे देश में पसंद किया जाता है. प्याज, हरी मिर्च, जीरा पाउडर के साथ बनाया जाने वाला चटपटा सत्तू का शरबत लू से बचाने के लिए बेहतरीन ड्रिंक है.

पुदीना-कच्चे आम की चटनी

सर्दियों में जहां लोग लहसुन की चटनी खूब खाते हैं तो वहीं गर्मी के दिनों में घरों में कच्चे आम और पुदीना की चटनी खूब पसंद की जाती है. लोग पुदीना की चटनी में कच्चे आम की जगह इमली का भी इस्तेमाल करते हैं. दोनों ही तरीके से बनने वाली ये चटनी रोटी, पराठा, दाल-चावल के अलावा खीरा, ककड़ी के साथ भी बेहतरीन स्वाद देती है.

गर्मी का डेजर्ट आम्रखंड

अगर गर्मी के डेजर्ट की बात करें तो आम्रखंड बेहतरीन ट्रेडिशनल रेसिपी है. आम का सीजन आते ही लोग श्रीखंड को आम्रखंड में बदल देते हैं. हंग कर्ड में पिसी चीनी, इलायची पाउडर और आम का पल्प एड करें. इसे कुछ ड्राई फ्रूट्स के साथ गार्निश करें. तैयार है आपका गर्मियों का टेस्टी डेजर्ट आम्रखंड.

मुर्शिदाबाद हिंसा कांड पर कुछ अनुत्तरित सवाल

और ऐसा सोचने की भूल तो कदापि नहीं करनी चाहिए कि इस भयावह पीड़ा और संत्रास वाली निमर्म घटनाओं की चैहद्दी धुलियान कस्बे तक ही सीमित है, बल्कि सच तो यह है कि मुर्शिदाबाद के विभिन्न इलाकों से आने वाली इस पीड़ा और संत्रास की आर्त चीखें दूर-दूर तक किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए हृदय विदारक रही हैं।

पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त मुर्शिदाबाद के धुलियान कस्बे में वैसे तो वक्फ कानून का विरोध 08 अप्रैल से चल रहा था, लेकिन शुक्रवार 11 अप्रैल को जुमे की नमाज के बाद इलाके में माहौल अचानक तब बिगड़ गया, जब लगभग 150 लोगों ने मोहल्ले के निहत्थे और मासूम निवासियों जोरदार हमला कर दिया। जब 51 साल की बेबस और लाचार महिला जानकी मंडल ने फूट-फूट कर रोते हुए अपनी आंखों के सामने घटी घटना का टीवी पर वर्णन किया तो सचमुच बहुत दुःख हुआ। वह बता रही थीं कि बेकाबू भीड़ ने हिंदुओं के घरों और दुकानों में आग लगा दी। पुरुषों को मारा-पीटा और सबकी आंखों के सामने ही उनकी बेटी-बहुओं और माताओं का मान लूटने की कोशिश की। उग्र भीड़ में शामिल आततायियों ने मोहल्ले वालों को धमकी दी कि भाग जाओ, वरना मारे जाओगे और लाचार मोहल्ले वाले चुपचाप यह सब देखते-सुनते रहे। फिलहाल, अपने ही देश में मालदा के वैष्णव नगर स्थित एक स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहीं जानकी मंडल ने यह भी बताया कि कैसे वह अपनी इज्जत और जान बचाकर बच्चों के साथ वहां से भागी थीं। बता दें कि यह पीड़ा केवल जानकी मंडल की नहीं, बल्कि वैष्णव नगर के स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहे लगभग 04 दर्जन हिंदू परिवारों की भी है, लेकिन ऐसा सोचना मूर्खता होगी कि मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के सबसे अधिक पीड़ित और दुखी धुलियान कस्बे के लोग ही हैं।

और ऐसा सोचने की भूल तो कदापि नहीं करनी चाहिए कि इस भयावह पीड़ा और संत्रास वाली निमर्म घटनाओं की चैहद्दी धुलियान कस्बे तक ही सीमित है, बल्कि सच तो यह है कि मुर्शिदाबाद के विभिन्न इलाकों से आने वाली इस पीड़ा और संत्रास की आर्त चीखें दूर-दूर तक किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए हृदय विदारक रही हैं। जाहिर है कि दुःख-दर्द, निराशा, हताशा, बेबसी, लाचारी और आक्रोश से भरी बिल्कुल धुलियान के लोगों जैसी ही कहानियां कई अन्य इलाकों की भी है। टीवी चैनलों की भीड़ में एक चैनल पर शमशेरगंज इलाके के प्रसेनजीत दास ने भी रोते-कलपते हुए अपनी आपबीती तथा आंखो देखी घटनाएं टीवी पर बताई। गौरतलब है कि मुर्शिदाबाद हिंसा के मृतकों में से दो लोग प्रसेनजीत दास के परिवार से ही थे। मृतकों में एक उनका चचेरा भाई हरगोविंद दास और दूसरा भतीजा चंदन था। प्रसेनजीत ने जैसा टीवी पर बताया उसके अनुसार 10 अप्रैल की रात में लगभग 400 लोगों की भीड़ तलवार और छुरियां लहराते हुए मोहल्ले में घुसी। भीड़ में शामिल आततायियों ने 25 से 30 घरों, होटलों, दुकानों आदि में तोड़-फोड़ की और उन्हें आग के हवाले कर दिया। आंखों में भय भरकर प्रसेनजीत ने बताया कि भीड़ बहुत उग्र थी, इसलिए हमलोग उनसे भीड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाए और जो कुछ वे करते रहे हमलोग चुपचाप देखते रहे।उक्त घटना के संबंध में एक अन्य बेहद खौफजदां व्यक्ति ने बताया कि भीड़ की उग्रता और आतंक इतना था कि कोई कुछ भी करने में असमर्थ महसूस कर रहा था। इसलिए सभी अपनी-अपनी जान बचाकर भागने में ही लगे रहे। जाहिर है कि ये सभी आपबीती तथा आंखो देखी पीड़ा-व्यथाएं बिल्कुल सच्ची हैं। इनके अलावा, एक और सच, जिसे अब पूरी दुनिया जान और समझ चुकी है, वह यह कि इतनी बड़ी घटना घट जाने के बाद भी बंगाल सरकार की मुखिया ममता बनर्जी की 'ममता' अब तक नहीं जाग पाई है। जरा सोचिए, कि बंगाल के मुर्शिदाबाद के सुती, धुलियान, शमशेरगंज और जंगीपुर इलाकों में हुई हिंसा में कम-से-कम 03 लोगों की जान चली गई, 15 पुलिसकर्मी घायल हुए और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। हालांकि, इस मामले में अब तक 300 से भी ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए हैं। वहीं, कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के बाद हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 1600 जवान भी तैनात किए जा चुके हैं। हिंसा प्रभावित शमशेरगंज के एक निवासी हबीबउर रहमान ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि बीएसएफ और सीआरपीएफ की तैनाती के बाद इलाके में माहौल शांत है। वैसे, खबरें यह भी आ रही हैं कि प्रशासन ने लोगों से दुकानें खोलने और अनुशासन बनाए रखने की बात कही है। वहीं, पीड़ित हिंदू परिवारों ने बीएसएफ की स्थायी तैनाती की मांग की है। उनके भीतर उस उग्र भीड़ का ऐसा खौफ समाया है कि उन्हें लगता है कि यदि बीएसएफ हटी तो फिर से स्थितियां खराब हो सकती हैं।लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा प्रतीत होता है कि ममता बनर्जी मृतकों और घायलों से मिलने उनके आंसू पोंछने के बजाए लगभग एक वर्ष के बाद होने वाले बंगाल चुनाव की गोटियां बिछाने में लगी हैं। जाहिर है कि यदि ऐसा नहीं होता तो वह कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम पहुंचकर इमामों से मिलने के बजाए मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के पीड़ित-प्रताड़ित, खौफजदां, बेबस और लाचार भुक्तभोगी परिवारों से मिलने, उनको मदद पहुंचाने और उनका दुःख-दर्द बांटने जातीं।

यदि यह भी मान लें कि उनकी कोई राजनीतिक मजबूरी रही होगी, तो कम-से-कम पीड़ितों को सांत्वना देने और ढाढ़स बंधाने के लिए वह अपना एक प्रतिनिधि ही भेज देतीं, लेकिन अब तक उन्होंने ऐसा भी नहीं किया है। हां, मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा उन्होंने अवश्य की है। बहरहाल, उक्त घटना के गर्भ से कुछ बेहद गंभीर सवाल उठे हैं, जो सरकारों और सुरक्षा एजेंसियों को कठघरे में खड़े करने की ताकत रखते हैं। जरा सोचिए, कि कहां तो हम बांग्लादेश के हिंदुओं की चिंता करते नहीं अघाते थे, लेकिन हम तो अपने ही घर बंगाल के हिंदुओं की रक्षा कर पाने में असमर्थ साबित होने लगे हैं। और तो और, अब जांच एजेंसियां बता रही हैं कि मुर्शिदाबाद हिंसा की योजना तुर्की में बनाया गया था, जिसे बांग्लादेश के रास्ते बंगाल तक पहुंचाया गया।

यह भी, कि इसके लिए बाकायदा 02 महीने पहले ही ट्रेनिंग दी गई थी, जिसमें पुलिस से बचकर दंगा भड़काने और स्थानीय मदरसों से मदद लेने की भी बातें शामिल हैं।इस पर दो बेहद गंभीर सवाल बनते हैं। पहला, यह कि हम हिंदुओं को प्रताड़ित करने के लिए किस मुह से यूनुस को दोष दें। उनसे कैसे कहें कि बांग्लादेश में हिंदू असुरक्षित और पीड़ित हैं, जबकि सच तो यह है कि हिंदू बंगाल में भी सुरक्षित नहीं हैं। दूसरा सवाल, यह कि राज्य और केंद्र की हमारी सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां क्या कर रही थीं कि तुर्की में बनी और बांग्लादेश के रास्ते मुर्शिदाबाद तक पहुंची योजना को हम विफल नहीं कर पाए। जब हिंसा के दौरान बांग्लादेश से भारत में 71-150 कॉल किए गए, तब हमने उन्हें इंटरसेप्ट क्यों नहीं किया। वास्तव में ये कुछ सवाल हैं, जिनके उत्तर मिलना अभी शेष हैं।

संपादकीय

परदेस से मोहभंग

यह खबर चौंकाने वाली है कि बीते साल विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में 25 फीसदी की कमी आई है। जबकि अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या में 36 और कनाडा जाने वाले छात्रों की संख्या में 34 फीसदी की कमी आई है। कमोबेश यही स्थिति ब्रिटेन की भी है। ये आंकड़े वर्ष 2024 के हैं। निश्चित तौर पर जब ट्रंप काल में उखाड़-पछाड़ के दौर के आंकड़े सामने आएंगे, तो वे ज्यादा चौंकाने वाले होंगे। एक समय था कि छात्रों में परदेस जाकर पढ़ाई करने का जुनून उफान पर था। हर साल मां-बाप खून-पसीने की कमाई से और अपना पेट काटकर बच्चों को पढ़ने के लिये विदेश भेज रहे थे। कहीं-कहीं तो खेत बेचकर और घर गिरवी रखकर बच्चों को विदेश पढ़ाने के लिए भेजने के मामले भी प्रकाश में आए। दरअसल, देश में बैंकों से एजुकेशन लोन मिलने की सुविधा ने भी छात्रों की विदेश यात्रा को सुगम बनाया। हर साल लाखों छात्र सुनहरे सपने लिये विदेश गमन कर रहे थे। ये जुनून पंजाब में विशेष रूप से देखा गया, जो कनाडा-अमेरिका आदि देशों में संपूर्ण भारत से जाने वाले छात्रों का साठ फीसदी था। जरूरी नहीं था कि ये सारे छात्र मेधावी थे और सब दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में दाखिला पा रहे थे। इनमें कई विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो सिर्फ विदेशी छात्रों से कमाई करने के मकसद से चलाए जा रहे थे। वहीं कुछ विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो अवैध रूप से लोगों को विदेश भेजने वाले एजेंटों की कमाई का जरिया बने हुए थे। युवाओं को छात्र के रूप में इन देशों में भेजकर मोटी रकम वसूली जा रही थी। दरअसल, धीरे-धीरे छात्रों और उनके अभिभावकों को हकीकत का अहसास होता चला गया। उन्होंने महसूस किया कि वे मोटा पैसा खर्च करके जैसे-तैसे डिग्री तो पा सकते हैं, लेकिन ये नौकरी व ग्रीन कार्ड की गारंटी नहीं है। हां, कुछ छात्र किसी तरह छोटे-मोटे काम-धंधे करके अपनी पढ़ाई का खर्चा व घर का कर्जा उतारने का जुगाड़ जरूर कर लेते थे।दरअसल, धीरे-धीरे अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों के दुराग्रहों व उनकी प्राथमिकताओं ने छात्रों को खुरदुरी जमीन के यथार्थ से रूबरू करा दिया। छात्रों को एजेंटों ने जो सब्जबाग दिखाए थे, उनकी हकीकत सामने आने लगी। इसके अलावा कोरोना काल के बाद बिखरती अर्थव्यवस्थाएं, नौकरी के आकर्षक प्रस्तावों में कमी, वीजा मिलने में हो रही दिक्कतें, इन देशों के गोरी चमड़ी वाले लोगों के भारतीयों पर बढ़े हमलों ने छात्रों में मोहभंग की स्थिति उत्पन्न कर दी। बीते साल अमेरिका में कई भारतीय छात्रों पर नस्लीय हमले हुए। कई छात्रों की हत्या हुई और अनेक घायल हुए। कनाडा व ब्रिटेन में भारत विरोधी अभियानों तथा कनाडा में जस्टिन ट्रूडो के भारत विरोधी रवैये ने भी छात्रों का मोहभंग किया।

वैसे देखा जाए तो विदेशी मुद्रा अर्जित करने के बजाय हम हर साल अरबों रुपये इन देशों को भेज रहे थे। दूसरी ओर छात्रों के विदेश जाने के मोहभंग होने का सार्थक पहलू यह भी है कि अब ये प्रतिभाएं देश में रहकर राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकती हैं। कुदरत का नियम है कि अपनी उर्वरा भूमि में ही पौधे अनुकूल वातावरण के चलते खिलते-निखरते हैं। ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता है कि आजादी के सात दश बाद भी हम देश को अंतर्राष्ट्रीय मानकों वा विश्वविद्यालय नहीं दे पाये। सामान्य शिक्षा में कौश विकास के गुण को विकसित नहीं कर पाए। छात्रों सरकारी नौकरियां पाने की लालसा को रचनात्म विकल्प नहीं दे पाये। अमेरिका की सिलिकॉन वैली लेकर आईटी से जुड़ी तमाम बड़ी कंपनियों को भारती प्रतिभाएं चला रही हैं।

आखिर क्यों हम भारतीय मेधाओं को देश में ऐस वातावरण नहीं दे पा रहे हैं, कि वे नई खोजों अनुसंधान से देश को लाभान्वित कर सकें। भार दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं वाला देश है। यदि ह उनकी क्षमता,योग्यता और प्रतिभा का बेहतर उपयोग न कर पा रहे हैं, तो यह हमारी बड़ी नाकामी है। देश सत्ताधीशों को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा कि क्यों छात्रों में विदेश जाने की होड़ लगी रहती थी। छात्र को अनुकूल वातावरण देकर ही विकसित भारत के संकल्प पूरे हो सकते हैं।

ग्रामीणों की खुशहाली के लिये मनरेगा का सशक्तिकरण हो

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज पर संसद की स्थायी समिति ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (मनरेगा) के तहत प्रदान किए जाने वाले काम के दिनों की संख्या 100 से बढ़ाकर 150 दिन करने समेत श्रमिकों के दैनिक पारिश्रमिक को कम से कम 400 रुपये निर्धारित करने की सिफारिश की है, इन सिफारिशों से न केवल यह योजना अधिक सशक्त एवं प्रभावी होकर ग्रामीण जनजीवन के कमजोर लोगों के लिये राहत का माध्यम बनेगी, बल्कि ग्रामीण जीवन को नये भारत की बुनियाद बनायेगी। मनरेगा भारत सरकार द्वारा ग्रामीण गरीब एवं कमजोर लोगों के लिए उठाया गया एक क्रांतिकारी कदम है और वर्तमान में यह भारत में सबसे बड़ा स्व-लक्ष्यीकरण कार्यक्रम है। यह सामाजिक सुरक्षा, आजीविका सुरक्षा और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण के माध्यम से ग्रामीण भारत में समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए एक प्रभावशाली साधन है। जो नये भारत, सशक्त भारत, विकसित भारत का आधार होगा।मनरेगा में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक अंकेक्षण और शिकायत निवारण तंत्र की व्यवस्था है, बावजूद मनरेगा में भी भ्रष्टाचार, अफसरशाही, अनियमितता, कोताही के कारण इस महत योजना पर भी समय-समय अंधेरा छाता रहा है। यों तो गिरावट हर स्तर पर है। समस्याएं भी अनेक मुखरित हैं पर राष्ट्रीय चरित्र को विघटित करने वाले भ्रष्टाचार एवं अनियमितता की काली छाया मनरेगा पर न पड़े, इसलिये स्थायी समिति का यह सुझाव स्वागतयोग्य है कि श्रमिकों की संतुष्टि, वेतन में देरी, भागीदारी के रुझान और योजना में वित्तीय अनियमितताओं पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। इसीलिये समिति ने मनरेगा से जुड़े कार्यक्रम की कमियों के बारे में अहम जानकारी प्राप्त करने और मनरेगा की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए आवश्यक नीतिगत सुधारों को लागू करने के लिए देशभर में स्वतंत्र एवं पारदर्शी सर्वेक्षण की सिफारिश की है। समिति ने उभरती चुनौतियों के मद्देनजर योजना को नया रूप देने पर भी जोर दिया है। मनरेगा बदलते वक्त और उभरती चुनौतियों के बावजूद आज भी प्रासंगिक है।

मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करता है, जिससे लोगों को आय प्राप्त होती है और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होता है, यह योजना टिकाऊ संपत्तियां जैसे सड़क, नहर, तालाब, कुएं बनाने पर जोर देती है, जो ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास में योगदान करती हैं। भारत आज भी गांवों का देश है, विकास की गंगा गांवों से होकर ही निकलती है। मनरेगा ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षा को बढ़ाता है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां अन्य रोजगार के अवसर सीमित हैं, यह श्रम शक्ति के सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम है। यह योजना ग्रामीण महिलाओं को रोजगार प्रदान करती है, जिससे वे सशक्त हो पाती हैं और समाज में सक्रिय भूमिका निभा पाती हैं। यदि किसी व्यक्ति को मनरेगा के तहत 15 दिनों के भीतर काम नहीं मिलता है, तो उन्हें बेरोजगारी भत्ता दिया जाता है, जो एक सुरक्षा जाल के रूप में कार्य करता है।

मनरेगा एक बहुआयामी योजना है, जिसके तहत विभिन्न उत्पादक परिसंपत्तियों का निर्माण किया जाता है, जैसे कि जल संरक्षण संरचनाएं, ग्रामीण सड़कें, और अन्य बुनियादी ढाँचे की परियोजनाएं, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देती हैं। मनरेगा के तहत रोजगार एक कानूनी अधिकार है, जिसका अर्थ है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को रोजगार का दावा करने का अधिकार है। इस दूरगामी एवं ग्रामीण जनजीवन के उन्नयन एवं उत्थान के कार्यक्रम के लागू होने के बाद लाखों मजदूरों को काम मिला है। पलायन में काफी हद तक कमी आई। मनरेगा ने साबित किया कि भारत में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए वह आज भी उम्मीद की किरण है। इस कार्यक्रम से लाखों अकुशल श्रमिकों और महिलाओं को पूरे वर्ष में सौ दिन के रोजगार की गारंटी मिली। इससे बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवार लाभान्वित हुए। यही वजह है कि इस कार्यक्रम में काम के दिन बढ़ाने की मांग अक्सर उठती रही है। अब संसद की स्थायी समिति ने भी मनरेगा पर भरोसा जताते हुए काम के दिनों की संख्या बढ़ा कर पांच महीने यानी डेढ़ सौ दिन करने और दैनिक पारिश्रमिक कम से कम चार सौ रुपए करने की सिफारिश की है, जो प्रासंगिक एवं बढ़ती महंगाई को देखते हुए जरूरी है। दरअसल, अभी इस कार्यक्रम के तहत मिलने वाली मजदूरी न्यूनतम जरूरतें एवं बुनियादी दैनिक खर्चों को पूरा करने के लिए भी अपर्याप्त हैं। मजदूरी वर्तमान आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप हों और ग्रामीण श्रमिकों को सम्मानजनक पारिश्रमिक प्रदान करें। रोजगार योजना के लिए आबंटित राशि में लंबे समय से ठहराव पर समिति की चिंता इसी संदर्भ में है। कोई दो राय नहीं कि इसकी राशि बढ़ने से इसकी प्रभावशीलता बढ़ेगी।

समिति ने कहा, बदलते समय और उभरती चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए योजना में सुधार की आवश्यकता है। समिति मंत्रालय से उन विकल्पों पर विचार करने का आग्रह करती है, जिससे मनरेगा अधिक सशक्त, पारदर्शी एवं प्रभावी बन सके। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ग्रामीण विकास योजना को बल देने में सहायक है। हालांकि मनरेगा निरन्तर सवालों से घिरी रही है, इसमें वित्तीय अनियमितता की भी शिकायतें मिलती रही हैं। इसके प्रति श्रमिकों का रुझान घटने और मजदूरी देर से मिलने पर सवाल उठते रहे हैं। ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्रालय की स्थायी समिति ने तीन साल पहले मनरेगा का विश्लेषण करते हुए कई सुझाव दिए थे। तब उस समिति ने भी इस कार्यक्रम को नया रूप देने के लिए काम के गारंटीशुदा दिनों को सौ से बढ़ा कर डेढ़ सौ करने की सिफारिश की थी और सभी राज्यों में समान मजदूरी दर करने का सुझाव दिया था। अब संसद की समिति ने उन सुझावों पर एक तरह से मुहर लगाई है। अगर मनरेगा में नीतिगत सुधारों को लागू करने के लिए स्वतंत्र और पारदर्शी सर्वेक्षण होगा, तो इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

मनरेगा ने अपनी तार्किक सार्थकता साबित की है, लेकिन अभी इसमें व्यापक सुधारों की अपेक्षा है। देखने में आ रहा है मनरेगा से लाभान्वित लोगों को अक्सर बिना काम के ही राशि दी जा रही है, सरकार को इन लोगों की श्रम-शक्ति को देश-विकास के कार्यों में नियोजित करने पर भी ध्यान देना चाहिए। मनरेगा योजना के अन्तर्गत कौशल विकास पर बल दिया जाना चाहिए। योजना भले ही अकुशल श्रमिकों के लिए अवसर प्रदान करने पर केंद्रित है, लेकिन उन्हें अपने कौशल को विकसित करने और बढ़ाने का अवसर मिलने से यह योजना देश-विकास का माध्यम बन सकती है। वनीकरण, जल संरक्षण और सड़क निर्माण जैसी विभिन्न परियोजनाओं में उनकी भागीदारी से श्रमिकों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा। वे नए कौशल सीख सकते हैं जिनका उपयोग मनरेगा द्वारा प्रदान किए जाने वाले भविष्य के रोजगार अवसरों के लिए किया जाएगा। मनरेगा योजना सड़कों, नहरों, तालाबों और सिंचाई सुविधाओं जैसी परिसंपत्तियों के विकास का समर्थन करते हुए रोजगार प्रदान करें, इस योजना को कनेक्टिविटी, कृषि उत्पादकता, वन-विकास से भी जोड़ा जाना चाहिए ताकि प्राकृतिक संसाधनों को बचाने, पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में मदद मिल सके। जिससे ग्रामीण जीवन में नए मनुष्य का जन्म होगा। नई पात्रता का निर्माण होगा, जहां हमारी ग्रामीण संस्कृति पुनः अपने मूल्यों, विरासत एवं उपयोगिता के साथ प्रतिष्ठापित होगी।मनरेगा योजना अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) सहित समाज के हाशिए पर पड़े समूहों को समान पहुँच प्रदान करने पर केंद्रित है। यह सुनिश्चित करता है कि इन कमज़ोर समूहों को रोज़गार तक समान पहुँच मिले और उनके साथ किसी भी तरह का भेदभाव न हो। ताकि एक संतुलित, समानतामूलक एवं आदर्श समाज-व्यवस्था को आकार दिया जा सके। मनरेगा योजना ग्रामीण विकास, गरीबी उन्मूलन, कौशल संवर्धन और पर्यावरणीय स्थिरता में महत्वपूर्ण आयाम बनकर सामने आये। तभी ग्रामीण परिवारों को सशक्त बनाने और भारत में ग्रामीण क्षेत्रों के व्यापक विकास को अवतरित करने का सूरज उदित हो सकेगा।

जीव-जंतुओं की दुनिया के सबसे अनोखे सदस्य

दोस्तों जीव-जंतुओं की दुनिया बड़ी ही निराली है। इस दुनिया के बारे में हम जितना भी जानते हैं उतनी ही हमारी और जानने की ख्वाहिश बढ़ती चली जाती है। हमारी दुनिया में कई छोटे-बड़े जीव ऐसे हैं जिनकी खासियतें बड़ी ही अनोखी और निराली हैं। आज ऐसे ही कुछ जीवों से हम आपको रूबरू करा रहे हैं। हम इन जीवों की खासियतें भी आपको बताएंगे। अगर आप उन लोगों में से एक हैं जिन्हें जीव-जंतुओं की दुनिया में घुसने में मजा आता है तो यकीन जानिए, ये आपके लिए ही है।

रोसी मेपल मोथ

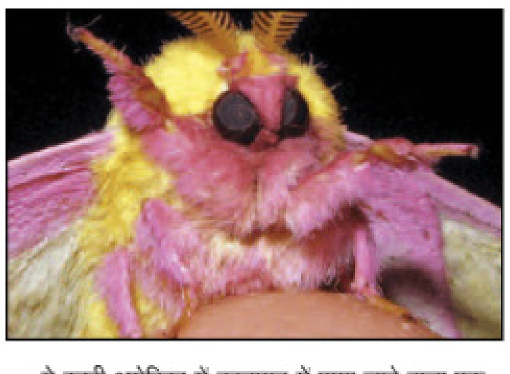

ये उत्तरी अमेरिका में बहुतायत में पाया जाने वाला एक कीट है। आम बोलचाल में इसे रोसी मेपल मोथ कहा जाता है। वहीं वैज्ञानिक भाषा में इसे ड्रायोकैम्पा रुबीक्यूंडा कहा जाता है। ये रेशम का का कीट है। इसिलिए इसे फैब्रीसियस भी कहा जाता है। इस तस्वीर में दिखाई दे रहा ये कीट अपना एक पैर उठाए हुए है जिसे देखकर लग रहा है जैसे ये हैलो कर रहा है।

अमेरिका में कई किसान इन्हें पालते भी हैं।

एग्जेंन्थिक ब्लू इगुआना

इगुआना एक प्रकार की छिपकली होती है। एग्जेन्थिक ब्लू इगुआना सभी प्रकार की इगुआना में सबसे खूबसूरत होती है। ये इतनी खूबसूरत होती है कि अमेरिका जैसे देशों में इसे लोग शौक से पालते भी हैं। अमेरिका में इसके पालने पर प्रतिबंध नहीं है और लोग इसे बाजार में बेच भी सकते हैं। गुलाब की खुशबू सूंघती इस इगुआना की तस्वीर काफी वायरल हुई थी।

वॉम्बेट

ये बेहद अनोखा और बेहद प्यारा जीव इन दिनों बेहद खतरनाक हालात से जूझ रहा है। ये ऑस्ट्रेलिया में पाया जाता है। और जैसा कि आप सभी जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया में इन दिनों बेहद भीषण आग लगी है जिसमें 50 करोड़ से भी अधिक जीव जलकर खाक हो गए हैं। ये एक छोटा वॉम्बेट है। वॉम्बेट के पैर और पूंछ इनके शरीर की तुलना में काफी छोटी होती है। इनका शरीर 1 मीटर तक लंबा हो जाता है। ये पहाड़ी, मैदानी और जंगली इलाकों में पाए जाते हैं।

सम्राट तामरीन

ये मूंछों वाला बंदर तामरीन बंदरों की कई प्रजातियों में से एक है। इसे सम्राट तामरीन कहा जाता है। कहा जाता है कि जर्मन सल्तनत के सम्राट विल्हेम द्वितीय की मूंछे भी इसी तरह की हुआ करती थी। इसिलिए इस तामरीन बंदर को सम्राट तामरीन कहा जाता है। ये बंदर अमेजन के जंगलों में बहुतायत में पाए जाते हैं।

स्कॉटिश भेड़

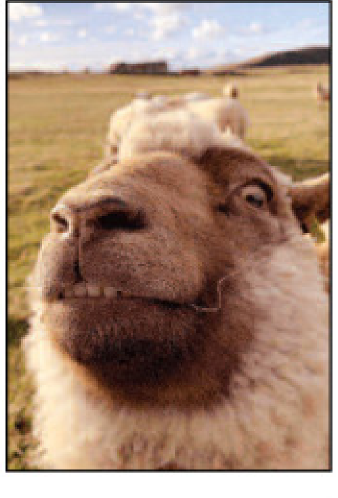

स्कॉटलैंड में बहुतायत में भेड़ पालन करने वाले किसान वास करते हैं। स्कॉटलैंड में इंसानों से ज्यादा भेड़ें रहती हैं। यहां के 15000 भेड़ फार्म्स में 70 लाख के आस-पास भेड़ें रहती हैं। किसान इन भेड़ों को दूध, ऊन और मांस के लिए पालते हैं। पिछले दिनों एक शीप फार्म से इस भेड़ की ये अनोखी तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी।

रोशनी वाला पेड़

भारत में हिमालय के आसपास कुछ ऐसे पेड़-पौधे भी हैं, जो रात के घोर अंधकार में चमक उठते हैं। उन्हें देखकर ऐसा लगता है, जैसे लाइट जल उठी हो। ऐसा ही एक पौधा सोम औषधि है। पूर्णिमा की रात से अमावस्या तक इसके सारे पत्ते गिर जाते हैं और यह रात को चमकता है। कुछ पेड़ हैं, जिनके तनों से विशेष किस्म का द्रव्य बहता है, यह द्रव्य अंधेरा होने पर चमकता है। मशरूम की भी कुछ किस्में ऐसी होती हैं, जो रात को चमक देती हैं।

कहां जाएं ध्रुवीय भालू

इनसानी दखल का असर अब ध्रुवीय भालू की जिंदगी पर पड़ने लगा है। बर्फीले आर्कटिक क्षेत्र के निवासी ये भालू गरम होते क्षेत्र के कारण अपने रहने के स्थान खोने लगे हैं। बर्फ पिघलने से इन्हें खाने के लिए भी ठीक से नहीं मिल पा रहा है। उस पर बड़ी कंपनियां लगातार उनके इलाके में घुसपैठ कर रही हैं, जिस कारण इन भालुओं को लगातार अपने रहने का ठिकाना बदलना पड़ रहा है। ऐसे में खाने की कमी को ये दूसरे भालुओं को मारकर पूरी कर रहे हैं। बड़े भालुओं का शिकार आमतौर पर मादा भालू या बच्चे बन रहे हैं। ऐसी घटनाएं पहले कभी-कभार ही होती थीं। इससे ध्रुवीय भालू के लुप्त होने का खतरा बढ़ गया है।

मेहुल की सेल्फी

नौवीं क्लास में पढ़ने वाले मेहुल को हाल ही में उसके मामा ने मोबाइल गिफ्ट में दिया था। इसकी भी एक वजह थी। मामा ने उससे वादा किया था कि अगर वह आठवीं क्लास में फर्स्ट आएगा तो वह उसे उसका मनचाहा गिफ्ट देंगे। मेहुल क्लास में फर्स्ट आया। उसके मामा ने भी उससे किया हुआ वादा निभाया।

'मेहुल.ओ.मेहुल। कहां हो तुम?' मां मेहुल को काफी देर से ढूंढ़ रही थीं, लेकिन वह कहीं नजर नहीं आ रहा था। जब मेहुल उन्हें अपने कमरे में भी नहीं दिखाई दिया तो वह सोच में पड़ गईं कि इतनी गर्मी में मेहुल बिना बताए कहां गया है। तभी उन्हें ख्याल आया कि एक बार छत पर जाकर भी देख लिया जाए। वैसे इस भरी दोपहर में उन्हें उसके छत पर होने की उम्मीद कम ही थी, लेकिन उनका मन नहीं माना। पर यह क्या! जैसे ही वह छत पर पहुंचीं तो देखा कि मेहुल छत पर खड़ा अपने नए मोबाइल से सेल्फी खींचने में व्यस्त है! वह सेल्फी में इतना खोया हुआ था कि उसे न तो मां की आवाज सुनाई दे रही थी और न ही उनके छत पर आने का पता था। मां ने उसके करीब जाकर उसकी पीठ पर थप्पड़ मारते हुए कहा, 'यह क्या कर रहे हो तुम इतनी धूप में?' तो वह चौंका। 'कुछ नहीं मां, बस यूं ही।' 'यूं ही क्या?' मां ने गुस्से से उसकी तरफ देखते हुए कहा। 'मां, अपने इस नए मोबाइल से कुछ सेल्फी ले रहा था, दोस्तों को दिखाने के लिए।' 'क्या मतलब, क्या तुम्हें यह मोबाइल इतनी धूप में सेल्फी खींचने के लिए मिला है?' मां ने उसे डांटते हुए कहा। 'चलो नीचे, मां उसका हाथ पकड़ कर ले जाने लगीं।' मेहुल अनमने मन से मां के साथ चलने लगा।

नौवीं क्लास में पढ़ने वाले मेहुल को हाल ही में उसके मामा ने मोबाइल गिफ्ट में दिया था। इसकी भी एक वजह थी। मामा ने उससे वादा किया था कि अगर वह आठवीं क्लास में फर्स्ट आएगा तो वह उसे उसका मनचाहा गिफ्ट देंगे। मेहुल क्लास में फर्स्ट आया। उसके मामा ने भी उससे किया हुआ वादा निभाया। मोबाइल पाकर मेहुल की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने अपने सभी दोस्तों को मोबाइल दिखाया और दिन भर उनके साथ सेल्फी का मजा लिया। देर शाम को जब वह घर आया तो मां ने उसे टोका भी, 'यह क्या बात हुई कि तुम नए मोबाइल के साथ दिन भर गायब रहे। न खाने-पीने की चिंता, न गर्मी की चिंता। कहीं बीमार हो गए तो स्कूल से छुट्टी लेनी पड़ेगी।' मां ने उसे ज्यादा नहीं डांटा, उन्हें लगा कि यह दो-तीन दिन का बुखार है, बाद में सब ठीक हो जाएगा। अगले दिन सुबह रोज की तरह मेहुल उठा और तैयार होकर स्कूल जाने लगा। उसने अपने बैग में अपना नया मोबाइल भी रख लिया। मां ने उसे ऐसा करते हुए देख लिया। उन्होंने उसके बैग से मोबाइल निकालते हुए कहा, 'तुम स्कूल पढ़ने जा रहे हो या मोबाइल पर बातें करने या फिर सेल्फी खींचने के लिए।' मां उसकी ओर गुस्से से देखते हुए मोबाइल लिए किचन में चली गईं। मेहुल गुस्से से पैर पटकते हुए स्कूल की ओर चल दिया। आज उसका मन क्लास में नहीं लग रहा था। उसे बस यही इंतजार था कि कब स्कूल की छुट्टी हो और वह घर जाकर अपने मोबाइल से तरह-तरह की सेल्फी ले।

आखिर उसके इंतजार की घड़ी खत्म हुई। स्कूल की छुट्टी हो गई। घर पहुंचते ही मेहुल सीधा मां के पास पहुंचा और कहा, 'मां, मेरा मोबाइल कहां है?' मां ने उसकी तरफ देखते हुए कहा, 'पहले कपड़े बदलो और खाना खा लो फिर तुम्हारा मोबाइल भी तुम्हें मिल जाएगा।' यह कहकर मां किचन की ओर चल दीं। मेहुल समझ गया कि अगर उसे मोबाइल चाहिए तो मां का कहना मानना ही पड़ेगा। उसने जल्दी से कपड़े बदल कर खाना खाया। मां ने उसका मोबाइल लाकर उसे दे दिया। मोबाइल देखकर उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। जाते-जाते मां ने उसे हिदायत दे दी कि इस गर्मी में वह छत पर या बाहर न जाए। मेहुल ने मन ही मन सोचा, यह भी कोई बात हुई। घर पर भी कोई सेल्फी लेता है। असली मजा तो बाहर सेल्फी लेने में है। मोहित के डॉगी रॉकी के साथ या फिर राहुल के भैया की बाइक पर। सोसाइटी में बने स्वीमिंग पूल पर सेल्फी का तो अलग ही मजा आएगा। यह सोचकर मेहुल बाहर जाने लगा। मां ने उसे बाहर जाते हुए देखकर कहा, 'इस दोपहर में कहां जा रहे हो?' 'मां, मैं मोहित के घर जा रहा हूं, थोड़ी देर में आ जाऊंगा।' मां ने उससे कहा, 'जल्दी आ जाना। शाम को तुम्हारे मामा आने वाले हैं। हम सब उनके साथ बाहर घूमने जाएंगे।' 'पक्का मां, मैं जल्दी आ जाऊंगा।' यह कहकर मेहुल तेजी से मोहित के घर की ओर भागा।

मेहुल को देख मोहित खुश हो गया। मेहुल और मोहित दोनों मोबाइल से सेल्फी लेने लगे। तभी मेहुल को मोहित का डॉगी दिखाई दिया। उसने मोहित से कहा, 'क्यों न रॉकी के साथ सेल्फी ली जाए।' मोहित ने उसकी हां में हां मिलाई। फिर क्या था कि दोनों रॉकी के साथ सेल्फी लेने लगे। पहले तो रॉकी को भी उनके इस खेल में मजा आ रहा था लेकिन जल्दी ही वह उनकी हरकतों से उकता गया। वह एक-दो बार उन पर गुर्राया भी लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया। तभी सोफे पर बैठे मेहुल ने अपनी बगल में बैठे रॉकी को गर्दन से लगभग खींचते हुए अपने पास लाकर सेल्फी खींचनी चाही तो रॉकी भड़क गया और उसने मेहुल के हाथ पर काट लिया। मेहुल के मुंह से चीख निकल गई। मोहित की मम्मी बगल के कमरे से दौड़ी-दौड़ी आईं। रोते हुए मेहुल और खून से सना हुआ उसका हाथ देखकर वह घबरा गईं। उन्होंने जल्दी से उसके घाव को साबुन से धोया और उसे डॉक्टर के पास ले गईं। रास्ते में उन्होंने मोहित से पूछा, 'यह कैसे हुआ?' 'मां, रॉकी ने काटा है' मोहित ने कहा। 'ऐसे कैसे काट लिया, सच-सच बात बताओ?' 'मां, मेहुल रॉकी के साथ सेल्फी ले रहा था, तभी पता नहीं इसे क्या हुआ और इसने मेहुल को काट लिया।' 'तुम अपने सेल्फी के मजे में यह भूल गए कि तुम्हारी इन हरकतों से रॉकी को परेशानी हो रही है। उसे जब कुछ समझ नहीं आया होगा तो उसने मेहुल को काटकर अपना गुस्सा जता दिया।' मां ने नाराज होते हुए कहा।

डॉक्टर से पट्टी करवाने के बाद मेहुल घर पहुंचा तो उसे इस हालत में देखकर मां एकदम घबरा गईं लेकिन जब असली बात पता चली तो उसे मां की डांट भी खानी पड़ी। उसे समझ आ गया था कि काश उसने सेल्फी की बीमारी को अपने सिर पर चढ़ने नहीं दिया होता तो यह सब नहीं होता।

पपीते खाने के फायदे

आज हम आपको बताने जा रहे है पपीता के बारे में जिसे खाने के अनेक फायदे है पपीता एक ऐसा फल है, जो पूरे साल आसानी से मिल जाता है ये एक ऐसा फल है जिसे कच्चा होने पर भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है पपीता जितना स्वादिष्ट होता है यह उतना हीं हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद भी है पपीते का रस भी बहुत फायदेमंद होता है

- मांसाहार करने वालों को पपीते का नियमित सेवन करना चाहिए

- Cholesterol कम करन में सहायक होता है पपीते में उच्च मात्रा में फाइबर मौजूद होता है साथ ही ये Vitamins C और Antio&idants से भी भरपूर होता है
- पपीते के सेवन करने से दाद, खाज, खुजली दूर हो जाती है
- पपीते के नियमित सवेन से हाई BP को Control होने में लाभ मिलता है

पपीते में Vitamins C तो भरपूर होता ही है साथ ही Vitamins A भी पर्याप्त मात्रा में होता है। Vitamins आंखों की रोशनी बढ़ाने के साथ ही बढ़ती उम्र से जुड़ी कई समस्याओं के समाधान में भी कारगर है।

- जिन महिलाओं को Periods के दौरान Pain की शिकायत होती है उन्हें पपीते का सेवन जरूर करना चाहिए, पपीते के सेवन करने से एक ओर जहां Periods साइकिल नियमित रहता है वहीं Pain में भी आराम मिलता है।
- जिन लोगों को कब्ज की समस्या रहती है, उन्हें भी पपीते का नियमित सेवन जरूर करना चाहिए।
- दिल के मरीजों और शुगर के मरीजों को पपीता का सेवन जरूर करना चाहिए इससे उन्हें लाभ मिलेगा
- पपीता खाने से सर्दी, खांसी, जुकाम आदि बीमारियां नहीं होती है
- अगर आप वजन घटाने की से सोच रहे है तो पपीते का जरूर सेवन करे इसमें मौजूद फाइबर्स वजन घटाने में मददगार होते हैं।
- पपीते के रोज सेवन से कैंसर होने का खतरा कम हो जाता है।
- अगर आप पपीते के रोज सेवन करेंगे तो झुर्रियां पड़ना, बालों का झड़ना, बवासीर, चर्मरोग, अनियमित मासिक धर्म से सम्बन्धित समस्याएं खत्म हो जाती है।

पेशाब महसूस हो तो तुरंत जाएं

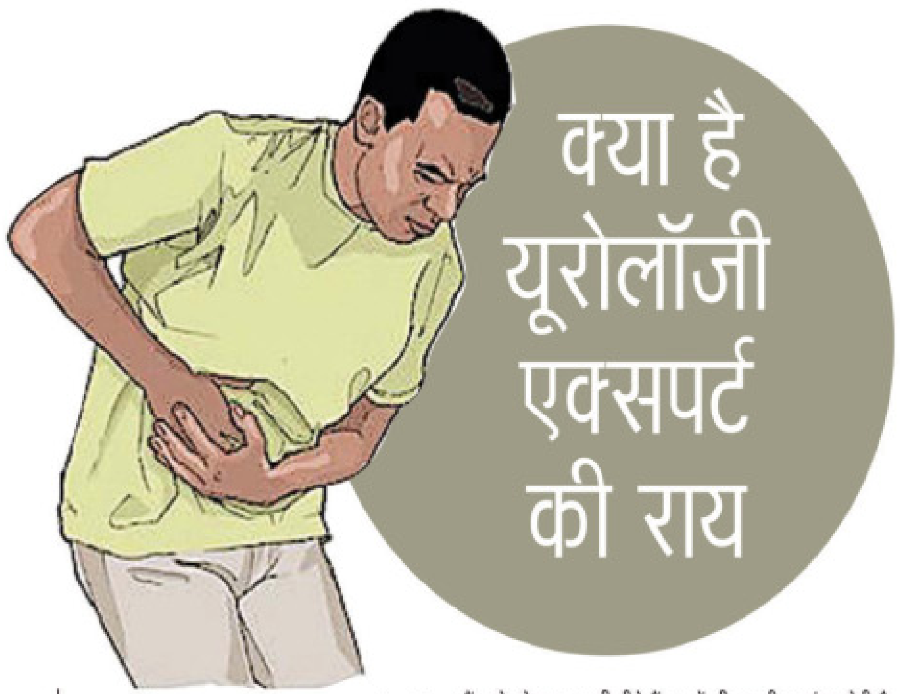

क्या है यूरोलॉजी एक्सपर्ट की राय

हमारा शरीर कुदरत की एक बहुत अच्छी कृति है, जो अपने लिए जरूरी हर काम के लिए समय-समय पर अलार्म बजाकर हमें सतर्क करता रहता है। ऐसी ही एक प्रक्रिया है, पेशाब का महसूस होना और उसका निस्तारण। कई बार हम ऐसी परिस्थिति में होते हैं कि अलार्म बजने के बाद भी इस प्रक्रिया को पूरा नहीं कर पाते, यानी महसूस होने पर भी हम उसे रोक कर रखते हैं। ऐसा कभी-कभी हो, तो फर्क नहीं पड़ता, लेकिन अगर आप अकसर ऐसा करते हैं, तो यकीनन यह आपकी सेहत पर ग्रहण लगा सकता है।

हो सकती है गुर्दे में पथरी: लम्बे समय तक पेशाब को रोके रखने की आदत आपको पेशाब की थैली, गुर्दे या पेशाब की नली में जलन और सूजन सरीखी समस्याओं का शिकार बना सकती है। आपका ऐसा करना गुर्दे के लिए बेहद हानिकारक है। इससे किडनी की कार्यप्रणाली में बाधा आ जाती है और उसकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है। पेशाब में मौजूद मिनरल एकत्रित होकर गुर्दों में पथरी का निर्माण कर सकते हैं। इससे गुर्दे में पथरी या संक्रमण की आशंका रहती है।

पेशाब के रास्ते में संक्रमण की आशंका: यूं तो इस संक्रमण के होने के कई कारण हैं, लेकिन काफी देर तक पेशाब को रोके रखने से भी मूत्र मार्गीय संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। पेशाब की तीव्रता को ज्यादा देर तक नियंत्रित करना बैक्टीरिया को बढ़ाने का काम करता है। हालांकि शोध इस बात की पुष्टि नहीं करते, पर डॉक्टर इस बात से इत्तेफाक रखते हैं और ऐसा न करने की नसीहत देते हैं। जो लोग कम पानी पीते हैं, उनमें भी इसकी आशंका होती है, क्योंकि ऐसी स्थिति में पेशाब की थैली दिमाग को पेशाब की तीव्रता का संकेत नहीं दे पाती। बैक्टीरिया मूत्र मार्ग के रास्ते फैलते हैं और संक्रमण का कारण बन जाते हैं। ऐसी स्थिति में आपको पेशाब में जलन, पेडू और निचले पेट में दर्द, पेशाब में गंध, पेशाब के रंग में परिवर्तन, खून आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

थैली में हो सकता है खिंचाव: पेशाब को ज्यादा देर तक रोके रखना पेशाब थैली में खिंचाव पैदा करता है। इस खिंचाव के चलते पेशाब की तीव्रता का निस्तारण सामान्य तौर पर नहीं होता। कई बार पेशाब होने में आने वाली समस्या को दूर करने के लिए कैथेटर सरीखे उपायों तक का इस्तेमाल करना पड़ जाता है। लम्बे समय तक पेशाब का रुक जाना कई मामलों में जानलेवा तक हो जाता है।

रिसाव की हो जाती है समस्या: लम्बे समय तक पेशाब को दबा के रखना पेल्विक फ्लोर मसल्स को नुकसान पहुंचाता है। यह मसल्स मूत्र मार्ग को बंद रखती है, ताकि पेशाब का रिसाव न होने पाए। इस मसल का नुकसान यूरिन इन्फेक्शन का कारण बन जाता है। इस समस्या से निजात दिलाने में पेल्विक फ्लोर एक्सरसाइज खासी कारगर होती है।

दर्द बन सकता है साथी: जो लोग अकसर पेशाब की तीव्र इच्छा को नजरअंदाज करते हैं और पेशाब थैली में दर्द महसूस होने पर ही सक्रिय होते हैं, उन्हें पेशाब थैली में सूजन आने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे लोगों को डिस्चार्ज के दौरान तेज दर्द की समस्या से दो-चार होना पड़ता है। पेशाब हो जाने के बाद मसल्स आंशिक रूप से खिंच जाती हैं।

रेसिपी

गोभी का पराठा

- गेहूं का आटा- 5-6 बड़े कप
- गोभी- 250 ग्राम
- जीरा- द चम्मच
- धनिया पाउडर- ½ चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- द चम्मच से थोड़ा कम
- गरम मसाला-1/4 छोटी चम्मच
- अमचूर- द चम्मच
- अदरक-1/2 टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ)
- हरा धनिया- 1 टेबिल स्पून(बारीक कटा हुआ)
- हरी मिर्च -1 बारीक कटी हुई
- नमक- ¾ छोटी चम्मच या स्वादानुसार
- तेल- सेंकने के लिए

विधि

फूल गोभी बड़े टुकड़े करके अच्छी तरह धो लें। और इन्हें कद्दूकस कर लें। अब आटे में तेल और नमक मिलाकर पानी की मदद से नरम आटा गूथ लें। और 20 मिनट के लिए ढ़क कर रख दें जिससे ये सैट हो जाए। अब कढ़ाई में तेल डाल कर गरम करें। अब इसमें जीरा डाल डालें फिर धनिया पाउडर, हरी मिर्च और अदरक डाल कर भून लें। मसाले में गोभी, अमचूर पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, नमक, गरम मसाला डालकर मिला लें। 2-3 मिनट लगातार चलाते हुए गोभी को पका लें और तैयार है आपकी स्टफिंग। अब हाथों पर थोड़ा सा तेल लगाकर इसे चिकना कर लें। और लोई बनाएं। लोई को सूखे आटे (परोथन) में लपेटकर बेलें। परांठे के ऊपर स्टफिंग से रखें और चारों ओर से उठाकर स्टफिंग को बन्द कर लें। साथ ही हल्का सा प्रेस करें जिससे स्टफिंग परांठे में चारों ओर फैल जाए। भरी हुई लोई को सूखे आटे में लपेट कर गोल परांठा बेल लें। तवा गैस पर रख कर गरम दें। तवे के गरम होने पर इसपर थोड़ा सा तेल लगाकर चिकना करें और बेले हुए परांठे को तवे पर डालें और सेंक लें। और गरमा-गरम चटनी के साथ सर्व करें।

संतरा रवा मालपुआ

- केला: संतरे का रस- 10 बड़े टीस्पून
- सूजी- 5 बड़े टीस्पून
- चीनी1/2 कप
- मैदा- 5 बड़े टीस्पून
- रबड़ी- 3/4 कप
- दूध- 1/4 कप
- दही- 2 बड़े टीस्पून
- घी- डीप फ्राई करने के लिए

विधि

सबसे पहले चीनी और 2 बड़े टीस्पून पानी की एक तार की चाश्नी बना लें। फिर इसमें 5 बड़े टीस्पून संतरे का रस डालें और अच्छी तरह से मिक्स करें और दो से तीन मिनट तक धीमी आंच पर पका लें। अब एक बाउल में मैदा, सूजी, संतरे का रस और रबड़ी डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। इसमें दूध डालकर अच्छे से फेंट लें। फिर इसमें दही डालें और अच्छे से फेंटकर स्मूथ बैटर बना लें। ध्यान रखें कि बैटर बहुत पतला न हो। अब एक नॉन-स्टिक पैन में घी गर्म करें। जब घी अच्छे से गर्म हो जाए तब इसमें एक टीस्पून बैटर डालें और थोड़ा सा फैला दें और मीडियम आंच पर दोनों ओर से गोल्डेन ब्राउन होने तक पुए को सेंक लें। इसी तरह बैटर से और पुए बना लें। अब पुओं को चाश्नी में डिप कर, रबड़ी के साथ गरमागरम सर्व करें।

टाइम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रखें। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। पुराने मित्र मिलेंगें। शुभांक-4-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक तंगताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-1-4-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-1-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधिश (चोर से)- एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला- जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

□ □ □

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा- भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

□ □ □

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने-फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला- चुम्बन क्या है?

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली- चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

□ □ □

काकुरो पहेली - 4031

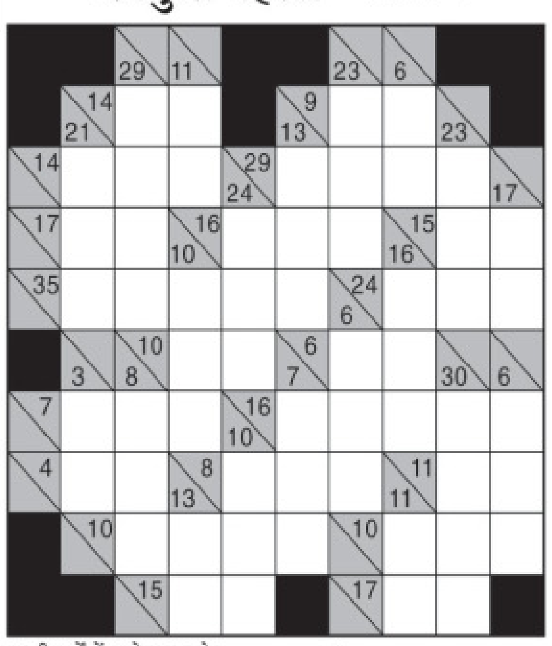

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

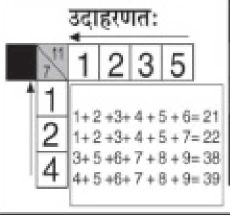

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 4030 का हल

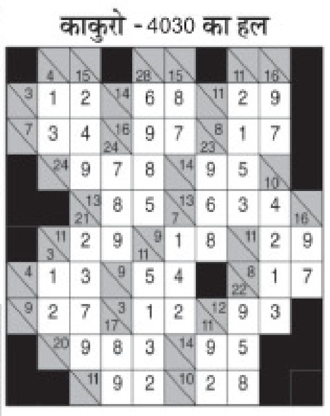

फिल्म वर्ग पहेली-4031

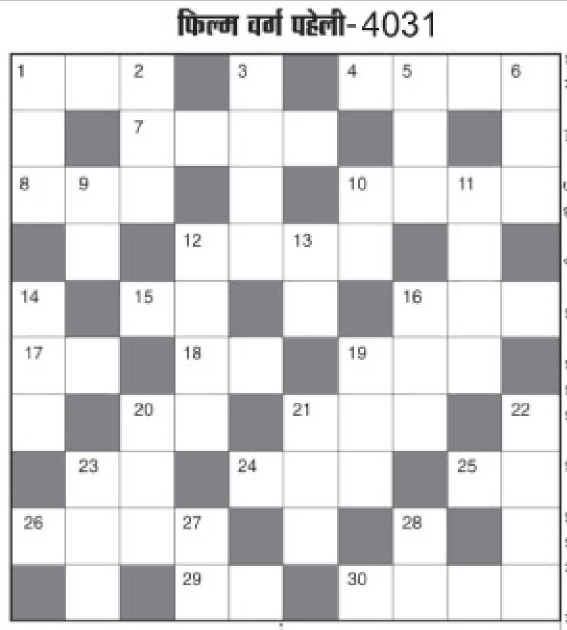

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरुख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, आयेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4030

सूडोकु -4031

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4030 हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 4031

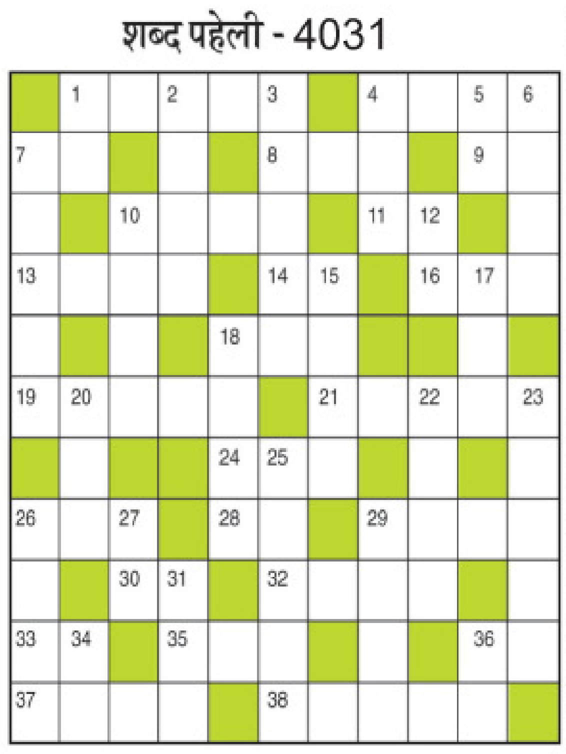

बाएँ से दाएँ

1.अनाथालय-5
4.जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7.कमरा,रूम-2
8.फिजूल-3
9.अंग्रेजी शराब-2
10.अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11.लक्ष्मी,कमला-2
13.ध्वनिहीनता,शांति-4
14.देवता,देव-2
16.प्रणाम,नमस्कार-3
18.रुधिरहीन,कमजोर-3
19.प्रस्थान करना-3,2
21.पालने वाला,ईश्वर-5
24.प्रेम,चाहना-3
26.वन,अरण्य,जंगल-3
28.विदेशी मदिरा-2
29.छिड़कना-4
30.धूल,मिट्टी-2
32.अंगीकार करना-4
33.छापा,सतत वर्षा-2
35.विरुद्ध-3
36.सुबह,प्रातःकाल-2
37.जोकर,विदूषक-4
38.संन्यासी,साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1.इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2.उदारता,बड़प्पन-4
3.पत्नी का नाना-2,3
4.दसवीं राशि -3
5.बहादुर,निडर-2
6.एक मुस्लिम महीना-4
7.कहानी लेखक-5
10.नाव चलाना-2,2
12.सम्मान-2
15.मारकाट,खून खराबा-4
17.पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18.कुकर्म,दुष्कर्म-4
20.गाड़ी,यान-3
22.इंकार करना-4
23.रचना करनेवाला, रचयिता -5
25.जीवनसाथी-5
26.कारोबार,व्यवसाय-4
27.मादा का विलोम-2
29.निर्झरणशील-4
31.ढेर,काफी सारा (उर्दू-3)
34.मजा,आनंद-2
36.भोगने वाला,कामी-2

शब्द पहेली 4030 का हल

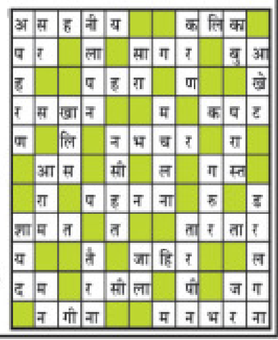

जितेन्द्र गुप्ता बने बिहार कांग्रेस के कोषाध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए जितेन्द्र गुप्ता को बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी का नया कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। इस आशय की जानकारी कांग्रेस पार्टी की ओर से जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। कांग्रेस के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल द्वारा जारी प्रेस नोट में कहा गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। इसके साथ ही जितेंद्र गुप्ता को नई जिम्मेदारी की आधिकारिक पुष्टि हो गई है। जितेन्द्र गुप्ता का बिहार कांग्रेस में लंबे समय से सक्रिय योगदान रहा है। संगठन के भीतर उनकी मेहनत, वित्तीय अनुशासन और समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी को भरोसा है कि श्री गुप्ता की नियुक्ति से संगठन की आर्थिक व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी और संसाधनों के पारदर्शी उपयोग को प्राथमिकता मिलेगी। उल्लेखनीय है कि बिहार में अगले कुछ महीनों में कई राजनीतिक गतिविधियों और संभावित चुनावी तैयारियां शुरू हो सकती हैं। ऐसे में कोषाध्यक्ष का पद काफी अहम माना जाता है, क्योंकि पार्टी संचालन, प्रचार-प्रसार और सामाजिक कार्यक्रमों के लिए आर्थिक प्रबंधन की भूमिका केंद्रीय होती है।

ममता बनर्जी ने भाजपा पर लगाया पश्चिम बंगाल में सांप्रदायिक तनाव भड़काने का आरोप

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य की हालिया घटनाओं को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि भाजपा पश्चिम बंगाल में सांप्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री ने यह आरोप एक खुले पत्र के माध्यम से लगाया, जिसमें उन्होंने राज्यवासियों को सतर्क रहने की अपील की। ममता ने लिखा, भाजपा और उसके सहयोगी अचानक पश्चिम बंगाल में बेहद आक्रामक हो गए हैं। इनके सहयोगियों में आरएसएस भी शामिल है। ये लोग एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना की आड़ में जानबूझकर उकसावे की राजनीति कर रहे हैं। ममता ने लिखा, हम सबको प्रेम करते हैं, मिलकर रहना चाहते हैं। हम दंगों की निंदा करते हैं और उसके सख्त खिलाफ हैं। ये लोग हमें बांटने की साजिश कर रहे हैं ताकि संकीर्ण राजनीतिक लाभ हासिल किया जा सके। मुख्यमंत्री ने शांति और एकता बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि हिंसा के पीछे मौजूद अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने जनता से आपसी अविश्वास से बचने और सतर्क रहने की भी अपील की।

प्रसिद्ध गायक अरिजीत सिंह ने किए भगवान महाकाल के दर्शन, सपत्नीक भस्म आरती में हुए शामिल

उज्जैन। बॉलीवुड इंडस्ट्री के प्रसिद्ध गायक अरिजीत सिंह रविवार सुबह उज्जैन पहुंचे। उन्होंने यहां महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान महाकाल के दर्शन कर पूजन अर्चन किया। अरिजीत सिंह सपत्नीक भगवान महाकाल की भस्म आरती में भी शामिल हुए। पूजन आकाश पुजारी ने सम्पन्न करवाया। दरअसल, अरिजीत सिंह का शनिवार की रात इंदौर में लाइव कॉन्सर्ट हुआ। वे इंदौर में रात्रि विश्राम के बाद रविवार सुबह करीब चार बजे महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। वे यहां भस्म आरती में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने भगवान महाकाल की पूजा-अर्चना की। अरिजीत सिंह और उनकी पत्नी ने मंदिर की देहरी से दर्शन किए। आकाश पुजारी द्वारा पूजन-पाठ कर जल अर्पित किया गया। महाकाल मंदिर समिति की ओर से अरिजीत को दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। अरिजीत सिंह लगभग दो घंटे तक नंदी हॉल में बैठकर भगवान महाकाल का जाप करते नजर आए। वे पूरे समय महाकाल की भक्ति में लीन रहे। इस दौरान उनकी पत्नी कोयल रॉय भी उनके साथ रहीं। अरिजीत मंदिर में बेहद साधारण वेशभूषा में नजर आए। उन्होंने भगवान महाकाल के नाम वाला कुर्ता पहन रखा था और मस्तक पर चंदन का तिलक लगाया हुआ था।

मप्र के टीकमगढ़ जिले में कार की टक्कर से चार लोगों की मौत

टीकमगढ़। मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ जिले में हुए एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के तीन लोग पति-पत्नी और एक दो वर्षीय मासूम शामिल है। हादसा कुंडेश्वरधाम रोड स्थित पीजी कॉलेज के सामने हुआ, जहां एक तेज रफ्तार कार ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक बाइक पर सवार पति-पत्नी और उनके दो साल के बेटे की मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक पर सवार एक युवक की भी जान चली गई। टक्कर के बाद कार भी पलट गई और बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कार चालक घटना के बाद मौके से फरार हो गया। कोतवाली थाना प्रभारी पंकज शर्मा ने बताया कि टीकमगढ़ से बाजार करने के बाद एक बाइक पर संजय साहू (25) निवासी अस्तौन अपनी पत्नी रीता साहू (23) और दो वर्षीय मासूम रुद्र साहू सवार होकर टीकमगढ़ से अपने गांव की ओर जा रहे थे।

गांधी सागर अभयारण्य बना चीतों का नया घर, मुख्यमंत्री ने खुले बाड़े में छोड़े दो चीते

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में मालवा क्षेत्र के मंदसौर जिले में स्थित गांधी सागर अभयारण्य अब चीतों का नया आशियाना बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शाम कूनो राष्ट्रीय उद्यान से लाए गए दो चीतों प्रभास और पावक को गांधी सागर अभयारण्य के खुले बाड़े में छोड़ा। इसके साथ ही दोनों चीतों ने गांधी सागर अभ्यारण्य में फर्राटे भरते हुए दौड़ लगा दी। चीतों के फर्राटे के साथ रविवार का दिन मालवा की भूमि के लिए ऐतिहासिक दिवस के रूप में दर्ज हो गया। देश में पहली बार अंतरराज्यीय स्तर पर चीतों का पुनर्वास हुआ है। यह दोनों चीते रविवार सुबह कूनो से रवाना होकर शाम को चार बजे मंदसौर के गांधी सागर अभयारण्य पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने समारोह पूर्वक इन चीतों को खुले बाड़े में छोड़ा। यहां पर्याप्त संख्या में चीतल चिंकारा और छोटे

जानवर है। दोनों छह वर्षीय युवा चीते कूनो राष्ट्रीय उद्यान में खुले में ही घूम कर शिकार कर रहे थे। इसलिए उन्हें सीधे खुले बाड़े में छोड़ा गया है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इस अवसर पर कहा कि चीता प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व में सबसे अधिक सफल मध्य प्रदेश में हुआ है। पुनर्वास के बाद श्योपुर के कूनो में दुनिया में सबसे अधिक चीतों का जन्म हुआ है। मालवा की भूमि पर हम चीतों का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि चीतों के आने से मंदसौर और नीमच जिलों में पर्यटन की संभावनाओं को पंख लग जाएंगे। राजस्थान और मध्य प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय लोगों को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे, उनके जीवन स्तर में भी सुधार होगा।

पर्यटकों की संख्या बढ़ने से अर्थव्यवस्था में भी सुधार होगा। वन्य पर्यावरण की दृष्टि से मध्य प्रदेश की धरा पर चीतों का सफलतापूर्वक पुनर्वास किया गया है।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक अनिरुद्ध मारू व हरदीप सिंह डंग, पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्य नारायण जटिया, वन विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल, संभाग आयुक्त संजय गुप्ता और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी असीम श्रीवास्तव के साथ बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

असम जेल में बंद अमृतपाल के विरुद्ध एनएसए एक साल के लिए बढ़ा

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने खडूर साहिब से कट्टरपंथी सांसद अमृतपाल सिंह के विरुद्ध लगाया गया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) एक साल के लिए बढ़ा दिया है। जिसके बाद अमृतपाल सिंह अब एक साल और असम की डिब्रूगढ़ जेल में रहेंगे। यह अवधि 23 अप्रैल से लागू होगी। अमृतपाल सिंह 23 अप्रैल 2023 से हिरासत में है। उसकी गिरफ्तारी के तुरंत बाद ही उस पर एनएसए लगा दिया गया था और उसे असम की डिब्रूगढ़ जेल में भेज दिया गया था। सरकार ने उसकी गतिविधियों को राज्य की सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए एनएसए लगाया था। पंजाब सरकार अमृतपाल के नौ साथियों पर लगाया एनएसए समाप्त करके उन्हें पंजाब की जेलों में शिफ्ट कर चुकी है। अमृतपाल के विरुद्ध लगाया गया एनएसए 22 अप्रैल को समाप्त होने जा रहा है, जिसके चलते यह अटकलें कई दिनों से लग रही थी कि सरकार अन्य की तरह अमृतपाल से भी एनएसए हटाकर उसे पंजाब की जेल में शिफ्ट कर सकती है। हालांकि सरकार ने अमृतपाल के एनएसए की अवधि को बढ़ाने का फैसला किया। पंजाब सरकार की ओर से एक पत्र मीडिया में जारी किया गया। जिस पर अमृतपाल सिंह ने 18 अप्रैल को हस्ताक्षर भी कर दिए हैं। नया एनएसए 23 अप्रैल से लागू होगा। अगर इसकी अवधि तीसरी बार बढ़ाई जाती है तो परिवार पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है। अमृतपाल सिंह के पिता तरसेम सिंह ने नाराजगी जताते हुए कहा कि देश में सिखों के लिए अलग कानून चल रहा है। सीनियर एडवोकेट आरएस बैंस ने भी अमृतपाल के विरुद्ध एनएसए को तीसरी बार बढ़ाए जाने को सरकार की विफलता करार दिया। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि अमृतपाल पर दर्ज एफआईआर में ट्रायल चलाए।

अधीनस्थ विधान संबंधी संसदीय स्थायी समिति के सदस्य सिक्किम पहुंचे, 26 अप्रैल तक रहेंगे दौरे पर

एजेंसी

गंगटोक राज्यसभा सदस्य मिलिंद देवड़ा के नेतृत्व में अधीनस्थ विधान संबंधी संसदीय स्थायी समिति के सदस्य सिक्किम पहुंचे। समिति के सदस्य 26 अप्रैल तक सिक्किम के दौरे पर रहेंगे। सांसद देवड़ा और समिति सदस्यों का आज रंगपो स्थित पर्यटक सुविधा केंद्र में भारतीय स्टेट बैंक और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने स्वागत किया। इस यात्रा के दौरान संसदीय स्थायी समिति के सदस्य विभिन्न मंत्रालयों के प्रतिनिधियों और राज्य सरकार के प्रतिनिधियों से बैठक करेंगे।

हिमाचल में चल रही कांग्रेस की मिस मैनजमेंट वाली नॉन फरफॉर्मिंग गवर्नमेंट : जेपी नड्डा

एजेंसी

धर्मशाला। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं उर्वरक व रसायन मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि सुक्खू सरकार बार-बार केंद्र से पैसे नहीं मिलने का झूठा राग अलाप रही है जबकि केंद्र से हिमाचल को भरपूर आर्थिक सहायता मिल रही है। जेपी नड्डा ने कहा कि वर्तमान में हिमाचल में चल रही कांग्रेस सरकार मिस मैनजमेंट वाली नॉन फरफॉर्मिंग गवर्नमेंट है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने तीखे शब्दों में कहा कि कांग्रेस से यदि सरकार नहीं चल रही है, तो उन्हें छोड़ देनी चाहिए। ऐसे दूसरों पर आरोप लगाकर अब जनता को बरगलाना बंद कर देना चाहिए। चंबा दौरे से लौटने के बाद कांगड़ा के गगल में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार में मिस मैनजमेंट की हद पार की जा रही है। नड्डा ने कहा कि मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि मंत्री ने कहा कि पहली बार सुनने को मिला कि हिमाचल जैसे राज्य में पहली बार ट्रेजरी बन्द रही है, जबकि

कौन सा पैसा है, जो केंद्र से दिया नहीं गया है, उसके बारे में बताएं। अब कांग्रेस से अपने कुप्रबंधन से सरकार नहीं चल रही है, तो उन्हें छोड़ देनी चाहिए। वह दूसरों पर आरोप लगाए जा रहे है, जबकि खुद अव्यवस्था फैलाई जा रही है। केंद्रीय नेशनल हेराल्ड जोकि प्रकाशित नहीं हो रही को करोड़ों के विज्ञापन जारी कर दिए गए हैं। इतना ही नहीं बेशर्मी दिखाते हुए कहा जा रहा है कि अपना पेपर है, मैं दूंगा। नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार में पूर्व में उनके स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए मेडिकल डिवाइस पार्क बद्दी के लिए एक सौ करोड़ दिए थे, जिसमें इन्होंने 25 करोड़ जारी होने के बावजूद उसे वापिस कर कहा कि हमसे नहीं बन सकता है। देश भर में तीन बल्क ड्रग पार्क केंद्र की ओर से जारी किए गए। जिसमें एक बल्क ड्रग पार्क एक हजार करोड़ का हिमाचल को मिला है, जिसमें 225 करोड़ जारी होने पर भी खर्च ही नहीं किया गया है। हेल्थकेयर में 12 क्रिटीकल केयर दिए गए हैं, एक भी पूरा नहीं हो पाया है। साथ ही 11 मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल दिए, शिलान्यास भी किए थे जो बंद पड़े हैं। इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब्स सहित अन्य पर काम ही नहीं किया गया। स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि नेशनल सेंटर ऑफ डिजीज कंट्रोल एनसीडीसी दिया गया था, उसे यहां दिलाने के बाद अब जमीन प्रदान की गई है।

भारत को परम वैभव पर ले जाने के लिए शाखा पर साधना करते हैं स्वयंसेवकः दत्तात्रेय होसबाले

एजेंसी

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने आशियाना स्थित स्मृति उपवन मैदान में शाखा टोली एकत्रीकरण में आये कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। मैदान में बैठे कार्यकर्ताओं ने सरकार्यवाह के विचारों को हृदयंगम किया। इस अवसर पर सरकार्यवाह ने कहा कि एक ही पद्धति से देश में एक लाख स्थान पर भारत के परम वैभव के लिए संघ के स्वयंसेवक नित्य शाखा पर साधना करते हैं।सरकार्यवाह ने कहा कि राष्ट्र को तोड़ने वाली शक्तियां कभी सफल नहीं होंगी। हिंदुत्व व राष्ट्रीयता इस देश की पहचान है। उन्होंने कहा कि संघ संस्थापक डॉ हेडगेवार ने भी बताया है कि हमें इसको पकड़ कर चलना है। देश की एकात्मता एक जन एक राष्ट्र एक संस्कृति है। संघ

100 वर्षों के पश्चात बढ़ रहा है। हिंदू समाज संगठित हो सकता है। आपसी भेदभाव भूलकर हिंदू समाज एक साथ खड़ा हो सकता है। संघ ने यह कर दिखाया है। आज पूरी दुनिया में संघ की प्रशंसा हो रही है। दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि भारत को परमवैभव के शिखर पर ले जाने के संघ के विचार को जन-जन तक पहुंचने के लिए काम करना है। पंच परिवर्तन के विषय को समाज के हर घर तक पहुंचना है। उन्होंने कहा कि समर्थ संगठित स्वाभिमानी श्रेष्ठ भारत का निर्माण करना है। भारत हिंदू राष्ट्र है, हिंदू राष्ट्र बनाना नहीं है। हिंदू को हिंदू के नाते एहसास करना है। समाज से भेदभाव व छुआछूत को दूर करना है। आत्मनिर्भरता, स्वदेशी, अपनी भाषा, अपनी संस्कृति और स्वबोध का गौरव प्रत्येक भारतीय को होना चाहिए। हम संघ के स्वयंसेवक हैं। संघ कार्य के द्वारा देश की सेवा का संकल्प हमने लिया है। इस देश के प्रति सबका कुछ ना कुछ कर्तव्य है। हम कुछ ना कुछ देश के लिए करें यही स्वयंसेवक चाहता है। सरकार्यवाह ने कहा कि भारत करवट ले रहा है। दूसरों को गुलाम बनाने के लिए नहीं। भारत उठेगा सारे विश्व के लोक मंगल के लिए। भारत को शक्ति वैभव सारी सृष्टि के कल्याण के लिए।

मप्र के दमोह में खाली पार्सल ट्रेन पटरी से उतरी, थर्ड लाइन और दमोह-सागर अप ट्रैक हुआ बाधित

एजेंसी

दमोह। मध्य प्रदेश के दमोह रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा रेल हादसा टल गया। यहां मलैया मिल रेलवे फाटक के पास एक खाली पार्सल ट्रेन पटरी से नीचे उतर गई। गाड़ी के दो डिब्बे ट्रैक से नीचे आ गए और ट्रेन विद्युत पोल से टकरा गई। इससे थर्ड लाइन और दमोह सागर अप ट्रैक बाधित हो गया। इसके कारण यात्री सेवा प्रभावित हुई है। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुट गए हैं। घटना करीब 3:00 बजे की है। बताया गया कि कटनी से बीना जा रही एक खाली पार्सल ट्रेन की तीन बोगियों के पहिए पटरी से उतर गए। ट्रैक से नीचे उतरी ट्रेन की ये बोगियां विद्युत पोल से टकरा गई, जिससे विद्युत पोल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रेन खाली होने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई। बताया जा रहा है कि मालगाड़ी ट्रेन थर्ड लाइन से अप ट्रैक की तरफ शिफ्ट हो रही थी। इस दौरान हादसा हो गया। इस हादसे से थर्ड लाइन और दमोह सागर अप ट्रैक बाधित हो गया। घटना की सूचना मिलते ही रेल विभाग के टेक्निकल प्रभारी प्रवीण कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। कलेक्टर सुधीर कोचर के निर्देश पर तहसीलदार मोहित जैन भी स्थिति का जायजा लेने रेलवे स्टेशन पहुंचे। हादसे के कारण यात्री सुविधा प्रभावित हुई है। कटनी से आ रही गोंडवाना एक्सप्रेस और बीना मेमू ट्रेन को रोकना पड़ा।

विश्व पटल पर भारत की अर्थव्यवस्था वर्ष 2029 तक तीसरे स्थान पर होगीः राजनाथ सिंह

एजेंसी

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत पहले वाला भारत नहीं है, भारत अब बदल गया है। पहले भारत की छवि कमजोर और गरीब देश की थी, लेकिन अब यह अवधारणा बदल चुकी है। अब जब भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलता है तो दुनिया कान खोल कर सुनती है कि भारत क्या बोल रहा है। इसीलिए यह तय किया था कि रक्षा मंत्रालय के सभी उपकरण भारत में भारतवासियों से बनाए जाएंगे क्योंकि भारत में टैलेंट की कमी नहीं है।

अर्थव्यवस्था में 11वें स्थान से जम्प लेकर अब भारत पांचवें स्थान पर आ गया है और वर्ष 2029 तक विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ में वरिष्ठ कार्यकर्ता और प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। राजनाथ सिंह ने तमाम विकास कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल के लखनऊ में बनने का कार्य पूरा हो गया है। 11 मई को मैं इसका उद्घाटन करूंगा। पहले कोई भी हथियार, टैंक, गोला, मिसाइल हमको

दूसरे देशों से आयात करना पड़ता था, लेकिन आपको खुशी होगी कि आप 24 हजार करोड़ का एक्सपोर्ट कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि डिजिटल ट्रांजेक्शन में 14 लाख करोड़ का लेनदेन हुआ है और यूपीआई के माध्यम से लेन-देन भी कई गुना बढ़ा है। रूस और यूक्रेन लड़ाई के समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तभी रूस और यूक्रेन के प्रधानमंत्री से पत्र लिखा था और वहां से 22 हजार पांच सौ छात्रों सुरक्षित निकाल कर भारत आया गया था।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जब भी मैं अपने संसदीय क्षेत्र में आता हूं, मेरी कोशिश होती है कि ज्यादा से ज्यादा अपने कार्यकर्ताओं से मिल सकूं। आप लोगों ने लगातार तीसरी बार मुझे अपना सांसद चुना है। पर शायद आप लोगों को मैं उतना समय नहीं दे पाता, जितना मुझे देना चाहिए। रक्षा मंत्रालय के कार्य, कैबिनेट बैठक और सदन में व्यस्तता और अन्य राज्यों व विदेश दौरों के कारण ऐसा होता है। पर जब भी मैं दिल्ली रहता हूं तो वहां लखनऊ से पहुंचने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता से अवश्य मिलता हूं।

वक्फ बोर्ड के कथित ट्रस्टियों पर 20 साल से किराया जमा नहीं कराने पर मुकदमा, 5 आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

अहमदाबाद। अहमदाबाद के जमालपुर क्षेत्र के कांच की मस्जिद और शाह बड़ा कासम ट्रस्ट में कथित ट्रस्टियों ने अवैध निर्माण कर करीब 20 साल तक किराया वसूली की। यह राशि वक्फ बोर्ड में जमा नहीं कराने के आरोप में पुलिस ने सलीम खान समेत 5 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने वक्फ बोर्ड और अहमदाबाद म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन (एएमसी) की ओर से दी गई जमीन पर अवैध दुकान और मकान बनाकर लाखों रुपये किराए के तौर पर वसूले। प्राथमिकी के अनुसार पांचों आरोपित वक्फ बोर्ड के ट्रस्टी नहीं होने के बावजूद लोगों से किराया वसूला करते थे। जानकारी के अनुसार जमालपुर कांच की मस्जिद के पास रहने वाला मोहम्मद रफीक अंसारी ने गायकवाड हवेली स्थित पुलिस थाने में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी के अनुसार शिकायतकर्ता मोहम्मद रफीक अंसारी ने बताया कि वह वर्षों से कांच की मस्जिद ट्रस्ट की सम्पत्ति में रहता है। ट्रस्ट के सभी पुराने ट्रस्टियों की मौत हो चुकी है। मस्जिद ट्रस्ट में मस्जिद से सटी जमीन का प्लॉट है। वर्षों पहले इस जमीन को ट्रस्टियों ने एएमसी को सौंपी थी। एएमसी को इस जमीन पर स्कूल बनाना था। वर्ष 2001 में भूकंप के समय स्कूल का भवन जर्जर हो गया था। इसका गलत लाभ लेते हुए वर्ष 2009 में कथित ट्रस्टियों ने स्कूल का भवन तोड़कर वहां दूसरा उर्दू स्कूल नहीं बनाया। इस जगह पर 10 दुकानें बना दी गईं। सलीम खान ने सौदागर कंस्ट्रक्शन नाम से ऑफिस खोला और अन्य 9 दुकानों को किराये पर दे दिया। दुकानों से किराए के रूप में जो आवक हुई उसे ना तो ट्रस्ट के अकाउंट में जमा कराया गया और न ही इसे एएमसी के पास जमा कराया गया। सलीम खान ने एएमसी और वक्फ बोर्ड के साथ धोखाधड़ी की। अहमदाबाद जोन 3 के प्रभारी डीसीपी भरत राठौड़ ने बताया कि आरोपितों ने कुल 100 करोड़ रुपये की सम्पत्ति पर लोगों से किराया वसूला है। किराए पर दिए गए मकानों से प्रति मकान 5 से 7 हजार रुपये और 10 दुकानों से प्रति दुकान 10 हजार किराया वसूला जाता था। आरोपितों ने वर्ष 2005 से ट्रस्ट का किराया वसूलते हुए अपने निजी कार्य में उपयोग किया। मामले में 5 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। वक्फ बोर्ड में सलीम खान, महबूब खान समेत अन्य लोग ट्रस्टी नहीं थे, इसके बावजूद वे ट्रस्ट की सम्पत्ति से अवैध रूप से किराया वसूला करते थे। इन कथित ट्रस्टियों ने वर्ष 2005 से ट्रस्ट की सम्पत्ति के 25 से 30 दुकान, 200 मकान और दो अवैध 6 मंजिला अपार्टमेंट भी बनाए थे। इन सभी का वे खुद के लिए उपयोग करते थे। आरोप के अनुसार शाह बड़ा कासिम ट्रस्ट की एक दानपेटी भी है, इसमें हर महीने 50 हजार रुपये आवक होती है। यह आवक भी कथित ट्रस्टी ले लेते थे। जानकारी के अनुसार मुख्य आरोपित सलीम खान के विरुद्ध पहले से हत्या समेत अन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपित ने 23 जुलाई, 2024 को गलत शपथपत्र से ट्रस्टी होने की जानकारी बोर्ड में पेश की थी।

कांग्रेस नेताओं को झूठे मुकदमों में उलझाने की कोशिशः मल्लिकार्जुन खरगे

एजेंसी

पटना। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया है कि कांग्रेस नेताओं को झूठे मुकदमे में उलझाने की कोशिशें की जा रही हैं। बिहार के बक्सर में एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने भाजपा पर षड्यंत्र के आरोप लगाए। खरगे ने दावा किया कि कांग्रेस नेताओं पर पिछले दस साल में अनगिनत रेड हुए लेकिन निकला कुछ नहीं। ईडी ने 193 नेताओं पर केस किया लेकिन केवल दो मामले साबित कर पाये। खरगे का कहना है कि नेशनल हेराल्ड मामले में जिस परिवार को बदनाम करने का प्रयास किया गया, उसके घर का हर सदस्य आजादी के आंदोलन में जेल में रहा। आजादी के

पहले आनंद भवन और स्वराज भवन जैसी संपत्ति देश को समर्पित कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार कांग्रेस और विपक्षी दलों के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा कि तमाम कोशिशों के बाद भी कांग्रेस न डरने वाली है और न झुकने वाली।

शिमला में बारिश और ओलावृष्टि से लौटी ठंड, 22 से खुलेगा मौसम

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम के कड़े तेवर देखने को मिले। गर्मी के बीच शिमला समेत राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई और ठंड का असर एक बार फिर लौट आया। शिमला शहर में सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और दोपहर को तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। इस दौरान कई इलाकों में बड़े आकार के ओले भी गिरे। मौसम के इस अचानक बदले मिजाज से स्थानीय लोग ठिठुरने लगे, जबकि गर्मी से राहत की उम्मीद लेकर आए पर्यटक भी ठंड से परेशान दिखे। राजधानी शिमला का अधिकतम तापमान सामान्य से काफी नीचे चला गया है। बारिश के चलते शहर की सड़कों पर फिसलन हो गई और बाजारों में गर्म कपड़ों की मांग एक बार फिर बढ़ गई। सैलानी दुकानों में स्वेटर और जैकेट खरीदते नजर आए। पहाड़ों की रानी शिमला में ओलावृष्टि के साथ तेज हवाएं भी चलीं, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। राज्य के ऊपरी इलाकों में बर्फबारी का सिलसिला भी जारी रहा। लाहौल-स्पीति और किन्नौर की ऊंची चोटियों पर ताजा हिमपात हुआ है। लाहौल-स्पीति के हंसा क्षेत्र में 5 सेंटीमीटर तक बर्फबारी दर्ज की गई। वहीं किन्नौर और कुल्लू के ऊपरी भागों में भी बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है। मौसम विभाग के मुताबिक किन्नौर के ताबो में 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलीं, जबकि शिमला के कुफरी में यह रफ्तार 42 किलोमीटर प्रति घंटा रही।इसके अलावा कुल्लू के कोठी में 30, केलंग में 10, पूह में 9, कुकुमसेरी में 8, मनाली में 6, सांगला में 4, कांगड़ा, धर्मशाला व भरमौर में 3-3 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई है।बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि से किसानों और बागवानों को भारी नुकसान होने की आशंका है। राज्य के मैदानी जिलों में पकी हुई गेहूं की फसल बारिश की वजह से बर्बाद हो सकती है। गेहूं की कटाई का कार्य भी बाधित हो रहा है जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। कई खेतों में कटाई के लिए तैयार फसल जमीन पर बिछ गई है। पर्वतीय जिलों में सेब की फ्लॉवरिंग पर इस मौसम ने बुरा असर डाला है। बारिश और ओलावृष्टि से फूल झड़ने लगे हैं, जिससे आगामी सेब उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। बागवानों का कहना है कि यदि मौसम जल्द साफ नहीं हुआ, तो फलों की क्वालिटी और मात्रा दोनों पर असर पड़ेगा।मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने खराब मौसम को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग ने रविवार रात के लिए कुछ हिस्सों में तेज ओलावृष्टि के ऑरेंज अलर्ट और बिजली गिरने व 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफान चलने का येलो अलर्ट जारी किया है।

गर्मियों की छुट्टियों का लोकप्रिय हिल स्टेशन है

कोडईकनाल

तमिनलाडु का कोडईकनाल हिल स्टेशन समुद्रतल से 2100 मीटर ऊपर खूबसूरत पलानी पहाड़ों पर स्थित है। मदुरै से करीब 120 किलोमीटर दूर यह हिल स्टेशन प्रकृति का बेहतरीन नजारा प्रस्तुत करता हैं। कोडईकनाल पहुंचते ही नाशपाती के बड़े-बड़े उद्यान और कलात्मक ढंग से लगाई गई इनकी शाखाएं आकर्षित करती हैं। कोडई में प्रकृति की छटा देखते बनती है। पहाड़ों के पीछे चमकते तारे कोई संदेश देते नजर आते हैं। ऐसा लगता है मानो धरती पर स्वर्ग उतर आया हो।

कोडईकनाल का अर्थ है- जंगल ही जंगल। इसे प्रकृति ने तमिलनाडु को तोहफे में दिया है। दक्षिणी भारत का यह हिल स्टेशन भीड़-भाड़ से बिल्कुल दूर है। यहां की ताजी हवा, अद्भुत दृश्य और परम शांति इसे बाकी हिल स्टेशन से अलग करती है। गार्मियों में कोडईकनाल दक्षिणी भारत के हिल स्टेशनों में सर्वश्रेष्ठ है।

कोडईकनाल में देखने के लिए बहुत कुछ है। वैसे तो कोइईकनाल हिल स्टेशन अपने आप में ही इतना आकर्षक है कि कोई भी पर्यटक यहां आने के बाद इसे अपनी स्मृतियों में संजो कर रखता है। वह आजीवन कोडईकनाल की यात्रा को नहीं भूलता। भीड़-भाड़ से अलग यहां का शांत वातावरण पर्यटकों को देखकर ऐसा लगता है मानो हम प्रकृति की गोद में बैठे हैं।

यहां स्थित 24 हेक्टेयर की भूमि पर स्टार के आकार में बनी झील पर्यटकों को लुभाती है। इसे हर पर्यटक देखना चाहता है। इस झील को देखकर हर कोई चकित हो जाता हैं। यहां का फ्लोरा और फायना म्यूजियम काफी प्रसिद्ध है। शहर से छह किलोमीटर दूर इस म्यूजियम में आर्किड और दूसरी प्रजाति के पौधे की लगभग 300 किस्में देखी जा सकती हैं।

यहां एस्ट्रोफिजिकल आबजरवेट्री 1889 में बनाया गया था। यह लैब इस क्षेत्र के सबसे ऊंचे स्थान पर स्थित है। इसे मौसम-विज्ञान संबंधी जानकारी लेने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही इसमें एक छोटा सा संग्रहालय भी है। झील के पूर्वी हिस्से में ब्रयंत वनस्पति का पार्क है। इसका नाम ब्रिटिश अधिकारी के नाम पर रखा गया था। इस पार्क के फूल बाहर भेजे जाते हैं। हर साल मई में यहां उद्यान प्रदर्शनी भी लगाई जाती है।

झील से तीन किलोमीटर उत्तर की तरफ भगवान मुरुगन को समर्पित एक छोटा मंदिर भी देखने लायक है। इसे देखने भी काफी लोग जाते हैं।

कोडईकनाल में कई झरने हैं, जिन्हें देख कर पर्यटक प्रसन्न हो जाते हैं। इन झरनों में बीयर शोला फॉल, सिल्वर कैसकेड़ फेयरी फॉल और ग्लेन फॉल खास हैं। ये झरने यहां आने वाले पर्यटकों के लिए पिकनिक स्पॉट भी हैं। स्टार झील से लगभग एक किलोमीटर दूर कोकर्स वॉक है, जिसे लेफ्टिनेंट कोकर्स के नाम पर रखा गया है। यहां पर एक टेलिस्कोप हाउस भी है जहां से हर पर्यटक घाटी के प्राकृतिक दृश्य को साफ-साफ देख सकता है। साथ ही शहर की खूबसूरती भी निहार सकता है। इसके अलावा पिलर रॉक्स भी देखने लायक है।

कोडईकनाल गर्मी की छुट्टियों यानी मई-जून के लिए बेहतरीन हिल स्टेशन है। आप विमान या ट्रेन से यहां पहुंच सकते हैं। सड़क मार्ग से भी वहां जाया जा सकता है। उत्तर भारत की बार-बार यात्रा से उकता गए हों, तो आप इस बार दक्षिण का रूख कर सकते हैं।

एक ऐसा नगर जहां खजाने से धन निकाला नहीं जाता था

अगर आप पर्यटन के साथ ही ऐतिहासिक स्थलों को देखने में भी रुचि रखते हैं तो कर्नाटक के विजयनगर आइए। दक्षिण रेलवे के होसपेट रेलवे स्टेशन से 12 किलोमीटर की दूरी पर विजयनगर नामक गांव है। यह गांव मध्य युग में एक विशाल हिंदू साम्राज्य की राजधानी था। इस साम्राज्य के अंतर्गत दक्षिण भारत का अधिकांश भाग था। इसके अधीन साठ बंदरगाह थे। उनसे विभिन्न देशों को काफी आयात-निर्यात होता था। मसालों और सूती वस्त्रों के व्यापार पर विजयनगर का एकाधिकार था।

यहां के राजाओं का विशेष खजाना स्वर्ण मुद्राओं से भरा रहता था। खजाने में हमेशा धन जमा किया जाता था। वहां से धन कभी निकाला नहीं जाता था। इस राज्य ने 250 वर्षों तक दक्षिण भारत के चार मुसलमानी राज्यों- अहमदनगर, गोलकुंडा, बीदर और बीजापुर को आगे नहीं बढ़ने दिया। इन राजाओं के शासकों ने कई बार विजयनगर पर हमला किया, लेकिन उन्हें सदैव मुंह की खानी पड़ी। यही नहीं विजयनगर ने उनकी मिलीजुली सेनाओं या अलग-अलग सेनाओं को हमेशा जबरदस्त शिकस्त दी।

अंत में चारों मुस्लिम शासित राज्यों ने विजयनगर के विरुद्ध एक महागठबंधन बनाया। उन्होंने आपसी विवाह संबंधों से गठबंधन को मजबूत बनाया। फिर उन्होंने एक विशाल सेना के साथ इस्लाम की पुर्नस्थापना के लिए विजयनगर पर आक्रमण किया। दोनों सेनाओं के बीच राक्षसी और तांगड़ी गांवों के मैदान में 23 जनवरी 155 के दिन निर्णायक युद्ध हुआ। विजयनगर के 90 वर्षीय सेनापति आलिया राम राय पकड़े गए और कत्ल कर दिए गए।

तीसरे दिन विजयी सेनाओं ने विजयनगर में प्रवेश किया। उन्होंने उसे पांच महीनों तक लूटा-खसोटा, उसमें आग लगाई, निदर्यता के साथ राजप्रासादों, सरकारी इमारतों, निजी घरों और मंदिरों की कुल्हाड़ियों, हथौड़ों और संबल से तोड़ा। गुप्त धन निकालने के लिए अधिकांश घरों के फर्श खोद दिए गए। भूवैज्ञानिक न्यू बोल्ड को 1845 में 120 वर्ग मील क्षेत्र में विजयनगर साम्राज्य की राजधानी विजयनगर के अवशेष मिले। इस समय भी 60 वर्गमील क्षेत्र में राजधानी और उसके उपनगरों के अवशेष दिखाई देते हैं। इनमें से 25 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया है।

नगर में अब केवल एक मंदिर की पूजा होती है। इसे विरूपाक्ष मंदिर या परम्पति मंदिर कहते हैं। यह मंदिर बड़े सुंदर, प्राकृतिक परिवेश में स्थित है। हेमकूट पर्वत से इसका अत्यंत सुंदर, विहंगम दृश्य नजर आता है।

यहां देखने लायक बहुत कुछ है लेकिन वह इतने बड़े क्षेत्र में फैला है कि उसे एक या दो दिन में नहीं देखा जा सकता। इसे देखने और समझने के लिए पांच-छह दिन चाहिए। यहां के दर्शनीय स्थलों में हजार राम मंदिर भी प्रमुख है। यह विजयनगर के नरेशों का निजी मंदिर था। इसकी दीवारों और स्तंभों पर रामायण की कथा अंकित की गई है। दूसरा मनोहारी मंदिर विट्ठल मंदिर है। विजयनगर शैली में बना यह मंदिर दर्शनीय है।

जीवन के हर रंग देखने को मिलते हैं कोलकाता में

भारत के दूसरे महानगरों की तरह क्या आपने रात में जगमग कोलकाता को देखा है? अगर नहीं तो किसी भी सीजन में इस ऐतिहासिक शहर को देखने का कार्यक्रम जरूर बनाएं। यह दिल्ली से पहले इस देश की राजधानी रही है। पिछले दिनों विद्या बालन की फिल्म 'कहानी' में दर्शकों ने कोलकाता शहर को देखा है। खासकर उस गीत 'आमी सोत्ती बोलती' में, जिसे उषा उत्थुप ने स्वर दिया है। इस गीत में सम्पूर्ण कोलकाता की झांकी है। जिसमें कहा गया है कि यह शहर 'स्ट्रांग और पावरफुल' है मगर फिर भी बेबस है। इस शहर की इससे बड़ी व्याख्या क्या हो सकती है कि यह चलता रहता है मगर कहीं जाता नहीं। दरअसल कोलकाता अपने सीने में अंग्रेजों के जुल्म से लेकर बंगाल के विभाजन के दर्द को भी समेटे हुए है। इस शहर की सड़कों पर जीवन की खुशियों से लेकर दरिद्रता की उदासी भी दिखाई देती है। बावजूद इसके यह ऐसा शहर है जहां जीवन के हर रंग हैं।

हुगली नदी के किनारे बसा यह शहर सदियों से कवियों, लेखकों, फिल्म प्रोड्यसरों और नोबल पुरस्कार विजेता का जनक माना जाता है। एक बार इस शहर को देखने के बाद यहां की खूबसूरत यादें भुलाएं नहीं भूलतीं। कोलकाता में संस्कृति के कई रूप देखने को मिलते हैं। यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, मेट्रो, सर्कुलर रेल और ग्राउंड रेल यानी हर तरह की परिवहन सुविधा है। सियालदह स्टेशन भारत का सबसे बड़ा रेल हब है।

कोलकाता का इतिहास ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के समय को भी दर्शाता है। 1690 में कोलकाता में पहली बार ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी आई थी और उसने 1772 में कोलकाता को अपनी राजधानी बनाया। जॉब चारनॉक को कोलकाता का जनक कहा जाता है। 1857 में यहां पहला आधुनिक भारतीय विश्वविद्यालय बना। स्वतंत्र संग्राम के दौरान आजादी के लिए राष्ट्रीय आंदोलन की शुरूआत भी यहीं से की गई थी।

कोलकाता में देखने के लिए बहुत कुछ है। यहां का विक्टोरिया मेमोरियल को दूसरा ताजमहल माना जाता है। इसे कोलकाता की शान कहा जाता है। ब्रिटिश शासक लार्ड कर्जन ने रानी विक्टोरिया को समर्पित करते हुए सफेद मकराना पत्थर से यह घर बनवाया था। आज यहां का बगीचा युवाओं के लिए बेहद लोकप्रिय जगह है। शाम में हिंदी और बंगाली में होने वाले साउंड और लाइट शो भी देखने लायक हैं। इसके अंदर उस समय की खूबसूरत चीजें रखी गई हैं।

विश्व का सबसे बड़ा बिड़ला इटालियन शैली की बेहतरीन कारीगरी है। जिसमें अनोखे जीवाश्म, मिस्र की ममी और बहुत सारी चीजें रखी गई हैं। हावड़ा ब्रिज, भारत का सबसे बड़ा पुस्तकालय नेशनल लाइब्रेरी, सांइस सिटी, ईडन गार्डन, रवींद्र सरोवर यह सब कोलकाता में देखे जा सकते हैं। 1876 में बना कोलकाता का चिड़ियाघर 16 हेक्टेयर की भूमि में फैला है। यहां बनी झील साइबेरियन पक्षियों के लिए बेहतरीन जगह है।

कोलकाता की मेट्रो भारत की पहली भूमिगत रेल थी। हालांकि यह अब तक सिर्फ यह एकतरफा रूट पर चलती है। 'कोलकाता ट्रामवे' भारत की एक अकेली ऐसी सेवा है जो सिर्फ कोलकाता में चलती है और एशिया की सबसे पुरानी विद्युत से चलने वाली ट्राम नेटवर्क है। इस शहर के रिक्शे भी अनोखे है। इन रिक्शों को इंसान खींचते हैं। हालांकि 2006 में ऐसे रिक्शों पर पांबदी लग गई थी। मगर रिक्शा यूनियन के 35 हजार सदस्य इसे आज भी चला रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि रिक्शों की दूरी कम कर दी गई है।

कोलकाता में दशहरा उत्सव बेहद धूम-धाम से मनाया जाता है। खूबसूरत पंडाल और भव्य प्रतिमाएं दुर्गापूजा को बेहद आकर्षक बनाती हैं। यहां का कालीघाट मंदिर हिंदुओं का शक्ति-पीठ माना जाता है। किवदंती के अनुसार इस जगह पर देवी पार्वती की उंगली कट कर गिर गई थी और तबसे यह शक्तिपीठ बन गया। 1809 में इस जगह पुननिर्माण किया गया और अब यहां शक्ति की देवी की पूजा की जाती है। 1847 में हुगली नदी के किनारे बना दक्षिणेश्वर काली मंदिर और बेलूर मठ भी दर्शनीय हैं। इसके अलावा रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर और नैखोडा मस्जिद भी देखी जा सकती हैं। बिड़ला प्लेनेटेरियम के बगल में है संत पॉल कैथेड्रल चर्च, जो 1839 और 1847 के बीच बना था। इस गिरजाघर की खूबसूरती देखते बनती हैं। इसके अलावा सेंट जॉन चर्च, अरमेनियम चर्च, ओल्डमिशन चर्च और ग्रीक औरथोडॉक्स चर्च भी देखने लायक हैं। अरमेनियम चर्च कोलकाता में ईसाइयों का सबसे पुराना गिरजाघर है।

कोलकाता भारत के सभी बड़े शहरों से रेल और हवाई यातायात से जुड़ा है। इसलिए यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है। किसी भी मौसम में कोलकाता घूमने जाया जा सकता है। रात हो या दिन यह शहर हर समय खूबसूरत लगता है। रात की रोशनी में नहाए कोलकाता को देखना, एक जीवन जीने के समान है।

जिला आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता में आरएसडी एकेडमी ने मारी बाजी

एजेंसी

मुरादाबाद। रामगंगा विहार स्थित आरएसडी एकेडमी में आर्म रेसलिंग एसोसिएशन मुरादाबाद के अंतर्गत दो दिवसीय जिला आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुरादाबाद के 10 से अधिक स्कूलों के 150 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आरएसडी अकैडमी स्कूल की टीम रही, वहीं दूसरे स्थान पर टाइनी टोट्स व तीसरे स्थान एसएस चिल्ड्रेन एकेडमी की टीम रही। आर्म रेसलिंग एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव मोहित चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता के दूसरे दिन बालक वर्ग में प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें अंडर 18 वर्ष में 50 किलो वर्ग में दाएं हाथ से शिव कुमार ने स्वर्ण, भविष्य ने सिल्वर व ज़ैन मलिक ने कांस्य पदक जीता, बाएं हाथ से उज़ैब अली ने स्वर्ण पदक और नैतिक पवार ने रजत पदक जीता। अंडर 55 किलो वर्ग में दाएं हाथ से आर्यन त्यागी ने स्वर्ण, यथार्थ ने रजत पदक व नोमान हुसैन ने कांस्य पदक जीता, बाएं हाथ से शौर्य धारीवाल ने स्वर्ण पदक जीता, अंडर 60 किलो वर्ग में आर्यन शर्मा ने स्वर्ण, विराट सक्सेना ने रजत व रोहन घोष ने कांस्य पदक जीता। अंडर 65 किलो में उदय सैनी ने स्वर्ण पदक और रोहन पल ने रजत पदक जीता। अंडर 70 किलो वर्ग में अक्षय सिंह ने स्वर्ण, राहुल ने रजत व भविष्य शर्मा ने कांस्य पदक जीता, बाएं हाथ से अक्षय सिंह ने स्वर्ण और श्रेष्ठ मिश्रा ने रजत पदक जीता, अंडर 80 किलो वर्ग में शुभांग सिंह ने स्वर्ण पदक जीता।

जनपदीय ब्लैक बेल्ट टेस्ट में मुरादाबाद के 21 खिलाड़ियों ने किया प्रतिभाग

मुरादाबाद। आर्यभट्ट इंटरनेशनल स्कूल में आर्यभट्ट ताइक्कांडो एकेडमी द्वारा जनपदीय ब्लैक बेल्ट टेस्ट का आयोजन किया गया। जिसमें मुरादाबाद जनपद 21 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। परीक्षक के रूप में अधिया अग्रवाल, ब्लैक बेल्ट 4th दान, व मुख्य परीक्षक के रूप में अमित उपाध्याय सर ब्लैक बेल्ट 5 दान मौजूद रहे। टेस्ट के दौरान खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता, वा मानसिक क्षमता की भी जांच की गई। हेड कोच तकी इमाम ने बताया ब्लैक बेल्ट टेस्ट देने से पहले 7 कलर बेल्ट को उत्तीर्ण करना होता है। जिसमें येलो, ग्रीन, ग्रीन वन, ब्लू, ब्लू वन, रेड , रेड वन शामिल हैं। तकी इमाम ने कहा कि आज प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों में अर्जुन दिवाकर, दानिश जफर, कार्तिक, मनीष कुमार, कनक सैनी, अब्दुल मुकीत, सय्यद मीर हाशमी, हंजाला, सय्यद जोहान अली, सय्यद अयान, रिच सैनी, मनीष ,आदर्श, उन्नति, भानु शर्मा , वंशिका शर्मा, दिव्यांशी, अरूबा नूर, हिमांशु, सलीफ हमजा, वासित हमजा शामिल रहे। इस मौके पर कोच अमन, कोच नोमान ,कोच मोहसिन, कोच वासित आदि मौजूद रहे।

आईएसएसएफ विश्व कप: अर्जुन बबूता ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में रजत पदक जीता

लीमा। भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबूता ने आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया है। पेरू के लीमा में आयोजित प्रतियोगिता में हुए मैच में अर्जुन ने मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लिहाओ को कड़ी टक्कर दी, लेकिन महज 0.1 अंक से स्वर्ण पदक से चूक गए। उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चीनी शूटर को स्वर्ण पदक मिला। अर्जुन बबूता ने कड़े फाइनल मुकाबले में 252.3 का स्कोर किया। चीनी शूटर शेंग लिहाओ ने 252.4 का स्कोर किया। अर्जुन को आखिरी शॉट पर जीत के लिए 10.7 की जरूरत थी, लेकिन उन्होंने 10.5 स्कोर किया। वह चीनी शूटर के स्कोर से महज? 0.1 पॉइंट से पीछे रह गए। हंगरी के शूटर इस्तवान मार्टन पेनी ने 229.8 पॉइंट के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) मीडिया ने खिलाड़ी पर गर्व जताते हुए सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि अर्जुन बाबूता ने लीमा, पेरू में आईएसएसएफ विश्व कप 2025 में रजत पदक जीता। वह पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल के रोमांचक फाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लिहाओ से सिर्फ 0.1 अंक पीछे रहे। अर्जुन, आप पर बहुत गर्व है।

ईस्ट बंगाल को हराकर केरला ब्लास्टर्स कलिंगा सुपरकप के क्वार्टरफाइनल में

भुवनेश्वर। केरला ब्लास्टर्स एफसी ने गत चैंपियन ईस्ट बंगाल एफसी को 2-0 से हराकर कलिंगा सुपर कप 2025 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। कलिंगा स्टेडियम में रविवार रात खेले गये राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में केरला ब्लास्टर्स ने स्पेनिश स्ट्राइकर जीसस जिमेनेज के गोल से 1-0 की बढ़त बनाई। इसके बाद मोरक्को के नोआ वली सदाउई ने 64वें मिनट में गोलकर स्कोर 2-0 कर दिया। नोआ वली सदाउई को प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। केरल ब्लास्टर्स 26 अप्रैल को क्वार्टरफाइनल में मोहन बागान एसजी से भिड़ेगी।

'नीरज चोपड़ा क्लासिक' प्रतियोगिता अब पंचकूला नहीं, बेंगलुरु में होगी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक, वर्ल्ड चैंपियनशिप, कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स जैसे बड़े मंचों पर स्वर्ण पदक जीतकर हर मुकाम हासिल किया है। अब वो एक ऐसा कदम उठाने जा रहे हैं, जिसे वह अपनी सबसे बड़ी विरासत मानते हैं। भारत में पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर की भाला फेंक प्रतियोगिता 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' का आयोजन किया जाएगा।

पंचकूला से बेंगलुरु शिफ्ट हुआ इवेंट

पहले यह मुकाबला हरियाणा के पंचकूला स्थित ताऊ देवी लाल स्टेडियम में होना था लेकिन स्टेडियम की फ्लडलाइट्स में तकनीकी दिक्कत के चलते अब इसे बेंगलुरु के कांतीरवा स्टेडियम में 24 मई को आयोजित किया जाएगा।

पाकिस्तान के अरशद नदीम को भेजा न्योता: इस खास इवेंट में पाकिस्तान के ओलंपिक मेडलिस्ट

अरशद नदीम को भी आमंत्रित किया गया है। हालांकि, अब तक उनकी ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। नीरज और अरशद के बीच मैदान में होने वाली भिड़ंत हमेशा रोमांचक रही है और अगर वो आए तो मुकाबला और दिलचस्प हो जाएगा।

दिग्गज एथलीट लेंगे हिस्सा

इस टूर्नामेंट में वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स (ग्रेनेडा), जूलियस येगो (केन्या), 2016 ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट थॉमस रोहलर (जर्मनी), करंट वर्ल्ड लीडर कर्टिस थॉम्पसन (अमेरिका) और खुद नीरज चोपड़ा सहित कई बड़े एथलीट हिस्सा लेंगे।

नीरज बोले- यही मेरी असली विरासत

नीरज ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, जब मैं ओलंपिक या वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतता था, लोग पूछते थे अब आगे क्या? उन सपनों को तो मैंने पूरा कर लिया, लेकिन यह टूर्नामेंट करवाना मेरे लिए एक सपना था। इससे मुझे लगता है कि मैं भारतीय एथलेटिक्स और यहां के एथलीट्स को कुछ लौटाने में कामयाब हो रहा हूं। गौरतलब है कि नीरज ने भारत में आखिरी बार फेडरेशन कप 2024 में हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने 82.27 मीटर भाला फेंक कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया था।

मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 9 विकेट से हराया, लगाई जीत की हैट्रिक

एजेंसी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के एक रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 9 विकेट से हराकर अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव की शानदार साझेदारी ने चेन्नई को पलटवार का कोई मौका नहीं दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 176 रन बनाए। शिवम दुबे ने 32 गेंदों पर 50 रन की उपयोगी पारी खेली, जबकि रवींद्र जडेजा ने 35 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाकर पारी को संभाला। 17 वर्षीय युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने भी 15 गेंदों में 32 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। मुंबई के लिए जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट चटकाए, जबकि दीपक चाहर, अश्विनी कुमार और मिचेल सेंटनर को एक-एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत मजबूत रही। रियान रिक्लेटन और रोहित शर्मा ने पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े।

रिक्लेटन 19 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए, जो चेन्नई के लिए एकमात्र सफलता रही और वह विकेट रवींद्र जडेजा ने लिया। इसके बाद रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव ने मिलकर मैच को एकतरफा बना दिया। रोहित ने 33 गेंदों में अर्धशतक पूरा करते हुए 76 रन की नाबाद पारी खेली। वहीं सूर्यकुमार यादव ने महज 26 गेंदों में पचासा जड़ा और 68 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर चेन्नई के गेंदबाजों की एक न चलने दी। 16वें ओवर में मथीशा पथिराना को दोनों ने तीन छक्के जड़कर मैच का अंत कर दिया। मुंबई इंडियंस ने 15.4 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर 177 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया और चेन्नई से चेपॉक में मिली हार का बदला चुकता किया।

होल्गर रून ने कार्लोस अल्कारेज को हराकर जीता बार्सिलोना ओपन का खिताब

एजेंसी

बार्सिलोना। डेनमार्क के टेनिस स्टार होल्गर रून ने बड़ा उलटफेर करते हुए वर्ल्ड नंबर-2 कार्लोस अल्कराज को हराकर बार्सिलोना ओपन 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। रून ने खिताबी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7-6 (8/6), 6-2 से जीत दर्ज की। इसके साथ ही उन्होंने करीब एक साल बाद कोई खिताब अपने नाम किया। यह मुकाबला खास इसलिए भी रहा क्योंकि अल्कराज अपने पिछले 23 क्ले कोर्ट मैचों में सिर्फ दूसरी बार हारे हैं।

होल्गर रून ने जीत के बाद कहा, ये एक पागलपन भरा एहसास है। करीब एक साल बाद खिताब जीतना मेरे लिए बेहद खास है। कार्लोस जैसे खिलाड़ी और अच्छे दोस्त को फाइनल में हराकर ये पल मेरे लिए खास है। मैंने पूरे मैच में संयम बनाए रखा और रणनीति के साथ खेला। फाइनल मुकाबले की शुरुआत में कार्लोस अल्कराज ने पांचवें गेम में ब्रेक लेकर बढ़त बनाई थी, लेकिन रून ने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर 3-3 कर दिया। इसके बाद रूने ने 10वें गेम में दो सेट पॉइंट बनाए, हालांकि अल्कराज ने उन्हें

बचा लिया। पहला सेट टाई-ब्रेक तक गया, जहां रून ने मौके का फायदा उठाते हुए पहला सेट अपने नाम कर लिया। यह इस हफ्ते अल्कराज का पहला सेट था जो उन्होंने गंवाया।

दूसरे सेट में अल्कराज ने शुरुआत में दो ब्रेक प्वाइंट जरूर बनाए, मगर रून ने उन्हें बचाया। तीसरे गेम के बाद अल्कराज ने मेडिकल टाइमआउट लिया और फिर कोर्ट पर लौटे। हालांकि तब तक होल्गर रून ने मैच की पकड़ मजबूत कर ली थी। रून ने दो बार अल्कराज की सर्विस ब्रेक करते हुए दूसरा सेट 6-2 से अपने नाम कर खिताब जीत लिया। अल्कराज, जो इससे पहले मोंटे कार्लो मास्टर्स जीत चुके हैं और फ्रेंच ओपन की तैयारी कर रहे हैं, वह बार्सिलोना में अपना तीसरा खिताब जीतने से चूक गए।

फेडे वॉल्वरडे ने 93वें मिनट में किया कमाल, एथलेटिक क्लब पर जीत से रियल मैड्रिड ने जलाई खिताबी उम्मीदें

एजेंसी

मैड्रिड। ला लिगा में खिताबी दौड़ में बने रहने के लिए रियल मैड्रिड ने आखिरी पलों में शानदार जीत दर्ज की। रात खेले गए मुकाबले में फेडे वॉल्वरडे ने 93वें मिनट में गोल दागकर एथलेटिक क्लब को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ ही मैड्रिड ने टाइटल रेस में बार्सिलोना से फासला चार अंक पर कायम रखा।

बार्सिलोना से पिछड़ने की कगार पर था मैड्रिड

चैंपियंस लीग में आर्सेनल से हारने के बाद रियल मैड्रिड के लिए यह मुकाबला बेहद अहम था। लंबे समय तक गोल के लिए जूझने के बाद लग रहा था कि टीम एक और निराशाजनक नतीजा झेलेगी, लेकिन उरुग्वे के स्टार खिलाड़ी वॉल्वरडे ने स्टॉपेज टाइम में टॉप कॉर्नर में जबरदस्त गोल कर टीम को जीत दिला दी।

काइलियन एम्बाप्पे की गैरमौजूदगी और विनीसियस की चमक

एथलेटिक क्लब ने इस मुकाबले में अपने कई स्टार खिलाड़ियों को आराम दिया था, जबकि रियल मैड्रिड काइलियन

एम्बाप्पे के बिना उतरा। एम्बाप्पे निलंबन और टखने की चोट से जूझ रहे हैं। इस बीच, विनीसियस जूनियर ने शानदार खेल दिखाया और लेफ्ट फ्लैंक पर लगातार दौड़कर दर्शकों की तालियां बटोरीं। हालांकि उन्होंने एक गोल किया, लेकिन एंड्रिक के ऑफसाइड होने से वह गोल मान्य नहीं हो सका।

बेलिंघम के मिस और गोलकीपर सिमोन की शानदार बचत

दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड ने आक्रामक तेवर दिखाए। रोड्रिगो और कैमाविंगा ने कोशिशें कीं, लेकिन एथलेटिक के गोलकीपर उनाई सिमोन ने शानदार बचाव किए। विनीसियस ने भी शानदार क्रॉस दिया, जिसे बेलिंघम ने हेड किया, लेकिन सिमोन ने उसे भी बचा लिया। अंतिम पलों में बेलिंघम ने पेनल्टी की अपील की, लेकिन रेफरी ने नकार दिया।

किंग वॉल्वरडे ने दिलाई जीत, अब नजर कोपा डेल रे फाइनल पर

जब मुकाबला ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था, तभी फेडे वॉल्वरडे ने बॉक्स के बाहर से एक शानदार स्ट्राइक लगाई, जो सिमोन के पास भी नहीं पहुंची। इस गोल से रियल मैड्रिड को जीत मिली और अब टीम कोपा डेल रे फाइनल में बार्सिलोना से भिड़ने के लिए तैयार है।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग: तेलुगु पैंथर्स, मराठी वल्चर्स और भोजपुरी लेपर्ड्स ने दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

गुरुग्राम (हरियाणा)। गुरुग्राम विश्वविद्यालय में चल रही ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) के रविवार के मुकाबले रोमांच और एक्शन से भरपूर रहे। दिन के तीन मुकाबलों में तेलुगु पैंथर्स, मराठी वल्चर्स और भोजपुरी लेपर्ड्स ने अपने-अपने विरोधियों को हराकर दमदार जीत दर्ज की।

पुरुष मुकाबलों ने बनाया हाई-वोल्टेज माहौल: महिलाओं के मुकाबलों के धमाकेदार आगाज़ के बाद पुरुष टीमें मैदान में उतरीं। पुरुष मैचों में बड़ी संख्या में लड़कियों की मौजूदगी ने स्टेडियम का माहौल और भी शानदार बना दिया। दर्शकों के उत्साही समर्थन और जोरदार जयकारों ने मुकाबलों का रोमांच दोगुना कर दिया।

तेलुगु पैंथर्स ने तमिल लायंस को दी शिकस्त: दिन के पहले मुकाबले में तेलुगु पैंथर्स ने तमिल लायंस को 33-27 से हराया। पैंथर्स ने 16 रेड और 13 टैकल पॉइंट जुटाते हुए मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी। तमिल लायंस की मजबूत रेडिंग (18 पॉइंट) के बावजूद ऑल-आउट पॉइंट की कमी उन्हें भारी पड़ी। तेलुगु पैंथर्स के ऑलराउंड प्रदर्शन ने उन्हें शानदार जीत दिलाई।

मराठी वल्चर्स ने पंजाबी टाइगर्स को पछाड़ा

दूसरे मुकाबले में मराठी वल्चर्स ने पंजाबी टाइगर्स को 55-44 से हराया।

वल्चर्स ने 30 रेड, 20 टैकल और 4 ऑल-आउट पॉइंट बटोरकर एकतरफा मुकाबला अपने नाम किया। पंजाबी टाइगर्स की रेडिंग मजबूत रही, लेकिन उनका डिफेंस मराठी की तगड़ी टैकलिंग के सामने टिक नहीं सका। मराठी वल्चर्स की ओर से तीन सुपर टैकल भी देखने को मिले।

भोजपुरी लेपर्ड्स की दमदार जीत: दिन के आखिरी मुकाबले में भोजपुरी लेपर्ड्स ने हरियाणवी शार्क्स को 39-30 से मात दी। भोजपुरी टीम ने 20 रेड, 13 टैकल और 4 ऑल-आउट पॉइंट के साथ मुकाबले पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा। शार्क्स ने मुकाबले में कड़ा संघर्ष किया, मगर लेपर्ड्स की हरफनमौला रणनीति के आगे उनकी एक न चली।

सोमवार को महिलाओं के मुकाबलों की बारी

अब महिला वर्ग के मुकाबले खेले जाएंगे। कार्यक्रम इस प्रकार है-

शाम 6:00 बजेः हरियाणवी ईगल्स बनाम भोजपुरी लेपर्डेस

शाम 7:00 बजेः मराठी फाल्कन्स बनाम तमिल शेरनी

रात 8:00 बजेः तेलुगु चीता बनाम पंजाबी टाइग्रेस

बीसीसीआई वार्षिक अनुबंध में रोहित, विराट, बुमराह और जडेजा ए-प्लस में बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को 1 अक्टूबर 2024 से 30 सितंबर 2025 तक के लिए अपने वार्षिक खिलाड़ी अनुबंध की घोषणा कर दी है। शीर्ष श्रेणी ए-प्लस (A+) में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जबकि कुछ नए चेहरों को भी इस सूची में शामिल किया गया है। अनुभवी ऑफ स्पिन गेंदबाज़ रविचंद्रन अश्विन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के कारण बाहर कर दिया गया है।

ए-प्लस ग्रेड में वही चार दिग्गज

बीसीसीआई ने ए-प्लस (+) श्रेणी में एक बार फिर कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को बरकरार रखा है। इस श्रेणी में खिलाड़ियों को सालाना 7 करोड़ रुपये का मानदेय मिलेगा।

श्रेयस अय्यर की वापसी, ईशान किशन सी ग्रेड में

पिछले साल घरेलू क्रिकेट न खेलने के कारण अनुबंध सूची से बाहर हुए श्रेयस अय्यर की इस बार बी (B) श्रेणी में वापसी हुई है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विराम लेकर रणजी ट्रॉफी में नहीं खेलने वाले ईशान किशन को सी (C) श्रेणी में रखा गया है। चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले स्पिन गेंदबाज़ वरुण चक्रवर्ती को पहली बार बीसीसीआई के अनुबंध में जगह मिली है। वहीं, हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले रविचंद्रन अश्विन का नाम इस सूची में नहीं है।

जीत-हार में ज्यादा उत्साहित या मायूस न हों: केकेआर स्पिन गेंदबाजी कोच कार्ल क्रो

एजेंसी

कोलकाता। टाटा आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सोमवार को ईडन गार्डन्स मैदान पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहम मुकाबले के लिए उतरेगी। इससे पहले टीम के स्पिन गेंदबाजी कोच कार्ल क्रो ने कहा कि टूर्नामेंट के इस दौर में खिलाड़ियों को अपनी मानसिक स्थिति संतुलित रखना बेहद जरूरी है।

'जीत या हार में ज्यादा उत्साह या निराशा न दिखाएं'

पंजाब किंग्स के खिलाफ 16 रन की करीबी हार के बाद कार्ल क्रो ने कहा, यह आवश्यक है कि हम जीत या हार में अत्यधिक उत्साहित या निराश न हों। पिछले मुकाबले में हमने शानदार गेंदबाजी की थी और उन्हें केवल 112 रन पर रोक दिया था। हमारी पारी के आधे ओवर तक हम मैच में पूरी तरह हावी थे। ऐसे में हमें अपनी रणनीति में लगातार बने रहना और सकारात्मक मानसिकता के साथ खेलना चाहिए। ईडन गार्डन्स

की पिच को लेकर कार्ल क्रो ने कहा, स्पिन गेंदबाजी यहां हमेशा से अहम भूमिका निभाती आई है और हमारे पास बेहतरीन स्पिन गेंदबाज हैं। उनके औसत रन प्रति ओवर, विकेट लेने की दर और कुल विकेट यह दर्शाते हैं कि उन्होंने कितनी मेहनत की है। कप्तान ने भी उन्हें पूरे टूर्नामेंट में अलग-अलग मौकों पर शानदार तरीके से उपयोग किया है। कोलकाता नाइट राइडर्स के प्रशिक्षक दल में अभिषेक नायर की वापसी को लेकर भी कार्ल क्रो ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, अभिषेक लंबे समय से फ्रेंचाइज़ी के साथ जुड़े हुए हैं और ड्रेसिंग रूम में उनकी काफी प्रतिष्ठा है। पिछले वर्ष हम विजेता बने थे और उसमें उनका बड़ा योगदान रहा। वह खिलाड़ियों के साथ बेहतरीन तालमेल रखते हैं और खेल की बारीकियों को अच्छी तरह समझते हैं। उनके लौटने से टीम को बड़ा लाभ मिलेगा। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम अब गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में वापसी के इरादे से मैदान पर उतरेगी। स्पिन गेंदबाजों की भूमिका एक बार फिर निर्णायक होगी और कोच क्रो का मानना है कि यदि टीम सकारात्मक मानसिकता के साथ खेले, तो परिणाम अपने पक्ष में लाना संभव है।

भारतीय महिला हॉकी टीम पांच मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम 26 अप्रैल से शुरु होने वाली पांच मैचों की आगामी सीरीज के लिए केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रात ऑस्ट्रेलिया रवाना हुई। भारतीय टीम मैत्री सीरीज की शुरुआत में 26 और 27 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया ए के साथ दो मैच खेलेंगी। इसके बाद एक, तीन और चार मई को ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ मैच होंगे। ये सभी मैच पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर 26 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई सलीमा टेटे करेंगी तथा अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर उप कप्तान होंगी। रवाना होने से पहले कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, इस दौरे पर टीम की अगुवाई करना मेरे लिए गर्व की बात है।

आरसीबी से मिली हार के बाद पंजाब किंग्स के कोच पोंटिंग ने कहा-अब हर मुक़ाबला हमारे लिए करो या मरो जैसा

एजेंसी

चंडीगढ़। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में बेहतरीन लय में नजर आ रही पंजाब किंग्स की रफ्तार नई चंडीगढ़ के महाराजा वाईपी सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में थम गई। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स की टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 7 विकेट से मात देकर टूर्नामेंट की बेहद अहम जीत अपने नाम की। टॉस हारकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 157 रन बनाए। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने तेज शुरुआत दी, लेकिन मध्य क्रम के बल्लेबाज़ बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रहे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बेंगलुरु की टीम ने विराट कोहली के नाबाद 73 रनों की शानदार पारी की बदौलत 7 गेंद शेष रहते यह मुक़ाबला अपने नाम कर लिया।

मुक़ाबले के बाद पंजाब किंग्स के मुख्य प्रशिक्षक रिकी पोंटिंग ने हार की वजह बल्लेबाज़ी को बताया।

उन्होंने कहा, हमने इस मैच में बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। पिच 157 रन से कहीं बेहतर थी। हमारे कई बल्लेबाज़ों ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल सका। यही टी20 क्रिकेट में अंतर पैदा करता है। पावरप्ले में हम 62 रन पर 1 विकेट थे, वहाँ से स्कोर 180 या 200 तक पहुँचाना चाहिए था, लेकिन हमने विकेट झुंड में गंवा दिए। पोंटिंग ने कहा कि अब टीम के सामने हर मुक़ाबला करो या मरो जैसा होगा।

उन्होंने कहा, हम हाफवे मार्क तक पहुँच चुके हैं। अब हर मैच अहम है। हमें अगले मुक़ाबलों में जीत दर्ज कर प्लेऑफ़ की दौड़ में अपनी स्थिति मज़बूत करनी होगी। कोलकाता के ख़िलाफ़ अगला मुक़ाबला बड़ा है। फिर धर्मशाला में होने वाले घरेलू मुकाबले भी हमारे लिए निर्णायक रहेंगे।, पोंटिंग ने धर्मशाला में खेलने को लेकर भी उम्मीद जताई।

उन्होंने कहा, धर्मशाला शानदार मैदान है। वहाँ की पिच अच्छी होती है, गेंद बल्ले पर तेज़ी से आती है और मैदान छोटा है। इस बार हमारे वहाँ तीन मुकाबले हैं। हमें कोशिश करनी होगी कि वह मैदान हमारे लिए भाग्यशाली साबित हो। पंजाब किंग्स अब 26 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के ख़िलाफ़ ईडन गार्डन्स में भिड़ेगी, जबकि 4 मई को धर्मशाला में लखनऊ सुपर जायंट्स के ख़िलाफ़ घरेलू मुक़ाबला खेलेगी।

मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 9 विकेट से हराया, लगाई जीत की हैट्रिक

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के महाराजा यदविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन का 37वां मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और पंजाब किंग्स के बीच खेला गया। मुकाबले में बेंगलुरु की टीम ने पंजाब की टीम को सात विकेट से हरा दिया। मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में छह विकेट पर 157 रन बनाए। जवाब में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18.5 ओवर में 3 विकेट पर 159 रन बनाते हुए जीत दर्ज कर ली। विराट कोहली 73 रन बनाकर नाबाद रहे। देवदत्त पडिक्कल ने 61 रन की पारी खेली। इस जीत के साथ आरसीबी के आठ मैचों में पांच जीत और तीन हार के साथ 10 अंक हो गए हैं। टीम अंक तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंच गई है। पंजाब की टीम के भी आठ मैचों में पांच जीत और तीन हार के साथ 10 अंक हैं, लेकिन नेट रनरेट में आरसीबी से पीछे होने के कारण वह चौथे नंबर पर है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बेंगलुरु का फिल सॉल्ट के रूप में पहला विकेट गिरा। सॉल्ट एक रन बनाकर आउट हुए। सॉल्ट का विकेट जल्दी गंवाने के बाद विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने अच्छी बल्लेबाजी की और पावरप्ले के छह ओवर में एक विकेट पर टीम का स्कोर 54 रन पहुंचा दिया। मैच में पडिक्कल ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी और

30 गेंदों पर आईपीएल करियर का अपना 10वां अर्धशतक लगा दिया। पडिक्कल 13वें ओवर में बड़ा शॉट मारने के दौरान कैच आउट हुए। उन्होंने 35 गेंदों में पांच चौके और चार छक्कों की मदद से 61 रन की पारी खेली। उन्होंने विराट के साथ 103 रन की साझेदारी की। पडिक्कल के जाने के बाद विराट ने मोर्चा संभाल लिया और अपना एक और अर्धशतक जड़ दिया। विराट कोहली ने आईपीएल करियर का 59वां अर्धशतक लगाया। फिर 143 के स्कोर पर बेंगलुरु को तीसरा झटका लगा। कप्तान रजत पाटीदार कैच आउट हो गए। वह 12 रन बना सके। इसके बाद विराट कोहली और जितेश शर्मा ने 18वें ओवर में जीत सुनिश्चित की। विराट 54 गेंदों पर 73 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पाकी में 7 चौके औक एक छक्का लगाया। जितेश शर्मा 11 रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह, हरप्रीत बरार, युजवेंद्र चहल ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 157 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब को सलामी युवा जोड़ी प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने शुरुआती चार ओवर में 41 रन जोड़ दिए। टीम का पहला विकेट पांचवें ओवर में गिरा। प्रियांश 15 गेंदों पर 22 रन बनाकर आउट हुए। फिर सातवें ओवर में प्रभसिमरन सिह भी पवेलियन लौट गए। प्रभसिमरन 17 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बना सके।

अक्षय कुमार या मैं? जब सलमान ने

कटरीना कैफ

से पूछा कौन हैं आपका फेवरेट? एक्ट्रेस के जवाब ने उड़ा दिए होश

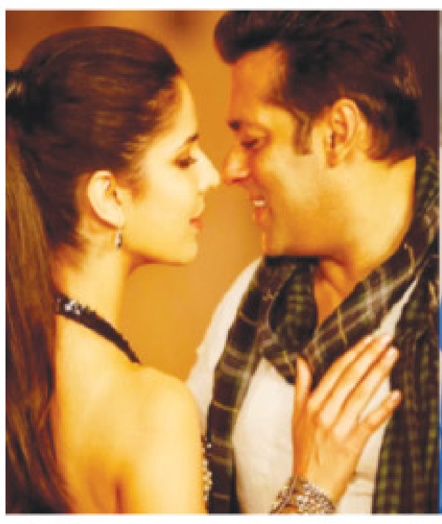

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान का अफेयर कटरीना कैफ के साथ भी काफी सुर्खियों में रहा है. लेकिन जल्द ही दोनों अलग हो गए थे. हालांकि अब भी दोनों के बीच अच्छा रिश्ता है. दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया है.

ब्रेअकप के बाद भी सलमान और कटरीना ने साथ में स्क्रीन शेयर किया. लेकिन जब एक बार सलमान खान ने कटरीना कैफ से अक्षय और उन्हें लेकर एक सवाल किया था तो कटरीना के जवाब ने सलमान के भी होश उड़ा दिए थे.कटरीना कैफ ने अक्षय कुमार के साथ भी कई फिल्मों में काम किया है और ये जोड़ी भी फैंस को काफी पसंद आई है. कटरीना एक बार सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस में पहुंची थीं. तब सलमान ने उनसे खुद को और अक्षय को कंपेयर करते हुए सवाल किया था. जिस पर कटरीना ने अक्षय की साइड ली थी और अक्षय का नाम सुनते ही सलमान का रिएक्शन देखने लायक था.

कटरीना ने सलमान नहीं, अक्षय को बताया था बेस्ट

कटरीना कैफ से सलमान खान ने कई सवाल किए थे. उसी में से एक सवाल ये था कि, आपका फेवरेट को-स्टार कौन है? सलमान ने एक्ट्रेस को चार ऑप्शन दिए थे जिनमें सलमान के साथ ही अक्षय कुमार, इमरान खान और रणबीर कपूर के नाम भी शामिल थे. कटरीना ने तुरंत ही अक्षय कुमार का नाम लिया था. अक्षय का नाम सुनते ही सलमान हैरान रह गए.

सलमान ने इसके बाद कटरीना से अक्षय और खुद में से किसी एक को चुनने के लिए कहा था. सवाल में तो बदलाव हो चुका था, लेकिन एक्ट्रेस के जवाब में कोई बदलाव नहीं हुआ. इस बार भी उन्होंने 'खिलाड़ी कुमार' का ही नाम लिया था. अभिनेत्री ने कहा था, अक्षय कुमार आपसे बेहतर को-स्टार हैं.

7 फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं अक्षय-कटरीना

कटरीना कैफ और अक्षय कुमार की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री फैंस का दिल जीत लेती है. दोनों ने 'हमको दीवाना कर गए', 'दे दना दन', 'सूर्यवंशी', 'वेलकम', 'नमस्ते लंदन', 'सिंह इज किंग' और 'तीस मार खां' जैसी फिल्में की हैं, जिसमें से सिर्फ 'हमको दीवाना कर गए' ही फ्लॉप रही है.

सैफ की जिंदगी में उनकी...करीना ने जब पति की एक्स वाइफ पर कह दी ऐसी बात, खुद को बताया अमृता की फैन

बॉलीवुड के कई एक्टर्स ने एक से ज्यादा शादी की है. इस लिस्ट में सैफ अली खान भी शामिल है. उन्होंने पहली शादी महज 20 साल की उम्र में खुद से 12 साल बड़ी मशहूर एक्ट्रेस अमृता सिंह से की थी. लेकिन ये रिश्ता 13 साल बाद टूट गया था. दोनों ने 1991 में लव मैरिज की थी और 2004 में तलाक ले लिया था.अमृता सिंह से अपना रिश्ता खत्म करने के करीब आठ साल के बाद सैफ अली खान ने पॉपुलर अदाकारा करीना कपूर खान से साल 2012 में दूसरी शादी की थी. लेकिन इससे पहले दोनों ने एक दूसरे को लंबे समय तक डेट किया था. शादी से पहले करीना ने अमृता और सैफ के रिश्ते पर भी बात की थी. वहीं उन्होंने इस दौरान ये तक कह दिया था कि वो कभी अमृता सिंह की फैन रही हैं. करीना ने इसके अलावा ये भी कहा था कि सैफ को अमृता से दोस्ती करनी चाहिए.

करीना ने खुद को कहा था अमृता की फैन

साल 2008 के आसपास सैफ और करीना की डेटिंग की शुरुआत हुई थी. उसी साल करीना ने 'पीपुल मैग्जीन' को एक इंटरव्यू दिया था. उनसे सवाल हुआ था कि क्या उनके और सैफ के बीच पुराने रिश्तों को लेकर बातें होती हैं? इस पर करीना ने कहा था, मैं इस बात का सम्मान करती हूं कि सैफ पहले भी शादीशुदा थे और उनके दो प्यारे बच्चे हैं. मैं अमृता सिंह की फैन रही हूं.

कभी नहीं हुई करीना-अमृता की मुलाकात

करीना ने एक बार करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण' पर खुलासा किया था कि उनकी और अमृता सिंह की कभी मुलाकात नहीं हुई. दोनों कभी नहीं मिले. करण ने उनसे कहा था, आप अमृता से भी बैलेंस बना कर रखती हैं? क्या आप दोनों एक-दूसरे से बात करते हैं?तो एक्ट्रेस ने जवाब दिया था, नहीं, लेकिन मैं उनकी काफी इज्जत करती हूं. हम लोग कभी नहीं मिले हैं. मेरे लिए, वह हमेशा सैफ की लाइफ में एक अहम जगह पर रहेंगी.

चार बच्चों के पिता हैं सैफ

सैफ अली खान और अमृता सिंह दो बच्चों सारा अली खान और इब्राहिम अली खान के पैरेंट्स बने थे. वहीं दूसरी शादी से भी सैफ को दो बच्चे हुए. पहले सैफ और करीना ने तैमूर फिर बेटे जहांगीर का वेलकम किया.

1 दूल्हा, 4 पत्नियां... क्रिश्चियन बनें कपिल शर्मा, 'किस किसको प्यार करूं 2' का पोस्टर देख लोग पूछे- कितनी बीवी है भाई

फेमस इंडियन कॉमेडियन कपिल शर्मा पिछले कुछ वक्त से अपनी अपकमिंग फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' को लेकर काफी चर्चा में हैं. कुछ वक्त पहले उन्होंने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म के पोस्टर शेयर किए हैं. इसके पहले उन्होंने अलग-अलग धर्म की दुल्हन के साथ शादी के जोड़े में खड़े हैं. अब उन्होंने ईस्टर के मौके पर क्रिश्चियन ब्राइड के साथ फोटो शेयर की है. हालांकि, अपने किसी भी पोस्टर में उन्होंने एक्ट्रेस की चेहरा रिवील नहीं किया है.

कपिल शर्मा की फिल्म के इस तरह से हर मौके पर पोस्टर रिलीज करने का तरीका काफी कमाल का है. इसके पहले उन्होंने बैसाखी के मौके पर सिख दूल्हा बने दुल्हन के साथ नजर आए थे. उस से पहले ईद पर मुस्लिम दूल्हा और रामनवमी पर हिंदू दूल्हे की तरह पोस्टर शेयर किया है. अब ईस्टर के मौके पर उन्होंने ईसाई धर्म के तौर पर पोस्टर शेयर किया है. इसके साथ ही कपिल शर्मा ने सभी को ईस्टर की बधाई भी दी है.

अलग धर्म की होंगी पत्नियां

अनुकल्प गोस्वामी की डायरेक्शन में बन रही किस किसको प्यार करूं को लेकर लोगों का कहना है कि इस फिल्म में भी पहले पार्ट की तरह कपिल की कई पत्नियां होंगी. हालांकि, इसमें अलग-अलग धर्म की दुल्हनों का ट्विस्ट दिया गया है. इस फिल्म के पहले पार्ट को लोगों ने काफी प्यार दिया था. वहीं नए पोस्टर की बात करें, तो कपिल उसमें टक्सिडो पहने नजर आ रहे हैं. फिल्म में कपिल शर्मा काफी गजब के ट्रांसफॉर्मेशन के साथ नजर आ रहे हैं. हालांकि, इस नए पोस्टर पर कई लोग ये भी सवाल कर रहे हैं कि आखिर उनकी कितनी बीवियां हैं.

रिलीज डेट नहीं आई है

हालांकि, कपिल के शेयर किए इस पोस्ट को देखने के बाद लोगों ने फिल्म के लिए अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की है. पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लोगों ने कपिल से फिल्म की रिलीज डेट के बारे में भी सवाल किया है. हालांकि, अभी तक रिलीज की कोई भी डेट मेकर्स ने अनाउंस नहीं की है. हालांकि, वहीं कुछ लोगों ने पोस्टर के शेयर करने के हिसाब से ये अंदाजा लगाया है कि फिल्म भी किसी त्योहार के मौके पर ही रिलीज हो सकती है.

'चेले' अजय देवगन के बाद

तमन्ना भाटिया

ने थामा 'गुरु' का हाथ! शाहरुख खान के 'दुश्मन' के साथ धांसू रोल मिल गया!

एक बार जिस हीरो-हीरोइन की फिल्म अच्छी कमाई कर ले, उसके बाद पिक्चर के स्टार्स को बैक-टू-बैक फिल्मों के ऑफर मिलते हैं. ऐसा ही कुछ 'स्त्री 2' में स्पेशल नंबर करने वाली एक्ट्रेस के साथ हो रहा है. साउथ की ये एक्ट्रेस और कोई नहीं, बल्कि तमन्ना भाटिया हैं. जो इस वक्त डायरेक्टर्स की पसंद बनी हुई हैं. हाल ही में उन्होंने अजय देवगन की 'रेड 2' में आइटम नंबर परफॉर्म किया. उनका 'नशा' हर किसी को पसंद आया है. हालांकि, इस फिल्म के अलावा तमन्ना भाटिया के खाते में कई और फुल फ्लैज्ड रोल वाली फिल्में हैं. अब किस गुरु का हाथ थाम लिया है?

तमन्ना को किसके अपोजिट मिला रोल?

हाल ही में पीपिंगमून पर एक रिपोर्ट छपी. इससे पता लगा कि रोहित शेट्टी की अपकमिंग बायोपिक में तमन्ना भाटिया की एंट्री हो गई है. दरअसल यह बायोपिक मुंबई पुलिस कमिश्नर Rakesh Maria की कहानी पर बेस्ड है. फिल्म में जॉन अब्राहम लीड रोल में होंगे. वहीं अब पता लगा है कि उनकी पत्नी प्रीति मारिया का किरदार तमन्ना भाटिया को ऑफर हुआ है.राकेश मारिया, जिनपर यह फिल्म बनाई जा रही है. उनकी जिंदगी में उनकी पत्नी प्रीति का अहम रोल रहा है. उन्होंने हर मुश्किल घड़ी में पति का साथ दिया है. साथ ही पति जब बड़े ऑपरेशन में जाकर देश की सेवा कर रहे थे, तब पीछे से परिवार और बच्चों को संभाला. उनका रोल इस फिल्म में काफी बड़ा होने वाला है. दरअसल तमन्ना भाटिया इस रोल को करने के लिए काफी खुश और एक्साइटेड हैं.

पहले भी निभा चुकी हैं पत्नी का रोल

बीते साल जॉन अब्राहम की फिल्म 'वेदा' रिलीज हुई थी. इसमें उनके साथ शरवरी वाघ दिखी थीं. हालांकि, इसी पिक्चर में तमन्ना भाटिया ने उनकी पत्नी का रोल प्ले किया था. हालांकि, वो एक कैमियो था. इस फिल्म में रोल काफी बड़ा और अहम होने वाला है.दरअसल जॉन अब्राहम के हाथ भी कई बड़ी फिल्में लग चुकी हैं. वो शाहरुख खान की पठान में विलेन बने थे, जो उनसे भिड़ते हुए दिखाई दिए थे. ऐसा कहा जा रहा है कि पठान 2 में भी उनकी वापसी हो सकती है. हालांकि मेकर्स उनके रोल को लेकर कुछ और प्लान कर रहे हैं. देखना होगा कब तक ऐलान होता है.

तमन्ना भाटिया के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

तमन्ना भाटिया की स्त्री 2 ने 800 करोड़ रुपये से ज्यादा वर्ल्डवाइड छापे थे. हाल ही में वो रेड 2 के गाने 'नशा' में दिखीं. इसके अलावा वो अजय देवगन की रेंजर में भी काम कर रही हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, वो शूट शुरू भी कर चुकी हैं. बीते दिनों ऐसी खबर आई थी कि उनकी वरुण धवन और अर्जुन कपूर की NO ENTRY 2 में एंट्री हो गई है. अब रोहित शेट्टी की फिल्म में होंगी. एक के बाद एक 3 बड़े प्रोजेक्ट्स हाथ लगे हैं. खासकर सिंघम गैंग वालों के साथ काम कर रही हैं. पहले चेला, तो अब गुरु की बारी है.